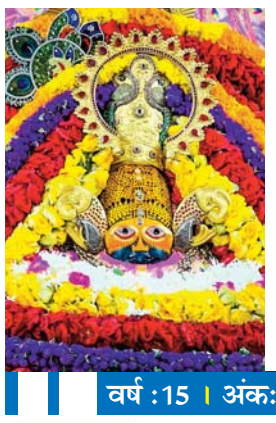

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:217। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (रविवार) 29 मार्च 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

बंगाल चुनाव

ममता बनर्जी के खिलाफ भाजपा की चार्जशीट

• अमित शाह बोले- ये टीएमसी के 15 साल के काले कारनामों का संकलन

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सरकार के खिलाफ चार्जशीट जारी की है। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह चार्जशीट टीएमसी सरकार के 15 सालों के काले कारनामों का संकलन है। भाजपा ने 40 पन्नों की चार्जशीट 'टीएमसी के 15 साल, पश्चिम बंगाल लहूलुहान' में तृणमूल कांग्रेस सरकार के 15 साल की खामियों को गिनाया है। इसमें घुसपैठ, व्यापक भ्रष्टाचार और संस्थागत पतन, वित्तीय कुप्रबंधन, प्रशासनिक विफलता, कानून व्यवस्था, महिला सुरक्षा, कृषि संकट, स्वास्थ्य सेवा का पतन और घोटालों का जिक्र है। चार्जशीट में आरोप लगाए गए हैं कि टीएमसी समर्थित सिंडिकेट घुसपैठियों को 'वोट बैंक' बनाने में मदद करने के लिए नकली आईडी कार्ड उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा और जनसांख्यिकी खतरे में पड़ रही है। पश्चिम बंगाल की 2,216.7 किलोमीटर लंबी सीमा में से 569 किलोमीटर सीमा पर अभी भी बाड़ नहीं लगी है, जिसका कारण टीएमसी सरकार की ओर से घुसपैठ को बढ़ावा देने के लिए जमीन अधिग्रहण में की गई देरी है।

'बंगाल में सिंडिकेट राज' का आरोप लगाते हुए भाजपा ने कहा है कि कोयला, पीडीएस, एसएससी और मनरेगाजैसे क्षेत्रों में संस्थागत भ्रष्टाचार व 'कट-मनी' (कमीशन) की संस्कृति सभी नागरिक सेवाओं में फैल चुकी है। भाजपा ने चार्जशीट में दावा किया कि बंगाल में 2016 से अब तक 300 राजनीतिक हत्याएं और 13,000 से ज्यादा हत्या के प्रयास हुए। मुर्शिदाबाद, मोमिनपुर और महेशतला में बार-बार सांप्रदायिक अशांति फैली।

महिलाओं के खिलाफ अपराधों का जिक्र करते हुए भाजपा ने आरोप लगाया कि पार्क स्ट्रीट से लेकर संदेशखाली तक न्याय दिलाने में सरकार विफल रही है।

बंगाल में अकेले 2023 में महिलाओं के खिलाफ 34,738 अपराध दर्ज किए गए। भाजपा ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल से 6,688 कंपनियों का पलायन और 18,450 एमएसएमई बंद हुए हैं। इसी कारण बड़े पैमाने पर पूंजी का पलायन हुआ है। वहीं, बेरोजगारी दर के कारण 40 लाख से ज्यादा युवाओं को पलायन करने पर मजबूर होना पड़ा है।

'विक्टिम कार्ड' की पॉलिटिक्स खेलती हैं ममता- शाह

तंज कसते हुए गृह मंत्री ने कहा कि ममता बनर्जी ने हमेशा विक्टिम कार्ड की पॉलिटिक्स खेली हैं। कभी उनका पैर टूट जाता है, कभी उनके सिर पर पट्टी बंध जाती है, कभी वह बीमार पड़ जाती हैं और कभी वह चुनाव आयोग के सामने खड़ी होकर बेबसी का नाटक करती हैं। चुनाव आयोग को गालियां देती हैं। लेकिन मैं उन्हें यह बताने आया हूं कि बंगाल के लोग अब विक्टिम कार्ड की इस पॉलिटिक्स को अच्छी तरह समझ चुके हैं।

'मोदी-ट्रंप के बीच कॉल में शामिल नहीं था कोई तीसरा'

• मस्क से जुड़ी खबरों को विदेश मंत्रालय ने किया खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली । विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने 24 मार्च को हुई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन वार्ता को लेकर सामने आई खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। प्रवक्ता ने कहा कि हमने इस खबर को देखा है। 24 मार्च को हुई टेलीफोन बातचीत केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच ही हुई थी। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि इस बातचीत के दौरान पश्चिम एशिया की स्थिति पर दोनों नेताओं के बीच विचारों का आदान-प्रदान हुआ। दरअसल यह खबरें चल रही थी कि इस बातचीत में दिग्गज उद्यमी एलन मस्क भी जुड़े थे। मस्क के शामिल होने का दावा अमेरिकी अख़बार द न्यूयॉर्क टाइम्स ने किया है। अमेरिकी अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स की रेपोर्ट के अनुसार इस कॉल में एलन मस्क भी शामिल थे। यह जानकारी दो अमेरिकी अधिकारियों ने दी। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं है कि मस्क ने बातचीत में कुछ कहा या सिर्फ सुन रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

• ओडिशा में दर्दनाक हादसा

नयागढ़ में टूरिस्ट बस पलटी, पांच की मौत

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा में शनिवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे और तेज तूफान ने मिलकर तबाही मचा दी। नयागढ़ जिले में एक टूरिस्ट बस के पलटने से पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक यात्री घायल हो गए। वहीं, मयूरभंज और पुरी जिलों में आए तेज आंधी-तूफान के कारण तीन लोगों की जान चली गई। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा रात करीब 2 बजे हनुमान घाटी रोड पर दासपल्ला इलाके में हुआ, जब 55 यात्रियों से भरी बस मोड़ लेते समय अनियंत्रित होकर पलट गई। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है। मृतकों की पहचान हरी पात्रा, लक्ष्मी पात्रा, सुप्रभा साहू, सुमति और चालक प्रवीण कुमार साहू के रूप में हुई है, जो सभी

बरहामपुर के निवासी थे। घायलों को तुरंत बचाव दल ने बाहर निकालकर दासपल्ला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

खाड़ी में युद्ध समाप्त करने को प्राथमिकता दें : मनीष तिवारी

• 'होर्मुज स्ट्रेट का फिर से खोलना सुनिश्चित करें'

एजेंसी

चंडीगढ़ । कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने शनिवार को खाड़ी में बिगड़ती स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि चल रहे संघर्ष के समाप्त होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं और इसका असर भारत की आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ना शुरू हो गया है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने बात करते हुए कहा, 'स्थिति काफी गंभीर है। खाड़ी में युद्ध खत्म होता नजर नहीं आ रहा है और इसका भारत की आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

इससे देश की ईंधन आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है और एलपीजी की कतार लंबी होती जा रही है।' उन्होंने नागरिकों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के सामने आ रही कठिनाइयों पर सरकार को विचार करने का कहा, जहां एलपीजी की कमी और भी बदतर हो गई है। उन्होंने कहा, 'एलपीजी सिलेंडर आसानी से उपलब्ध नहीं हैं। सरकार को ठोस व्यवस्था करनी चाहिए, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में जहां आपूर्ति में 45 दिनों तक की देरी हो सकती है। स्थिति को सामान्य बताने के दावों और जमीनी हकीकत में स्पष्ट अंतर है।

नोएडा एयरपोर्ट सिर्फ आधुनिक नहीं, भारतीय संस्कृति का प्रतीक भी : नायडू

• 'एयरपोर्ट के डिजाइन में उत्तर प्रदेश की पारंपरिक हवेलियों की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देगी।'

एजेंसी

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट केवल एक आधुनिक एयरपोर्ट नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपरा का जीवंत प्रतीक बनने जा रहा है। इसके वास्तु और इंटीरियर डिजाइन में उत्तर प्रदेश की विरासत को विशेष रूप से शामिल किया गया है, जिससे यात्रियों को एक अनूठा सांस्कृतिक अनुभव मिलेगा। यह बातें केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने शनिवार को एयरपोर्ट के पहले चरण (फेज-1) के उद्घाटन के अवसर पर कही। केंद्रीय मंत्री ने कार्यक्रम में कहा कि एयरपोर्ट के डिजाइन में उत्तर प्रदेश की पारंपरिक

हवेलियों की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देगी। वास्तुकला में उपयोग किए गए डिजाइन जैसे मेहराब, आंगन और पारंपरिक संरचनाएं यात्रियों को प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि टर्मिनल को गंगा घाट की थीम पर मल्टी-लेवल संरचना में विकसित किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को वाराणसी और हरिद्वार के घाटों जैसा अनुभव मिलेगा। सीढ़ीनुमा डिजाइन, खुले स्पेस और प्रकाश व्यवस्था इस तरह तैयार की गई है कि यह आध्यात्मिक और शांत वातावरण का एहसास कराए। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के सौंदर्यीकरण में देश के विभिन्न राज्यों के पारंपरिक हस्तशिल्प का उपयोग किया गया है। यह पहल न केवल भारत की विविध कला परंपराओं को प्रदर्शित करेगी, बल्कि स्थानीय और राष्ट्रीय कारीगरों को भी एक वैश्विक मंच प्रदान करेगी।

आरबीआई का बड़ा कदम

रुपए में गिरावट और सट्टेबाजी रोकने के लिए बैंकों को दिया रोजाना लिमिट लागू करने का निर्देश

• केंद्रीय बैंक ने कहा है कि सभी कमर्शियल बैंक इस रोजाना लिमिट को 10 अप्रैल तक लागू करें।

एजेंसी

नई दिल्ली । रुपए में गिरावट को रोकने और सट्टेबाजी (स्पेकुलेटिव ट्रेडिंग) पर लगाम लगाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को नया निर्देश दिया है। आरबीआई ने अधिकृत डीलर के रूप में काम करने वाले बैंकों को कहा है कि वे दिन के अंत तक रुपए में अपनी ओपन पोजीशन को 100 मिलियन डॉलर तक सीमित रखें। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब अमेरिकी-इजरायल और ईरान के बीच तनाव के कारण व्यापार घाटा बढ़ा है और रुपए पर दबाव बढ़ गया है। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि सभी कमर्शियल बैंक इस रोजाना लिमिट को 10 अप्रैल तक लागू करें। साथ ही, जरूरत पड़ने पर बाजार की स्थिति के अनुसार यह लिमिट बदली भी जा सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर रुपए में गिरावट जारी रहती है तो आरबीआई आगे और भी सख्त कदम उठा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि रुपए को सहारा देने के लिए आरबीआई ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स रिजर्व) का काफी इस्तेमाल किया है, जिससे उसकी हस्तक्षेप करने की क्षमता कुछ सीमित हो गई है।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उलिहातु में बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

वंशजों से की मुलाकात

एजेंसी

खूंटी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन शनिवार को झारखंड के खूंटी जिले स्थित भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातु पहुंचे। उनके साथ झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार भी मौजूद रहे।

उपराष्ट्रपति और राज्यपाल ने उलिहातु पहुंचकर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने बिरसा मुंडा के वंशजों से मुलाकात की और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। यह कार्यक्रम श्रद्धा और सम्मान के माहौल में आयोजित किया गया। अपने दौरे के दौरान उपराष्ट्रपति ने वहां उपस्थित बच्चों से संवाद भी किया। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने, अपने लक्ष्य निर्धारित करने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उपराष्ट्रपति बिरसा कॉम्प्लेक्स पहुंचे, जहां उन्होंने पुनः बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। यहां उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और हालात के बारे में जानकारी ली।

सपा वालों ने नोएडा को बनाया था अपनी लूट का एटीएम : प्रधानमंत्री मोदी

• कांग्रेस और उत्तर प्रदेश की पिछली सरकारों ने इस एयरपोर्ट की नींव तक नहीं पड़ने दी थी- मोदी

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा । गौतम बुद्ध नगर जिले के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले सपा वालों ने नोएडा को अपनी लूट का एटीएम बना लिया था। कांग्रेस और उत्तर प्रदेश की पिछली सरकारों ने इस एयरपोर्ट की नींव तक नहीं पड़ने दी थी। उन्होंने कहा कि 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने इस एयरपोर्ट को मंजूरी दी थी, लेकिन एयरपोर्ट नहीं बना।2004 से 2014 तक यह एयरपोर्ट फाइलों में ही दबा रहा। जब हमारी सरकार बनी तो उस समय उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार

की थी। शुरू के दो तीन सालों में सपा वालों ने इस पर काम नहीं होने दिया, लेकिन जैसे ही यहां भाजपा की सरकार बनी, तो जेवर एयरपोर्ट की नींव पड़ी, निर्माण भी हुआ और आज उद्घाटन भी हो गया है। पीएम मोदी ने कहा, 'नोएडा को पहले अंधविश्वास के कारण अपने हाल पर छोड़ दिया गया था, कुर्सी जाने के डर से पहले के सत्ताधारी यहां आने से डरते थे। मुझे याद है, जब यहां सपा सरकार थी और मैंने नोएडा आने का कार्यक्रम बनाया, तो मुख्यमंत्री इतने डरे हुए थे कि वे उस कार्यक्रम में नहीं आए।

मुझे भी डराने की कोशिश की गई, कहा गया कि 'नोएडा मत जाइए मोदी जी, अभी-अभी प्रधानमंत्री बने हैं।' मैंने कहा कि 'मैं उस धरती का आशीर्वाद लेने जा रहा हूं, जो मुझे लंबे अरसे तक सेवा करने का मौका देगी।' आज वही इलाका पूरी दुनिया का स्वागत करने के लिए तैयार है। यह पूरा क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त कर रहा है। '

नालंदा विश्वविद्यालय में 31 मार्च को दूसरा दीक्षांत समारोह

• राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु होंगी मुख्य अतिथि

एजेंसी

पटना। विश्व प्रसिद्ध नालंदा विश्वविद्यालय के राजगीर स्थित स्थायी परिसर में 31 मार्च को दूसरा दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर राष्ट्रपति एवं विश्वविद्यालय की विजिटर द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। यह समारोह कई मायनों में खास होगा, क्योंकि नव उद्घाटित स्थायी परिसर में आयोजित होने वाला यह पहला दीक्षांत समारोह है। इस आधुनिक परिसर का उद्घाटन जून 2024 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया था। विश्वविद्यालय के पुनरुद्धार के बाद यह दूसरा दीक्षांत समारोह है, जबकि पहला समारोह वर्ष 2016 में आयोजित हुआ था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का राजगीर और नालंदा विश्वविद्यालय का राष्ट्रपति के रूप में यह पहला दौरा होगा। इस दौरान वे दीक्षांत भाषण देंगी, छात्रों को उपाधियां प्रदान करेंगी और मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित करेंगी। साथ ही वे विश्वविद्यालय के नवनिर्मित 2000 सीटों वाले सभागार 'विश्वमित्रालय' का उद्घाटन भी करेंगी। समारोह में पोस्ट-ग्रेजुएट और डॉक्टरेट प्रोग्राम के छात्रों को व्यक्तिगत रूप से डिग्री प्रदान की जाएगी। इस दीक्षांत समारोह की विशेषता इसकी अंतरराष्ट्रीय भागीदारी भी है, जिसमें अर्जेंटीना, वियतनाम, भूटान, इंडोनेशिया, केन्या, लाओस, म्यांमार, सर्बिया, घाना, थाईलैंड, नेपाल, बांग्लादेश और जिम्बाब्वे सहित कई देशों के छात्र शामिल होंगे।

दुष्कर्म मामलों में पीड़िता की पहचान उजागर करने पर अदालत सख्त

• सभी हाईकोर्ट को दिए कड़े निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने दुष्कर्म मामलों में पीड़िता की पहचान उजागर किए जाने पर कड़ा रुख अपनाते हुए इसे सबसे कड़े शब्दों में निंदनीय बताया है। शीर्ष अदालत ने सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि कोर्ट के आदेशों में पीड़िता या उसके परिवार की पहचान किसी भी रूप में सामने न आए।न्यायमूर्ति संजय करोल और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि 2018 के निपुण सक्सेना बनाम यूनियन ऑफ इंडिया फैसले में स्पष्ट किया गया था कि किसी भी माध्यम (प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक या सोशल मीडिया) में पीड़िता की पहचान

उजागर नहीं की जा सकती।

कानून का पालन न होने पर जताई चिंता

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसके बावजूद निचली अदालतों में इस नियम का पालन नहीं हो रहा है। इसके पीछे अदालतों की उदासीनता और इस तरह के अपराधों से जुड़े सामाजिक कलंक के प्रति जागरूकता की कमी को जिम्मेदार बताया गया।

कानूनी प्रावधानों पर जोर

अदालत ने बताया कि 1983 में भारतीय दंड संहिता में संशोधन कर धारा 228A जोड़ी गई थी, जिसका उद्देश्य दुष्कर्म पीड़िताओं की पहचान को सार्वजनिक होने से रोकना है। इससे पहले ऐसा कोई स्पष्ट कानूनी प्रतिबंध नहीं था, जिससे पीड़िताओं को सामाजिक बहिष्कार और मानसिक आघात का सामना करना पड़ता था।

सीएम एमके स्टालिन ने डीएमके प्रत्याशियों की सूची जारी की

• 234 में 164 सीटों पर लड़ेगी पार्टी

एजेंसी

तमिलनाडु विधानसभा चुनावों को लेकर सियासी बिसात बिछ चुकी है। मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने गठबंधन सहयोगियों के बीच सीटों के बंटवारे का एलान कर दिया है। कुल 234 विधानसभा सीटों में से डीएमके खुद 164 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं, कांग्रेस को 28 सीटें दी गई हैं। इस एलान के साथ ही स्टालिन ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी पार्टी की मजबूत पकड़ को बरकरार रखना चाहते हैं।

डीएमडीके को 10 सीटें

इस बार सबसे बड़ा उलटफेर डीएमडीके को लेकर देखने को मिला है। पार्टी को 10 सीटें आवंटित की

गई हैं। अन्य सहयोगियों में वीसीके को 8, सीपीआई और सीपीआई-एम को 5-5 सीटें, जबकि एमडीएमके (MDMK) को 4 सीटें मिली हैं। मुस्लिम मतदाताओं के बीच पैठ रखने वाली पार्टी आईयूएमएल (IUML) और एमएमके (MMK) को 2-2 सीटें दी गई हैं। एमजेके (MJK) व एसडीपीआई (SDPI) को 1-1 सीट दी गई हैं।

बोडिनायकन्नूर से चुनाव लड़ेंगे पनीरसेल्वम

इस सूची में सबसे ज्यादा चर्चा ओ पनीरसेल्वम की हो रही है। कभी एआईएडीएमके के कद्दावर नेता रहे पनीरसेल्वम अब डीएमके गठबंधन की ओर से बोडिनायकन्नूर से चुनावी मैदान में उतरेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि स्टालिन ने पनीरसेल्वम को अपने पाले में लाकर दक्षिण तमिलनाडु के 'मुकुलथोर' वोट बैंक में बड़ी सेंध लगाने की तैयारी कर ली है।

भारतीय सेना को मिली 2,000 स्वदेशी 'प्रहार', एलएमजी 1 किमी तक दुश्मन को करेगी ढेर

नई दिल्ली। देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए भारतीय सेना लगातार अपने हथियारों को आधुनिक बना रही है। इसी दिशा में 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत बनी 'प्रहार' लाइट मशीन गन (एलएमजी) की पहली खेप सेना को सौंप दी गई है। अब पुरानी 5.56×45 मिमी इंसास एलएमजी की जगह नई 7.62×51 मिमी 'प्रहार' एलएमजी को शामिल किया जा रहा है। हालांकि इस समय एलएसी और एलओसी पर स्थिति अपेक्षाकृत शांत है, लेकिन सुरक्षा को लेकर कोई ढिलाई नहीं बरती जा रही है। सेना अपनी मारक क्षमता बढ़ाने के लिए पुराने हथियारों को तेजी से बदल रही है। शनिवार को अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने 2,000 'प्रहार' एलएमजी की पहली खेप भारतीय सेना को सौंपी। यह डिलीवरी ग्वालियर स्थित अदाणी स्मॉल आर्म्स कॉम्प्लेक्स से रवाना की गई। इस मौके पर रक्षा मंत्रालय और कंपनी के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

अहमदाबाद में पुलिस पर हमला

शराब की सूचना पर छापा मारने गई टीम पर हमला, 100 से अधिक लोगों के खिलाफ दंगा का केस दर्ज

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। शहर के ग्रामीण क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाली एक गंभीर घटना सामने आई है। अहमदाबाद ग्रामीण के नल सरोवर पुलिस थाना क्षेत्र के धारजी गांव में छापा मारने गई पुलिस टीम पर भीड़ ने हिंसक हमला कर दिया, जिससे इलाके में तनाव का माहौल बन गया है।

घटना का विवरण

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस को धारजी गांव में अवैध रूप से शराब बिक्री की सूचना मिली थी। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम गांव में छापा मारने पहुंची। पुलिस के पहुंचते ही गांव में बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए और स्थिति अचानक तनावपूर्ण हो गई।

पुलिस पर हमला

बताया जा रहा है कि गुस्साई भीड़ ने पुलिस टीम के साथ विवाद शुरू कर दिया, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। 100 से अधिक लोगों की भीड़ ने पुलिसकर्मियों को धक्का देकर गिरा दिया और उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। इस हमले से पुलिसकर्मियों को चोटें आईं और स्थिति गंभीर हो गई।

अतिरिक्त पुलिस बल तैनात

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल भेजा गया, जिसके बाद हालात को नियंत्रित किया गया। घटना के बाद गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति को रोका जा सके।

100 से अधिक लोगों पर केस दर्ज

पुलिस पर हुए हमले को गंभीरता से लेते हुए नल सरोवर पुलिस ने 100 से अधिक अज्ञात लोगों के खिलाफ दंगा और अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि घटना के बाद कई आरोपी गांव छोड़कर फरार हो गए हैं।

जांच जारी

पुलिस ने आरोपियों की पहचान के लिए स्थानीय स्तर पर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। धारजी गांव की यह घटना न केवल कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान पुलिस को किस तरह के खतरे का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जरूरी है, ताकि कानून का राज कायम रह सके।

बेमौसम बारिश का अलर्ट, कई जिलों में गरज-चमक के साथ होगी बारिश

महानगर मेट्रो

गांधीनगर। गुजरात में तेज गर्मी के बीच मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक रामाश्रय यादव के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के सक्रिय होने से राज्य में अगले दो से तीन दिनों तक बेमौसम बारिश और गरज-चमक की संभावना है। इस बदलाव के कारण तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे लोगों को गर्मी से आंशिक राहत मिलेगी।

अगले दिनों का पूवार्नुमान

29 मार्च को कच्छ, द्वारका, पोरबंदर, मोरबी, सुरेंद्रनगर और राजकोट जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है। 30 मार्च को बनासकांठा, दाहोद, महिसागर, कच्छ, साबरकांठा और अरावली जिलों में बारिश के आसार हैं। 31 मार्च को उत्तरी गुजरात के साथ कच्छ, बनासकांठा, पाटन, मेहसाणा, साबरकांठा, अरावली और दाहोद जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में भी बारिश का अनुमान लगाया गया है। इसके बाद भी राज्य के कुछ हिस्सों में मौसम अस्थिर बना रह सकता है।

किसानों की बढ़ी चिंता

बेमौसम बारिश के इस पूवार्नुमान से किसानों में चिंता का माहौल है। खेतों में खड़ी फसलों के बीच अचानक मौसम बदलने, तेज ह-वाओं और बारिश के कारण फसल को नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। मौसम में यह बदलाव जहां आम लोगों को गर्मी से राहत देगा, वहीं किसानों के लिए चिंता का कारण बन सकता है। ऐसे में प्रशासन और किसानों को सतर्क रहने की आवश्यकता है, ताकि संभावित नुकसान को कम किया जा सके।

|| आवश्यकता ||

दैनिक समाचार पत्र के लिए गुजरात, दिल्ली, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान के विभिन्न जिलों के गाँवों, नगरों एवं कस्बों में जिला ब्यूरो चीफ, सर्किल ब्यूरो चीफ, संवाददाता अथवा पत्रकार प्रतिनिधि इसके वे ही पात्र होंगे जो:-

➢ समाचारों को सुव्यवस्थित ढंग, शुद्ध व सरल हिन्दी भाषा एवं अच्छे अक्षरों में लिखकर भेज सकें।

➢ अपने स्वयं के गाँव के साथ आस-पास के भी समाचारों का संकलन कर भेज सकें।

➢ समाचारों के साथ-साथ पत्र के सदस्य बना सकें और विज्ञापन भी भेज सकें।

अपने परिचय सहित पत्र या पत्र व्यवहार द्वारा सम्पर्क करें:

महानगर मेट्रो

पत्रव्यवहार

सी-8- रिची हाउस, स्वामीनारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

मो.: 9638877700,9662420070

mahanagarmetro7@gmail.com

'हॉटस्पॉट': बोडकदेव पुलिस की चुप्पी या मिलीभगत?

थाईलैंड की युवतियों से सज रहा बाजार, एक्यम स्पा में मसाज नहीं, अनैतिकता का खुला खेल!

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद, (पवन माकन)। शहर के सबसे पॉश और वीआईपी इलाके बोडकदेव में कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। बोडकदेव पुलिस स्टेशन से पत्थर फेंकने की दूरी पर स्थित एक्यम स्पा अब मसाज के लिए नहीं, बल्कि हाई-प्रोफाइल 'देह व्यापार' के अड्डे के रूप में बदनाम हो चुका है। हैरानी की बात यह है कि जिस इलाके की सुरक्षा का जिम्मा पुलिस पर है, उसी पुलिस की नाक के नीचे विदेशी बालाओं का यह अवैध कारोबार फल-फूल रहा है।

पुलिस की संलिप्तता पर गहराता शक

स्थानीय हलकों में चर्चा गरम है कि यह धंधा बिना 'खाकी' के आशीर्वाद के संभव नहीं है। आरोप लग रहे हैं कि पुलिस के आला अधिकारी और संबंधित बीट के कर्मचारी इस अवैध धंधे से 'मोटा हफ्ता' वसूल रहे हैं। यही कारण है कि शिकायतों के बावजूद पुलिस की गाड़ियां इस स्पा के बाहर से सायरन बजाते हुए निकल जाती हैं, लेकिन अंदर झांकने की हिम्मत नहीं जुटातीं। क्या पुलिस का काम केवल अपराधियों को संरक्षण देना रह गया है?

थाईलैंड कनेक्शन और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क

सूत्रों का दावा है कि 'एक्यम स्पा' में केवल भारतीय ही नहीं, बल्कि थाईलैंड और अन्य देशों की युवतियों को अवैध रूप से लाया गया है। 'स्पेशल सर्विस' के नाम पर यहां ग्राहकों से हजारों रुपये वसूले जा रहे हैं। सवाल यह है कि:

* क्या इन विदेशी युवतियों के पास वैध वर्क वीजा है?
* क्या पुलिस ने कभी इनके दस्तावेजों की जांच करने की जहमत उठाई?

* या फिर 'ऊपर तक' पहुंचने वाले पैसों ने पुलिस की आंखों पर पट्टी बांध दी है? सिस्टम को आईना दिखाते तीखे सवाल अनदेखी?
* क्या बोडकदेव पुलिस 'मोटा माल' लेकर इस अवैध साम्राज्य की चौकीदारी कर रही है? छापेमारी के नाम पर केवल खानापूर्ति क्यों की जाती है? असली सरगनाओं पर हाथ डालने से पुलिस क्यों डरती है?
* थाने से चंद कदमों की दूरी पर चल रहे इस 'अड्डे' की जानकारी पुलिस को क्यों नहीं? क्या यह इंटेलिजेंस की विफलता है या जानबूझकर की गई
* पॉश इलाके में रहने वाले परिवारों की सुरक्षा और मयार्दा का क्या? क्या प्रशासन ने इसे नीलाम कर दिया है?

जनता का आक्रोश: अब आर-पार की लड़ाई

स्थानीय निवासियों का कहना है कि शाम ढलते ही इस स्पा के बाहर संदिग्ध लोगों और लग्जरी गाड़ियों का तांता लग जाता है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि पुलिस ने अपनी 'हफ्ता वसूली' बंद कर इस अड्डे पर ताला नहीं जड़ा, तो वे उग्र प्रदर्शन करेंगे। यह मामला केवल एक स्पा का नहीं है, बल्कि उस भ्रष्ट तंत्र का है जो चंद रुपयों के लिए शहर की सुरक्षा और संस्कृति को दांव पर लगा रहा है। अब देखना यह है कि क्या अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर इस 'मिलीभगत' को तोड़ते हैं या बोडकदेव पुलिस इसी तरह अपराधियों की 'कवच' बनी रहेगी।

राजनीति: अंतरात्मा की 'सेवा' या रसूख वाली 'नौकरी'?

राघव चड्ढा के सवाल ने खोली व्यवस्था की परतें; क्या अब नेताओं का भी होगा परफॉरमेंस ऑडिट?

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली/अहमदाबाद। भारतीय राजनीति के गलियारों में अक्सर 'सेवा' शब्द का इस्तेमाल एक ढाल की तरह किया जाता है। लेकिन राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के हालिया बयान ने इस 'ढाल' के पीछे छिपी कड़वी सच्चाई को उजागर कर दिया है। उन्होंने युवाओं के बीच एक बुनियादी सवाल उछाला— "क्या राजनीति सेवा है या नौकरी?" यह सवाल उस पीढ़ी की आवाज है जो एक तरफ सरकारी नौकरी के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है और दूसरी तरफ राजनीति में बिना किसी 'जवाबदेही' के ऐशो-आराम देख रही है।

अधिकार बनाम कर्तव्य की जंग

एक आम कर्मचारी की नौकरी में 'टारगेट', 'डेडलाइन' और 'सस्पेंशन' जैसे शब्द होते हैं। लेकिन राजनीति में? यहाँ 'सेवा'

के नाम पर मिलने वाला वेतन, भत्ते, आलीशान बंगले और उम्रभर की पेंशन इसे किसी भी 'कॉर्पोरेट जॉब' से कहीं अधिक आकर्षक और सुरक्षित बनाते हैं। राघव चड्ढा का इशारा साफ है— अगर यह सेवा है, तो इसमें त्याग की कमी क्यों है? और अगर यह नौकरी है, तो इसमें चयन का आधार 'योग्यता' क्यों नहीं है?

युवाओं का बदलता नजरिया

आज का युवा राजनीति को केवल नारों और रैलियों के चश्मे से नहीं देख रहा। वह पारदर्शिता चाहता है। वह चाहता है कि जैसे एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर या डॉक्टर का 'रिजल्ट' देखा जाता है, वैसे ही एक जन-प्रतिनिधि का भी वार्षिक रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने हो। महानगर मेट्रो मानता है कि यह बहस केवल एक बयान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यह समय है यह तय करने का कि क्या हम 'लोकतंत्र' चला रहे हैं या 'लीडरशिप का बिजनेस'। राजनीति को वापस 'सेवा' के ट्रैक पर लाने के लिए इसकी 'नौकरी' वाली सुविधाओं पर लगाम और जवाबदेही पर जोर देना अनिवार्य है।

एक्सक्लूसिव रिपोर्ट: शाहीबाग पुलिस स्टेशन में वहीवटदारों का बोलबाला!

हर्षद भाई और प्रदीप सिंह के नेटवर्क पर लटकी जांच की तलवार?

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद, (पवन माकन)। गुजरात पुलिस मुख्यालय और कमिश्नर ऑफिस की नाक के नीचे स्थित शाहीबाग पुलिस स्टेशन इन दिनों कानून-व्यवस्था से ज्यादा अपने अंदरूनी 'वहीवट' (लेन-देन) को लेकर चचाओं में है। पुलिस महकमे के गलियारों में दबी जुबान से दो नाम सबसे ज्यादा उछल रहे हैं झ हर्षद भाई और प्रदीप सिंह। 'महानगर मेट्रो' की विशेष पड़ताल में सामने आया है कि ये दोनों नाम शाहीबाग इलाके के अघोषित 'मैनेजर' बन चुके हैं।

हर्षद भाई और प्रदीप सिंह: **खाकी के पीछे के 'असली खिलाड़ी'?**

शाहीबाग पुलिस स्टेशन क्षेत्र में आने वाले व्यापारिक प्रतिष्ठान हों, अवैध निर्माण हों या अन्य गतिविधियां, हर जगह इन दोनों नामों की धमक सुनाई देती है।

सूत्रों के अनुसार:

* हर्षद भाई: साहब के सबसे भरोसेमंद माने जाने वाले हर्षद भाई का मुख्य काम 'कलेक्शन' और 'नेटवर्किंग' को संभालना बताया जाता है।
* प्रदीप सिंह: वहीवट की पूरी चेन को सुरक्षित रखना और उसे ऊपर तक व्यवस्थित तरीके से पहुँचाना, इसमें प्रदीप सिंह की

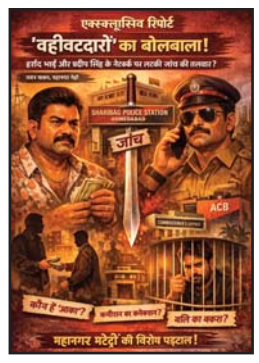

भूमिका अहम मानी जा रही है।

कितना जोखिम उठाते हैं ये वहीवटदार?

शाहीबाग जैसे संवेदनशील और वीवीआईपी इलाके में वहीवट करना आग से खेलने जैसा है:

* एंटी करप्शन ब्यूरो का साया: कमिश्नर ऑफिस के करीब होने के कारण शाहीबाग हमेशा एसीबी की रडार पर रहता है। हर्षद भाई और प्रदीप सिंह जैसे वहीवटदारों के लिए एक छोटी सी चूक भी सलाखों के पीछे पहुँचा सकती है।
* 'बलि का बकरा' बनने का डर: जब भी कोई बड़ा मामला मीडिया में उछलता है या उच्च स्तर पर शिकायत पहुँचती है, तो बड़े अधिकारी खुद को बचाने के लिए सबसे पहले इन्हीं वहीवटदारों को 'बलि का बकरा' बनाते हैं। इनका सस्पेंशन या ट्रांसफर तय होता है, जबकि पीछे बैठे 'आका' सुरक्षित रहते हैं।
* विभागीय ईर्ष्या और जासूसी: पुलिस स्टेशन के अंदर ही दूसरे कर्मचारी इन दोनों के 'पावर' और 'अवैध कमाई' से जलते हैं। अक्सर अपने ही साथी इनकी मुखबरी कर इन्हें फंसाने की ताक में रहते हैं।

'महानगर मेट्रो' के तीखे सवाल:

* क्या शाहीबाग पुलिस स्टेशन के उच्च अधिकारियों को हर्षद भाई और प्रदीप सिंह के इस 'वहीवट' की जानकारी नहीं है?
* अगर ये दोनों पकड़े जाते हैं, तो क्या इनके पीछे छिपे असली 'मास्टरमाइंड' पर भी कार्रवाई होगी?
* आम जनता की शिकायतें महीनों लटकी रहती हैं, लेकिन वहीवटदारों के काम मिनटों में कैसे हो जाते हैं?

शाहीबाग पुलिस स्टेशन का यह 'वहीवट' तंत्र अब ज्यादा समय तक पर्दे के पीछे नहीं रह पाएगा। 'महानगर मेट्रो' इस पूरे नेटवर्क की हर गतिविधि पर अपनी पैनी नजर बनाए हुए है।

महाराष्ट्र का विवादित अशोक खरात सलाखों के पीछे

पुलिस कस्टडी में शुरू हुआ पूछताछ का दौर

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। महाराष्ट्र की चर्चित शख्सियत अशोक खरात की गिरफ्तारी के साथ ही आपराधिक और राजनीतिक गलियारों में भारी हड़कंप मच गया है। लंबे समय से कानून की नजरों से बचकर भाग रहे अशोक खरात को आखिरकार पुलिस ने दबोच लिया है। फिलहाल, माननीय अदालत ने आरोपी को पुलिस कस्टडी में भेजने का आदेश दिया है, जहां उससे गहन पूछताछ की जा रही है।

क्या है पूरा मामला?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अशोक खरात के खिलाफ महा-राष्ट्र के संबंधित पुलिस स्टेशन में गंभीर धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए थे। सूत्रों के मुताबिक, उसकी गिरफ्तारी के पीछे [धोखाधड़ी / डराना-धमकाना / अवैध लेनदेन] जैसे संगीन आरोप बताए जा रहे हैं। पुलिस द्वारा पुख्ता सबूत जुटाने के बाद इस गुप्त ऑपरेशन को अंजाम दिया गया।

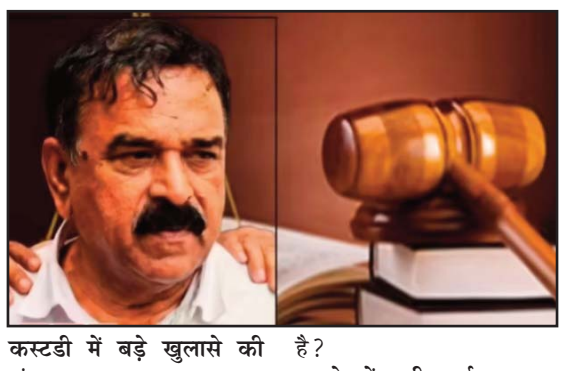

कस्टडी में बड़े खुलासे की संभावना

पुलिस कस्टडी के दौरान जांच अधिकारी अशोक खरात के नेटवर्क की गहराई से जांच कर रहे हैं। 'महानगर मेट्रो' के विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस पूछताछ में कई 'बड़े चेहरों' के नाम सामने आ सकते हैं। पुलिस जांच के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं:

* इस आपराधिक गतिविधि में और कौन-कौन शामिल है?
* वित्तीय लेनदेन कहां और किस माध्यम से किए गए?
* क्या इससे पहले भी इस तरह के अपराधों को अंजाम दिया गया है?

इलाके में भारी चर्चा

अशोक खरात की गिरफ्तारी के बाद महाराष्ट्र के संबंधित क्षेत्रों में भारी चर्चा का विषय बना हुआ है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, "कोई भी अपराधी कानून से ऊपर नहीं है और सभी सबूतों की जांच कर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।" फिलहाल अशोक खरात पुलिस के शिकंजे में है और आने वाले दिनों में इस मामले में कई चौंकाने वाले मोड़ आने की पूरी संभावना है।

गांधीनगर में गैस सप्लाई पर सख्ती

10,000 शिकायतें, 17 से अधिक पर केस दर्ज

अफवाहों पर सख्ती, कालाबाजारी पर कार्रवाई तेज; एलपीजी से पीएनजी की ओर बढ़ रहा गुजरात, सप्लाई व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए सरकार के बड़े कदम

महानगर मेट्रो

गांधीनगर। राज्य में एलपीजी गैस को लेकर बढ़ती मांग और अफवाहों के बीच गुजरात सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। शनिवार सुबह मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर पीएनजी और एलपीजी आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए कि नागरिक अफवाहों से दूर रहें और भय का माहौल फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

10,000 शिकायतों पर तेज कार्रवाई

सरकार को पिछले कुछ दिनों में एलपीजी आपूर्ति से संबंधित लगभग 10,000 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन सभी शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। वहीं, गैस की कालाबाजारी में लिप्त 17 से अधिक लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं।

एलपीजी से पीएनजी की ओर बढ़ता कदम

गुजरात वर्तमान में 23 प्रतिशत पीएनजी आपूर्ति के साथ देश में अग्रणी बना हुआ है। सरकार का लक्ष्य अहमदाबाद जैसे महानगरों में सभी व्यावसायिक कनेक्शनों

को पीएनजी में परिवर्तित करना है। अस्पतालों, स्कूलों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों में पीएनजी कनेक्शन अनिवार्य किए जाने की दिशा में भी कदम उठाए जा रहे हैं।

नए कनेक्शन और विस्तार योजना

आने वाले समय में अहमदाबाद में 11,350 नए पीएनजी कनेक्शन प्रदान किए जाएंगे। पिछले 10 दिनों में ही 12,000 से अधिक घरेलू और 300 व्यावसायिक कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि अस्पताल और शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता दी जाएगी।

मजदूरों और उद्योगों के लिए विशेष निर्देश

सरकार ने उद्योग जगत के साथ बैठक कर यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि श्रमिकों को भोजन और वेतन संबंधी कोई परेशानी न हो। जिला और महानगर स्तर पर भी नियमित बैठकें आयोजित कर स्थानीय समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

सरकार का भरोसा

वैश्विक ऊर्जा संकट के बावजूद सरकार ने आश्वस्त किया है कि राज्य में आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है। राज्य के 1.28 करोड़ एलपीजी उपभोक्ता-ओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए विशेष टीमों की तैनाती की गई है। गुजरात सरकार ने गैस आपूर्ति को लेकर स्थिति स्पष्ट करते हुए अफवाहों पर लगाम लगाने और व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। आने वाले दिनों में पीएनजी विस्तार के साथ स्थिति और बेहतर होने की उम्मीद है।

नाश्ते के पैसे मांगने पर युवकों पर जानलेवा हमला

मणिनगर में गुंडों का आतंक, सीसीटीवी वीडियो वायरल

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। शहर की सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। अहमदाबाद के मणिनगर क्षेत्र में एक गंभीर घटना सामने आई है, जहां नाश्ते के पैसे मांगने पर कुछ बदमाशों ने दो युवकों पर बेरहमी से हमला कर दिया। इस पूरी घटना का सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे लोगों में आक्रोश और भय का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मणिनगर क्षेत्र में एक नाश्ते से भरे वाहन के पास खड़े युवक मोदी और उसके साथी अभय सिंह से कुछ असामाजिक तत्वों का विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि जब युवकों ने नाश्ते के पैसे मांगे, तो

विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि दोनों युवकों को अपनी जान बचाकर भागना पड़ा, लेकिन 4-5 हमलावरों ने उनका पीछा कर उन्हें घेर लिया और जानलेवा हमला किया।

सीसीटीवी में कैद वारदात

वायरल सीसीटीवी वीडियो में स्पष्ट देखा जा सकता है कि भीड़भाड़ वाले बाजार के बीच आरोपी युवकों को दौड़ाकर पीट रहे हैं। इतना ही नहीं, एक युवक को जबरन रिक्शा में बैठाने की भी कोशिश की गई। इस घटना ने क्षेत्र में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। हमले में गंभीर रूप से घायल एक युवक को उपचार के लिए एलजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

पुलिस पर उठ रहे सवाल

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि शहर में लगातार बढ़ रही ऐसी घटनाएं पुलिस की निष्क्रियता को दशार्ती हैं। सोशल मीडिया पर भी लोग पूछ रहे हैं कि आखिर बदमाशों में कानून का डर क्यों खत्म होता जा रहा है।

29-31 मार्च तक लोक मंडई, नामी कलाकारों की प्रस्तुतियों से उत्साह का माहौल

महानगर मेट्रो

तुमड़ीबोड़। डोंगरगांव ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम तुमड़ीबोड़ में आगामी 29 से 31 मार्च तक लोक मंडई का आयोजन होगा। तीन दिवसीय लोक मंडई के आयोजन में छत्तीसगढ़ की ख्याति प्राप्त लोक कलाकारों के साथ ही उभरते हुए नवोदित कलाकारों को आमंत्रित किया गया है , लोक मंडई की तैयारी जोरशोर से की जा रही है, लोक मंडई आयोजन समिति के सदस्य टाइगर क्लब और तुमड़ीबोड़ व्यापारी संघ के अध्यक्ष अजय जैन ने बताया कि 29 से 31 मार्च तक चलने वाले इस लोक मंडई कार्यक्रम में तीन दिनों तक छत्तीसगढ़ की नामी गिरामी, ख्याति प्राप्त कलाकारों द्वारा लोक मंडई के विशाल मंच में अपनी प्रस्तुति देंगे। जिसमें प्रथम दिवस 29 मार्च को पंडवानी तरुणा साहू ,लोक गायन रिंकी देवांगन, दुष्यंत हरमुख , आरू साहू, सोहिल रंगारी, जस गायक दुकालू यादव, लोक गायन शेख अमीन , छाया चंद्राकर, कॉमेडी शैलेश साव ,कन्हैया साहू ,सुखीव पटेल , एवं विशेष अतिथि कलाकार अनुज शर्मा है दूसरे दिन 30 मार्च को पंथी नृत्य एवं गायन नाथू नवागांव ,जस गायन राजेश सिन्हा,लोक गायन कंचन जोशी, पंडित विवेक शर्मा, नाचा गम्मत हेमलाल कौशल, नवीन देशमुख, लोक गायन चंपा निषाद, सुनील सोनी ,कॉमेडी "कचरा बोदरा" उर्वशी साहू, उपासना वैष्णव है एवं अंतिम दिवस 31 मार्च को भरथरी हिमानी वासनिक, जस गायन सुनील सिहोरे, लोक गायन मिथलेश्वरी सेन, दिनेश वर्मा ,खिलेश यादव, संजय सुरीला, शशि वर्मा, अनुराग शर्मा, एवं अलका चंद्राकर परगनिया आदि कलाकार अपनी अपनी प्रस्तुति देंगे। आयोजन समिति ने सभी से इस लोक मंडई कार्यक्रम का आनंद उठाने की अपील की है ।

संपादकीयः मासूमों की सुरक्षा पर अब नो कॉम्प्रोमिस

महानगर मेट्रो

आगरा की धरती फिर एक बार शर्मसार हुई है। आठ साल की एक निर्दोष बच्ची के साथ हुई दरिंदगी ने न केवल आगरा बल्कि पूरे देश की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है। एक ऐसी घटना, जिसे सुनकर हर संवेदनशील व्यक्ति का सिर झुक जाता है। यद्यपि आरोपी का एनकाउंटर में अंत हो चुका है, लेकिन सवाल अभी भी वही है: क्या हम अपनी बच्चियों को सुरक्षित रखने में विफल हो रहे हैं ? कानून हैं, पॉक्सो एक्ट है, लेकिन जब तक इन कानूनों का भय अपराधियों के मन में नहीं बैठेगा, तब तक ऐसी दरिंदगी की खबरें आती रहेंगी। निर्भया कांड के बाद हमने सोचा था कि समाज और कानून व्यवस्था बदल जाएगी, लेकिन आज भी स्थिति चिंताजनक है।

हमारी मांगें स्पष्ट हैं:

* त्वरित न्यायः बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों के लिए निचली अदालतों में भी 'फास्ट ट्रैक' प्रक्रिया होनी चाहिए, जहाँ सुनवाई और फैसला समयबद्ध तरीके से, अधिकतम 6 महीने के भीतर हो।
* फांसी का प्रावधानः जब अपराध की प्रकृति अमानवीय हो, तो अपराधियों के लिए 'फांसी' से कम कुछ भी मंजूर नहीं होना चाहिए। समय आ गया है कि कानून में ऐसी प्रक्रियाएँ लाई जाएँ कि अपराधी को बचने का कोई मौका न मिले।
* सख्त निगरानीः जिस तरह की मानसिकता के लोग इस तरह के कृत्य करते हैं, उनके लिए जेलों में कोई सुधार की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। उन्हें समाज से पूरी तरह अलग किया जाना चाहिए।

'महानगर मेट्रो' इस लड़ाई में पीड़ितों के साथ खड़ा है। हम प्रशासन से मांग करते हैं कि ऐसे मामलों में ढिलाई बिल्कुल बर्दाश्त न की जाए। बच्चों की सुरक्षा से समझौता करना, देश के भविष्य के साथ समझौता करने के बराबर है। हमें अब केवल निंदा नहीं, बल्कि कठोर कार्रवाई चाहिए।

– लेखकः पवन माकन (ग्रुप एडिटर)

पश्चिम बंगाल में सियासी संग्रामः विपक्ष की एकता पर टिकी ममता की वापसी

महानगर मेट्रो

कोलकत्ता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में उथल-पुथल मची हुई है। एक तरफ सत्तारूढ़ अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और उसकी नेता ममता बनर्जी हैं, दूसरी तरफ एक विभाजित विपक्ष है, जिसमें भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) (सीपीएम), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) और एक अपेक्षाकृत नई ताकत, भारतीय धर्मनिरपेक्ष मोर्चा (आईएसएफ) शामिल हैं।

क्या यह तीन तरफा (या बहुआयामी) विपक्ष का समीकरण ममता के लिए सत्ता में वापसी करना मुश्किल बना सकता है? यह विश्लेषण इस प्रश्न का उत्तर देने का प्रयास करता है। सीपीएम-कांग्रेस गठबंधन ऐतिहासिक रूप से पश्चिम बंगाल में एक परिचित कारक रहा है। लेकिन उनकी वर्तमान कमजोरी स्पष्ट है- संगठन है, लेकिन वोट बैंक का क्षरण हो रहा है। जबकि आई. एस. एफ. के आगमन ने उस रिक्तता को आंशिक रूप से भरने का प्रयास किया, वास्तव में इसने दोतरफा प्रभाव पैदा किया। जबकि आ-ईएसएफ अल्पसंख्यक वोटों को प्रभावित करने में सक्षम रहा है, सीपीआई (एम) और कांग्रेस के साथ इसका गठबंधन अक्सर अधूरा रहा है। नतीजतन, जहां एकता होनी चाहिए, वहां प्रतिस्पर्धा या 'मैत्रीपूर्ण लड़ाई' होती है। यह स्थिति विपक्षी वोटों को एकजुट करने के बजाय विभाजित करती है।

नतीजतन, एक महत्वपूर्ण वास्तविकता सामने आती है-विपक्ष की एकता, कागज पर, जमीनी स्तर पर प्रभावी नहीं है।

आइए चुनावी वास्तविकताओं पर एक नजर डालते हैं:

दक्षिण बंगाल को तृणमूल कांग्रेस का गढ़ माना जाता है। दक्षिण 24 परगना, पूर्वी मिदनापुर और हावड़ा ग्रामीण में टीएमसी का संगठन और जनसंपर्क बहुत मजबूत है। सरकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष प्रभाव और अल्पसंख्यक वोट का एक बड़ा हिस्सा यहाँ केंद्रित है। यही विपक्ष की सबसे बड़ी ताकत है। जंगलमहल हमेशा परिवर्तन के अग्रदूत होते हैं। पुरुलिया, बांकुरा और झारग्राम में राजनीतिक वफादारी बार-बार बदली है। वर्तमान में, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) यहां एक मजबूत दावेदार है, हालांकि टीएमसी ठीक होने की कोशिश कर रही है। यह क्षेत्र सबसे खतरनाक है। उत्तर बंगाल दो मोर्चों पर युद्ध का सामना कर रहा है। कूचबिहार, अलीपुरद्वार और जलपाईगुड़ी में भाजपा का महत्वपूर्ण प्रभाव है। यहां भाजपा और टीएमसी के बीच कांटे की टक्कर है। कांग्रेस और सीपीआई (एम) लगभग हाशिए पर हैं। यह ममता की सीटों की संख्या को कम करने की सबसे बड़ी संभावना है। हालांकि कोलकाता और शहरी चुनावों में कुछ 'सत्ता विरोधी लहर' है, लेकिन टीएमसी संगठनात्मक रूप से आगे है। भाजपा दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। यहां परिणाम मिश्रित हैं, लेकिन टीएमसी आगे है।

मुर्शिदाबाद-मालदा क्षेत्र।

कांग्रेस यहां मजबूत है। आईएसएफ अल्पसंख्यक वोट को विभाजित कर सकता है। अगर विपक्ष एकजुट होता है तो टीएमसी को बड़ा झटका लग सकता है, नहीं तो ममता को फायदा होगा। नदिया-उत्तर 24 परगना में एक जटिल समीकरण है। इस क्षेत्र में आईएसएफ के आंशिक प्रभाव के साथ टीएमसी और भाजपा के बीच सीधी लड़ाई हो रही है। मतों का विभाजन यहां परिणाम निर्धारित करेगा। आइए वोट का विश्लेषण करें।

वर्तमान प्रवृत्ति के अनुसार एक संभावित तस्वीर सामने आती है:

टीएमसीः लगभग 43-47%

भाजपाः 35-38%

सीपीएम-कांग्रेस-आईएसएफः 12-18%

ऐसी स्थिति में, टीएमसी एक स्पष्ट लाभप्रद स्थिति में है क्योंकि विपक्षी वोट विभाजित हैं। लेकिन अगर विपक्ष प्रभावी ढंग से एक साथ आ सकता है, तो समीकरण बदल सकता है। लेकिन अनुभव से पता चलता है कि यह संभावना सीमित है। सीट प्रक्षेपण के विश्लेषण से पता चलता है कि 294 सीटों वाली विधानसभा में संभावित परिणाम तीन परिदृश्यों में अलग हो सकते हैं:

अगर विपक्ष बंट जाता हैः टीएमसी 190-220 सीटें

अगर आंशिक गठबंधन होता हैः टीएमसी 160-190 सीटें

अगर मजबूत विपक्षी एकता हैः टीएमसी 130-160 सीटें

यानी ममता की हार विपक्ष की ताकत पर नहीं, बल्कि उनकी एकता पर निर्भर करती है।

मुख्य निर्धारक कारक हैः

1. क्या अल्पसंख्यक वोट संयुक्त होंगे या विभाजित होंगे।
2. जंगलमहल और उत्तर बंगाल में भाजपा कितनी मजबूत है?
3. सीपीएम-कांग्रेस-आईएसएफ का वोट ट्रांसफर वास्तव में कितना प्रभावी है
4. टी. एम. सी. के संगठन और कल्याणकारी राजनीति की कितना बनाए रखा जा सकता है?

विश्लेषण से एक बात स्पष्ट हैः

सीपीएम-कांग्रेस-आईएसएफ समीकरण सैद्धांतिक रूप से ममता के लिए एक चुनौती पेश कर सकता है, लेकिन वास्तव में, समीकरण अभी भी अस्थिर और कमजोर है। दूसरी ओर, विपक्षी खेमा जितना अधिक विभाजित होगा, ममता बनर्जी के लिए सत्ता में वापसी करना उतना ही आसान होगा। इसलिए, इस चुनाव में असली लड़ाई टीएमसी बनाम विपक्ष के बीच नहीं है-बल्कि 'एकजुट विपक्ष बनाम विभाजित विपक्ष' के बीच है।

ठाणे में 'समानांतर शासन' का आरोपः वर्तक नगर में अवैध गतिविधियों पर उठे गंभीर सवाल

जुआ, नशीले पदार्थ और अवैध कारोबार के आरोपों से घिरा इलाका; पुलिस की भूमिका पर भी उठे सवाल

महानगर मेट्रो

ठाणे। शहर के वर्तक नगर क्षेत्र को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं, जहां कथित रूप से अवैध गतिविधियों का जाल फैलने की बात कही जा रही है। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा तेज है कि इलाके में जुआ, नशीले पदार्थों का कारोबार और अन्य गैरकानूनी गतिविधियां खुलेआम संचालित हो रही हैं, जिससे कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

अवैध कारोबार का आरोप

सूत्रों के अनुसार, कुछ व्यक्तियों द्वारा कथित रूप से बड़े पैमाने पर आर्थिक लेन-देन और अवैध गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि बाहरी राज्यों से जुड़े लोगों की भी इसमें भूमिका हो सकती है। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पुलिस की भूमिका पर सवाल

स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन गतिविधियों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। इससे पुलिस की कार्यप्रणाली और सतर्कता पर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, पुलिस की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

अवैध खनन और नाइट गतिविधियों की चर्चा

इलाके में अवैध खनन और देर रात तक चलने वाली गतिविधियों को लेकर भी शिकायतें सामने आई हैं। लोगों का कहना है कि इससे क्षेत्र का माहौल प्रभावित हो रहा है और युवाओं पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा है।

सामाजिक चिंता बढ़ी

स्थानीय निवासियों के बीच इस स्थिति को लेकर चिंता का माहौल है। उनका कहना है कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो हालात और बिगड़ सकते हैं।

प्रशासन से कार्रवाई की मांग

निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र में कानून का राज कायम रह सके (वर्तक नगर को लेकर उठ रहे ये आरोप शहर की कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती के रूप में देखे जा रहे हैं। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि प्रशासन इन आरोपों पर क्या कदम उठाता है और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कितनी प्रभावी कार्रवाई करता है।

बाराबंकी रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का निरीक्षण, ओवरब्रिज निर्माण को लेकर मिला आश्वासन

महानगर मेट्रो

बाराबंकी। भारतीय रेलवे बोर्ड के जेडआरयूसीसी सदस्य एवं रेलवे सलाहकार श्री आलोक द्विवेदी द्वारा बाराबंकी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं का व्यापक जायजा लिया गया। इस दौरान उन्होंने स्वच्छता, पेयजल, प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, प्लेटफॉर्म व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्री द्विवेदी ने यात्रियों से संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यात्रियों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने रेलवे क्रॉसिंग का भी

निरीक्षण किया, जहां यातायात व्यवस्था और सुरक्षा पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया। इस अवसर पर कई सामाजिक एवं स्थानीय संगठनों द्वारा रेलवे बांकी क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज निर्माण की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। संगठनों का कहना है कि ओवरब्रिज बनने से लाखों लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी और जाम व दुर्घटनाओं की समस्या से राहत मिलेगी। श्री आलोक द्विवेदी ने इस मांग को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि वे इस मुद्दे को शीघ्र ही माननीय रेल मंत्री तक पहुंचाएंगे और ओवरब्रिज निर्माण कार्य को शुरू कराने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इस मौके पर अंशुमन यादव, विपिन, कुलदीप सहित कई गणमान्य लोग एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि जल्द ही बाराबंकी रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों में सुविधाओं का विस्तार होगा।

योगेश्वरी वरूणाची माता का पाटोत्सव 11 मई को

महानगर मेट्रो

भीनमाल। स्थानीय तलबी रोड़ स्थित योगेश्वरी वरूणाची मंदिर का 27 वां पाटोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। योगेश्वरी वरूणाची मंदिर समिति के सचिव अनिल व्यास ने बताया कि श्रीमाली ब्राह्मण के सनकस एवं काश्यप दो गोत्रीय श्रीमाली ब्राह्मणों की कुलदेवी योगेश्वरी वरूणाची मंदिर के पाटोत्सव को लेकर जोरदार तैयारियां हो रही है । सचिव व्यास ने बताया कि प्रथम ज्येष्ठ कृष्ण अष्टमी, रविवार 10 मई को मंदिर परिसर में रात्रि को भजन संध्या एवं माता के सुकड़ी गुगरी की प्रसादी के साथ रातीजगा किया जाएगा। योगेश्वरी वरूणाची मंदिर पाटोत्सव निमित्त प्रथम ज्येष्ठ कृष्ण नवमी, सोमवार 11 मई को शुभ मुहुर्त में व्यास परिवार द्वारा मंदिर पर ध्वजा चढ़ाई जाएगी सचिव व्यास ने बताया कि दोपहर 3 बजे राजस्थान गुजरात, तमिलनाडु , कर्नाटक, आंध्रप्रदेश एवं महाराष्ट्र आदि से पधारें सनकस तथा काश्यप गोत्रीय श्रीमाली ब्राह्मणों के बीच में अगले वर्ष के चढ़ावे, सत्कार सम्मान एवं महाप्रसादी आदि कार्यक्रम किए जाएंगे।

100 बिस्तर मातृ शिशु अस्पताल सवालों के घेरे में इलाज के नाम पर व्यवस्था बीमार

महानगर मेट्रो

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में स्थित 100 बिस्तर वाला मातृ शिशु अस्पताल अब गंभीर आरोपों के घेरे में है। इलाज के लिए दूर-दूर से आने वाले मरीजों को अस्पताल में समुचित सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं जिसके चलते उन्हें जांच और दवाइयों के लिए बाहर निजी संस्थानों पर निर्भर होना पड़ रहा है। इससे न सिर्फ स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं बल्कि आम जनता की जेब पर भी भारी असर पड़ रहा है। भाजपा नेता जमाल खान ने राजनांदगांव के 100 बिस्तर मातृ शिशु अस्पताल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को आवश्यक जांच सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं जिसके कारण उन्हें बाहर निजी पैथोलॉजी लैब और मेडिकल स्टोर्स की ओर भेजा जाता है। अस्पताल के बाहर का नजारा इस स्थिति को साफ बयां करता है। परिसर के आसपास कतारबद्ध तरीके से कई निजी

पैथोलॉजी लैब और मेडिकल स्टोर संचालित हो रहे हैं जहां ब्लड टेस्ट, एक्स-रे, अल्ट्रा-साउंड जैसी तमाम जांच सुविधाएं तुरंत उपलब्ध कराई जाती हैं। हालांकि, इसके लिए मरीजों को मोटी रकम चुकानी पड़ती है। आरोप है कि यह पूरी व्यवस्था एक संगठित धंधे का रूप ले चुकी है जहां मरीजों को अनावश्यक जांच कराने और कथ का डर दिखाकर पैसे वसूले जा रहे हैं। जिस काम को पहले अपराधी जबरन करते थे अब वही काम कथित तौर पर स्वास्थ्य संस्थानों के जरिए किया जा रहा है। इस स्थिति का सबसे ज्यादा असर गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है। इलाज के खर्च को पूरा करने के लिए लोग अपनी जमीन-जायदाद बेचने या कर्ज लेने को मजबूर हो रहे हैं। स्वास्थ्य सेव-ाओं का यह व्यावसायीकरण अब सामाजिक और आर्थिक संकट का रूप लेता जा रहा है। मरीज जहां अस्पताल में बेहतर इलाज की उम्मीद लेकर आते हैंवहीं कई बार वे खुद को एक आर्थिक शोषण के चक्र में फंसा हुआ पाते हैं। सरकारी अस्पतालों पर से जनता का भरोसा कम होता जा रहा है जबकि निजी अस्पतालों पर इस के आरोप लग रहे हैं। यदि अस्पताल जो लोगों की जिंदगी बचाने के लिए बनाए गए हैं खुद ही अव्यवस्था और भ्रष्टाचार का केंद्र बन जाएं तो यह पूरे सिस्टम के बीमार होने का संकेत है। राजनांदगांव की यह स्थिति केवल एक जिले की नहीं बल्कि व्यापक स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर समस्या को उजागर करती है। अब जरूरत है ठोस सुधारों और जवाबदेही तय करने की ताकि आम जनता को सस्ती और भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

राजनांदगांव में अवैध शराब बेचने वाला आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो

राजनांदगांव। जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत डोंगरगांव थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से अवैध देशी शराब और नगदी बरामद की गई है।

घटना का विवरण

पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम टोलागांव स्थित धनलक्ष्मी पेपरमील के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया।

तलाशी में बरामद हुआ माल

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम राज भोजवानी (उम्र 30 वर्ष), निवासी वार्ड नंबर 41, शिव मंदिर के पास, राजनांदगांव बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से 20 पौवा देशी शराब और 230 रुपये की बिक्री रकम बरामद हुई, जिसकी कुल कीमत 1830 रुपये आंकी गई है।

कानूनी कार्रवाई

आरोपी के पास शराब रखने और बेचने के संबंध में कोई वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर पुलिस ने उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(ख) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। शांति व्यवस्था के मद्देनजर कदम स्थानीय स्तर पर जन आक्रोश को देखते हुए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की है और उसे बीएनएसएस की धाराओं के तहत एसडीएम न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस की सख्ती जारी

पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देश और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में जिले में अवैध शराब के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इस तरह की अवैध गतिविधियों पर आगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
आज का दिन आनंददायक सफलता प्रदान करने वाला रहेगा। प्रभावशाली लोगों से बातचीत बहुत ही सकारात्मक रहेगी।

वृष (ई उ ए ओ वा वि वू वे वो)
वृषभ राशि वालों के लिए समय के अनुसार अपने व्यवहार में बदलाव लाना जरूरी है। बच्चों के साथ व्यवहार करते समय उन्हीं के नजरिए से देखना उचित रहेगा।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
जातकों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। जीवन से जुड़े कुछ बदलाव होंगे सहकर्मियों के साथ तालमेल मजबूत रहेगा।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कर्क राशि के जातकों को आज के दिन व्यवसाय में फायदा मिलने के अवसर प्राप्त होंगे। पैसों से संबंधित मामलों में भी प्रगति होगी।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
आज का दिन मिश्रित रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी भी प्रकार का मतभेद हो सकता है पिछली कुछ गलतियों से सीख कर आप अपनी कार्यप्रणाली में कुछ परिवर्तन लाएंगे।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कन्या राशि के लोगों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा काम लेकर आएगा। जीवनसाथी की ओर से सहयोग मिलेगा। घर के सदस्यों में आपसी तालमेल प्रेम पूर्ण बना रहेगा।

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते)
तुला राशि के लोगों के लिए आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। आपको आपके फंसे हुए पैसे वापस मिल सकते हैं नौकरी में आपके बेहतरीन कार्य की सराहना होगी।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
वृश्चिक राशि के लोगों के लिए आज का दिन परेशानियों से भरा रहेगा। सहकर्मियों के साथ विवाद हो सकता है काम में नेतृत्व, योजना और तेज निर्णय की अपेक्षा रहेगी।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आप अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए अधिक मेहनत करेंगे जीवनसाथी आपकी किसी सख्त बात को गलत समझ सकते हैं, इसलिए संवाद को शांत रखें।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के साथ घूमने जा सकते हैं और आज आपका अपने जीवनसाथी के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

कुंभ (गु गे गो सा सी सू से सो दा)
आज के दिन आप किसी भी प्रकार की यात्रा या प्रवास पर जा सकते हैं। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।काम में सफलता मिलेगी।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मीन राशि के लोगों के लिए आज का दिन आनंद लेकर आएगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में पार्टनर के साथ सामंजस्य बढ़ सकता है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट आधुनिक भारत की नई उड़ान

पवन माकन
ग्रुप एडिटर

अप्रैल के अंत में फ्लाइट्स शुरू होने के बाद यह देश का पांचवां सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन जाएगा। चारों फेज का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद यह देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनेगा। 5000 एकड़ से अधिक के क्षेत्रफल में एयरपोर्ट का विस्तार होगा। पहले फेज के बाद इस एयरपोर्ट पर यात्री क्षमता करीब 1.2 करोड़ होगी। फाइनल फेज पूरी होने के बाद यह 7 करोड़ से अधिक यात्री क्षमता वाला एयरपोर्ट होगा। उड़ानें शुरू होने के बाद तेजी से बढने. की उम्मीद है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट केवल एक हवाई अड्डा नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश और पूरे भारत की विकास यात्रा का एक बड़ा आधार बनने जा रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि इसके माध्यम से प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी नई ऊंचाई मिलेगी। इस नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट आधुनिक भारत की नई उड़ान माना जा रहा है। इस विकास से प्रदेश का ही नहीं देश का विकास भी संभव हो सकेगा? देश की तरक्की में कम्युनिकेशन यानी यातायात को सुगम बनाना स्वाभाविक ही वह क्षेत्र और देश स्वयं तरक्की के पंख लगा लेता है। आज उसी अध्याय में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश को बीमारूइ छवि से बाहर निकालेगा। प्रदेश की छवि में चार चांद लगेंगे

जैसा की बताया जा रहा है अप्रैल के अंत में फ्लाइट्स शुरू होने के बाद यह देश का पांचवां सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन जाएगा। चारों फेज का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद यह देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनेगा। 5000 एकड़ से अधिक के क्षेत्रफल में एयरपोर्ट का विस्तार होगा। पहले फेज के बाद इस एयरपोर्ट पर यात्री क्षमता करीब 1.2 करोड़ होगी। फाइनल फेज पूरी होने के बाद यह 7 करोड़ से अधिक यात्री क्षमता वाला एयरपोर्ट होगा। उड़ानें शुरू होने के बाद तेजी से बढने. की उम्मीद है। भविष्य का सबसे बड़ा एविएशन हब बनने की पूरी क्षमता रखता है। इससे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश को 'बीमारूइ छवि से बाहर निकालकर 'विकसित प्रदेशइ की दिशा में ले जाने की क्षमता रखता है। और जब देश का सबसे बड़ा राज्य आर्थिक रूप से सशक्त होगा, तो स्वाभाविक है कि भारत की समग्र प्रगति भी तेज होगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) का उद्घाटन होने के बाद अब अप्रैल माह के अंत तक उड़ाने शुरू होने की उम्मीद की जा रही है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट 65 शहरों के लिए उड़ान शुरू किए जाने का दावा है। पहले चरण में देश के 10 शहरों के लिए सेवा शुरू होगी। शुरूआत में केवल घरेलू और कार्गो उड़ानें ही संचालित होंगी। नोएडा एयरपोर्ट के उद्घाटन के साथ ही यूपी पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला देश का पहला राज्य बन गया है। वैसे तो देश में एयरपोर्ट अलग-अलग मानकों के आधार पर तय किए जाते हैं। इनमें यात्री क्षमता, क्षेत्रफल और उड़ानों की संख्या शामिल होती है। देश के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट के आधार पर सबसे बड़ा दिल्ली का इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। वहीं, क्षेत्रफल के लिहाज से हैदराबाद एयरपोर्ट सबसे बड़ा है। उड़ानों की दृष्टि से सबसे बड़ा एयरपोर्ट दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट है। जेवर एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद इसे सबसे बड़ा माना जाएगा। देश के पांच सबसे बड़े एयरपोर्ट होगा।

सबसे पहले, यह एयरपोर्ट पश्चिमी उत्तर प्रदेश को वैश्विक व्यापार और निवेश के नक्शे पर मजबूती से स्थापित करेगा। अभी तक दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर अत्यधिक दबाव रहता है, लेकिन जेवर एयरपोर्ट उस दबाव को कम करेगा और क्षेत्र में हवाई कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा। इससे निर्यात, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलेगा। दूसरा, यह परियोजना रोजगार के विशाल अवसर पैदा करेगी। निर्माण चरण से लेकर संचालन तक लाखों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। आसपास के क्षेत्रों–जैसे ग्रेटर नोएडा, बुलंदशहर, अलीगढ़–में औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियां तेजी से बढ़ेंगी। तीसरा, यह एयरपोर्ट 'मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटीइ का केंद्र बनेगा। एक्सप्रेसवे, मेट्रो और रेल नेटवर्क से जुड़कर यह क्षेत्र एक लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित होगा। इससे किसानों, छोटे व्यापारियों और उद्योगों को अपने उत्पाद देश-विदेश तक पहुंचाने में आसानी होगी।चौथा, विदेशी निवेश को आकर्षित करने में यह अहम भूमिका निभाएगा। जब वैश्विक कंपनियां बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर देखती हैं, तो वे निवेश के लिए अधिक इच्छुक होती हैं। इससे 'मेक इन इंडियाइ और 'आत्मनिर्भर भारतइ जैसे अभियानों को मजबूती मिलेगी।

हालांकि, विकास के इस मॉडल में कुछ चुनौतियां भी हैं–जैसे पर्यावरण संतुलन और स्थानीय लोगों के पुनर्वास के मुद्दे। इनका संवेदनशील और संतुलित समाधान जरूरी है, ताकि विकास समावेशी और टिकाऊ बन सके।

उत्तर प्रदेश लंबे समय से अपनी विशाल जनसंख्या, कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था और सीमित औद्योगिक विस्तार के कारण विकास की चुनौतियों से जूझता रहा है। ऐसे में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण न केवल एक बुनियादी ढांचा परियोजना है, बल्कि यह राज्य की आर्थिक तस्वीर बदलने की क्षमता रखने वाला ऐतिहासिक कदम है।सबसे पहले, यह एयरपोर्ट क्षेत्रीय और वैश्विक कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। दिल्ली-एनसीआर के बढ़ते दबाव को कम करते हुए यह नया हवाई अड्डा अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन और निवेश को आकर्षित करेगा। जब दुनिया के बड़े शहरों से सीधी उड़ानें जुड़ेंगी, तो विदेशी कंपनियों के लिए उत्तर प्रदेश में निवेश करना अधिक आसान और लाभदायक होगा।दूसरा महत्वपूर्ण पहलू रोजगार का है। एयरपोर्ट के निर्माण से लेकर उसके संचालन तक लाखों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। होटल, परिवहन, लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग और रिटेल जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाएं खुलेंगी। आसपास के क्षेत्रों में छोटे और मध्यम उद्योगों को भी गति मिलेगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।तीसरा, यह परियोजना औद्योगिक विकास को नई दिशा देगी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के तहत विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्रों को इस एयरपोर्ट से सीधा लाभ मिलेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स, मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में यह क्षेत्र तेजी से उभर सकता है। हालांकि, हर बड़े विकास के साथ चुनौतियां भी आती हैं। भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय समुदायों के पुनर्वास जैसे मुद्दों को संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ संभालना होगा। यदि इन पहलुओं की अनदेखी हुई, तो विकास का यह मॉडल असंतुलित हो सकता है। यह कहना अतिश्योक्ति होगा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश के लिए केवल एक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना नहीं, बल्कि आर्थिक पुनर्जागरण का माध्यम बन सकता है। यदि सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर इसे योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाएं, तो यह राज्य को न केवल राष्ट्रीय बल्कि वैश्विक आर्थिक मानचित्र पर नई पहचान दिला सकता है।

यूपी को 'बीमारू छवि से बाहर निकालेगा

उत्तर प्रदेश के जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश के बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। यह केवल एक हवाई अड्डा नहीं, बल्कि उत्तर भारत के लिए विकास का नया इंजन बनने जा रहा है।सबसे बड़ी विशेषता इसकी वृहद क्षमता और चरणबद्ध विस्तार योजना है। पूर्ण रूप से विकसित होने पर यह एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट्स में शामिल होगा। शुरूआत में ही इसकी रनवे क्षमता और यात्री संभालने की व्यवस्था इसे भविष्य के दबाव के लिए तैयार बनाती है। अहम विशेषता है इसकी बेहतरीन कनेक्टिविटी। यह एयरपोर्ट दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के बड़े हिस्सों को सड़क, रेल और मेट्रो नेटवर्क से जोड़ेगा। इससे न केवल यात्रा आसान होगी, बल्कि व्यापार और उद्योग को भी नई गति मिलेगी। अन्य खासियत है इसका ग्रीन और सस्टेनेबल डिजाइन। यह भारत का पहला ऐसा एयरपोर्ट बनने की दिशा में है, जो पूरी तरह से नेट जीरो एमिशन के लक्ष्य को ध्यान में रखकर विकसित किया जा रहा है। सोलर एनर्जी, जल संरक्षण और पर्यावरण-अनुकूल निर्माण इसे भविष्य के एयरपोर्ट्स का मॉडल बनाते हैं। इसके अलावा, यह एयरपोर्ट कार्गो हब के रूप में भी उभरेगा। कृषि, और निर्यात आधारित उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सीधी पहुंच मिलेगी। इससे स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान मिलेगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। सामाजिक दृष्टि से भी यह परियोजना महत्वपूर्ण है। क्षेत्र में रोजगार सृजन, शहरीकरण और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे आसपास के जिलों का समग्र विकास संभव होगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट केवल एक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना नहीं, बल्कि नए भारत की आकांक्षाओं का प्रतीक है। यदि इसे समयबद्ध और संतुलित तरीके से पूरा किया गया, तो यह उत्तर प्रदेश ही नहीं, पूरे देश की आर्थिक उड़ान को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

संपादकीय

सोशल मीडिया पर अंकुश

अमेरिका में लॉस एंजेलिस की एक जूरी द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के घातक प्रभावों से त्रस्त एक युवती के पक्ष में सुनाए गए ऐतिहासिक फैसले से दुनिया भर के अभिवावकों को राहत मिली है। दरअसल, सोशल मीडिया की लत लगाने से जुड़े एक मामले में मेटा और यूट्यूब पर 56 करोड़ का जुमार्ना लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि एक युवती ने मेटा और यूट्यूब पर आरोप लगाया था कि इनकी वजह से उसे सोशल मीडिया की घातक लत लगी। हालांकि, अब तक ये कंपनियां दलील देती रही हैं कि वे मात्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं और इसकी सामग्री के लिये जिम्मेदार नहीं हैं। लेकिन कोर्ट में वकीलों ने पीड़िता के पक्ष में दलील दी कि जानबूझकर इस तरह के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं ताकि उपयोगकर्ता कथित सोशल मीडिया की लत के शिकार बन जाएं। शुरूआत से पहचान गुप्त रखने वाली बीस वर्षीय युवती केली के वकीलों की दलील को जूरी ने स्वीकार किया कि इस लत से उसकी मानसिक सेहत को नुकसान हुआ है। जूरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की दलीलों को दरकिनार करते हुए मेटा और यूट्यूब पर साठ लाख अमेरिकी डॉलर यानी छप्पन करोड़ रुपये चुकाने का आदेश दिया है। जूरी ने माना कि गूगल तथा मेटा ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के संचालन में अपने मुनाफे के मद्देनजर अनुचित उपायों का सहारा लिया है। जूरी ने इसे अनैतिक भी बताया। जूरी के निर्णय के अनुसार इस मामले में जुमार्ने की सत्तर फीसदी राशि मेटा तथा तीस फीसदी रकम गूगल को चुकानी होगी। उल्लेखनीय है कि पूरी दुनिया में इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के विरुद्ध हजारों मुकदमें चल रहे हैं। जिसमें कई वे लोग भी शामिल हैं जिनके बच्चों ने सोशल मीडिया की लत का शिकार होकर आत्मघाती कदम उठाये हैं। ब्रिटेन समेत कई देशों में अभिभावक इस लत से बच्चों को बचाने के लिये आंदोलन करते रहे हैं। यही नहीं, अमेरिका में ही विभिन्न अदालतों में सोशल मीडिया के घातक प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिये सैकड़ों मामले चल रहे हैं। विश्वास किया जा रहा है कि इस मुकदमे के फैसले का प्रभाव उन तमाम मामलों में भी पड़ सकता है, जो दुनिया के विभिन्न देशों में चल रहे हैं। हालांकि, दोषी पाये गए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के कर्ताधर्ता इस फैसले से असहमति जताते हुए इसके खिलाफ अपील करने की बात कर रहे हैं। उनकी दलील है कि किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव के अनेक अन्य कारण हो सकते हैं, जिसके लिये सिर्फ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ही दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यूट्यूब के अधिकारियों का कहना है कि ये सोशल मीडिया साइट नहीं, सिर्फ वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म है। जबकि पीड़ित युवती के वकीलों की दलील थी कि मेटा आदि कंपनियों ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की संरचना ऐसी बनायी है कि किशोरों को इसकी आदत लग जाए। हकीकत ये है कि भारत समेत दुनिया के करोड़ों किशोर इसकी लत के शिकार बन रहे हैं।

चिंतन-मनन

दूर करें अध्यात्म विद्या का अभाव

अध्यात्म विद्या के विषय में अधिकांश भौतिक विद्वान शिक्षा को ही विद्या मान बैठते हैं। वे विद्या और शिक्षा के अंतर को भी समझने में असमर्थ हैं जबकि विद्या और शिक्षा में धरती और आसमान का अंतर है। इस विषय को स्पष्ट करते हुए महात्मा परमचेतनानंद ने अपने प्रवचन में कहा कि शिक्षा शब्द शिक्ष धातु से बना है जिसका अर्थ है सीखना। भौतिक शिक्षा अनुकरण के द्वारा सीखी जाती है जिसका संबंध ज्ञानेन्द्रियों, कर्मेंद्रियों व मन बुद्धि तक सीमित है। इसके अतिरिक्त विद्या शब्द विद् धातु से बना है जिसका अर्थ है जानना अर्थात वास्तविक ज्ञान।

यह ज्ञान स्वयं अंदर से प्रकट होता है, इसे ही अध्यात्म ज्ञान कहा जाता है। इसे आत्मा की गहराई में पहुंचने पर ही जाना जाता है। शिक्षा के विद्वान अहंकार से ग्रसित होते हैं, उनमें विनम्रता का अभाव होता है जबकि विद्या का प्रथम गुण विनम्रता है। विद्या वास्तव में मानव की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है।

इस अध्यात्म विद्या से मानव निष्काम कर्म योगी बनता है जो सभी को समान भाव से देखता है। पहले निष्काम कर्म योगी को ही प्रजा अपना राजा चुनती थी। वे अपने पुत्र तथा अन्य प्रजा के साथ समान रूप से न्याय करते थे। आज के असमय में अध्यात्म विद्या का अभाव होने के कारण राजा और प्रजा दोनों ही अशांत हैं फिर भी इसे ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जबकि अध्यात्म विद्या के वेत्ता तत्वदर्शी संत आज भी मौजूद हैं।

मध्य पूर्व तनाव का असर, लेकिन भारत तैयारः संसाधनों का संयमित उपयोग अनिवार्य

सुनील कुमार महला

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण विश्व के कई हिस्सों में पिछले कुछ समय से तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे ऊर्जा संकट की स्थिति बनती दिखाई दे रही है। ऐसे समय में यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं, असीमित नहीं। इसलिए उनका उपयोग सोच-समझकर और जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें अनावश्यक रूप से बर्बाद करने का अधिकार किसी को नहीं है।

इसी संदर्भ में भारत सरकार ने 26 मार्च 2026 (गुरुवार) को यह स्पष्ट किया है कि देश में पेट्रोल और एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक और दुष्प्रचारपूर्ण खबरों पर ध्यान न दें, क्योंकि इनका उद्देश्य केवल भय और घबराहट पैदा करना है।पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, भारत के पास कुल 74 दिनों की भंडारण क्षमता है, जिसमें वर्तमान में लगभग 60 दिनों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। इस भंडार में कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद तथा भूमिगत रणनीतिक भंडारण शामिल हैं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि मध्य-पूर्व संकट के 27वें दिन तक देश में कहीं भी पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। सरकार के अनुसार, हर नागरिक के लिए लगभग दो महीने तक निरंतर ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित है, चाहे वैश्विक परिस्थितियां कैसी भी हों। इसके अतिरिक्त, सरकार ने अगले दो महीनों के लिए कच्चे तेल की खरीद पहले से ही सुनिश्चित कर ली है। इतना ही नहीं, मीडिया के हवाले से यह भी खबरें आई हैं कि सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटा दी है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार पेट्रोल-डीजल पर ?10 की कटौती की गई है, इससे फिलहाल पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे। यह अच्छी बात है कि केंद्र सरकार ने तेल कंपनियों और आम जनता को राहत देते हुए पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी को 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए कर दिया गया है तथा डीजल पर यह ड्यूटी पूरी तरह खत्म यानी जीरो कर दी गई है। बहरहाल, जहां कुछ देशों में ईंधन की कीमतों में वृद्धि, राशनिंग और पेट्रोल पंपों के बंद होने जैसी स्थिति देखने को मिल रही है, वहीं भारत में ऐसी कोई स्थिति नहीं है और किसी आपातकालीन कदम की आवश्यकता भी नहीं पड़ी है।बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि संकट की इस घड़ी में समाज की वास्तविक परीक्षा एकजुटता और जिम्मेदारी में निहित होती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कोई बड़ा संकट आता है-चाहे वह महामारी हो, प्राकृतिक आपदा या आर्थिक मंदी-तब केवल आम जनता ही नहीं, बल्कि प्रशासन और व्यापारिक वर्ग की जिम्मेदारी भी कई गुना बढ़ जाती है। दुर्भाग्यवश, ऐसे समय में कालाबाजारी और मुनाफाखोरी जैसी प्रवृत्तियां भी उभरती हैं, जो कृत्रिम कमी पैदा कर आम लोगों की कठिनाइयों को और बढ़ा देती हैं। वास्तव में,कालाबाजारी और मुनाफाखोरी समाज की आर्थिक व्यवस्था को भीतर से खोखला कर देती हैं।यह न केवल आम जनता की जेब पर बोझ डालती है, बल्कि विश्वास की नींव को भी कमजोर करती है। आवश्यक वस्तुओं की कृत्रिम कमी पैदा कर कीमतें बढ़ाना नैतिक और कानूनी दोनों रूप से गलत है।सच तो यह है कि ऐसे समय में गरीब और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। ऐसे में सरकार को सख्त कानून और प्रभावी निगरानी व्यवस्था लागू करनी चाहिए। साथ ही, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई से ही इसका सही समाधान संभव है। जनता को भी जागरूक रहकर ऐसे कृत्यों का विरोध करना चाहिए।ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ व्यापार करना ही स्वस्थ समाज की पहचान है।वास्तव में, हमें यह समझना होगा कि वास्तविक शक्ति संसाधनों को जमा करने में नहीं, बल्कि उन्हें जरूरतमंदों तक सही तरीके से पहुंचाने में है। कालाबाजारी भले ही अल्पकालिक लाभ दे, लेकिन यह समाज के विश्वास और नैतिक आधार को कमजोर करती है। इसके विपरीत, यदि व्यापारी, उद्योगपति, प्रशासन और आम नागरिक मिलकर ईमानदारी, पारदर्शिता और सहयोग का मार्ग अपनाएं, तो किसी भी संकट के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। अंततः, यही समय है जब हमें यह सिद्ध करना होगा कि हमारी सभ्यता स्वार्थ पर नहीं, बल्कि एकता, संवेदना और सहभागिता जैसे मूल्यों पर आधारित है। यही भावना न केवल संकट से उबरने में सहायक होती है, बल्कि एक मजबूत और सुदृढ़ राष्ट्र की नींव भी रखती है।

वैश्विक ऊर्जा संकट बनाम लॉकडाउन की आशंका?

किशन सनमुखदास

क्या *दुनियाँ फिर कोविड-19 जैसे दौर की ओर बढ़ रही है या यह केवल भय और अफवाहों का जाल है?*

क्या दुनियाँ एक बार फिर लॉकडाउन की ओर बढ़ रही है?- अफवाह बनाम जमीनी हकीक- भय,भ्रम और बदलती वैश्विक वास्तविकता

पीएम की लगातार बैठकें,देश में तेल,गैस और अन्य आवश्यक संसाधनों की आपूर्ति लगातार सुनिश्चित करना -अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी को ध्यान में रखना जरूरी

वैश्विक स्तरपर कोविड -19 महामारी ने दुनियाँ को जिस तरह से झकझोर कर रख दिया था,उसकी स्मृतियाँ आज भी लोगों के मन में ताजा हैं। 2020-21 के दौरान लगाए गए लॉकडाउन,आर्थिक गतिविधियों का ठप होना,सड़कों पर सन्नाटा और अनिश्चित भविष्य ये सब अनुभव आज भी समाज की सामूहिक चेतना में गहराई से बसे हुए हैं।ऐसे में जब 2026 में ऊर्जा संकट, पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और सरकारों की लगातार बैठकों की खबरें सामने आती हैं,तो स्वाभाविक रूप से लोगों के मन में यह सवाल उठता है,क्या दुनियाँ एक बार फिर लॉकडाउन की ओर बढ़ रही है? क्या यह एक नए प्रकार का ऊर्जा लॉकडाउन होगा? या यह केवल अफवाहों औरसोशल मीडिया की उपज है? मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहता हूं कि इस बार संकट का कारण कोई वायरस नहीं,बल्कि ऊर्जा आपूर्ति से जुड़ी अनिश्चितताएँ हैं।पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका ने कई देशों को सतर्क कर दिया है। कुछ देशों में बिजली की खपत कम करने के लिए स्कूल-कॉलेजों को अस्थायी रूप से बंद किया जा रहा है,सरकारी दफ्तरों में सप्ताह में केवल चार दिन काम का मॉडल अपनाया जा रहा है, और वर्क फ्रॉम होम को फिर से प्रोत्साहित किया जा रहा है।यह स्थिति भले ही कोविड जैसी स्वास्थ्य आपातकाल नहीं है, लेकिन इसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव उतने ही गहरे हो सकते हैं।श्रीलंका जैसे देशों में पहले से ही ऊर्जा संकट के कारण सड़कों पर सन्नाटा देखने को मिल रहा है। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि ऊर्जा संकट केवल आर्थिक समस्या नहीं है,बल्कि यह सामाजिक स्थिरता और नागरिक जीवन को भी सीधे प्रभावित करता है।भारत की स्थिति की व्याख्या हम,सतर्कता लेकिन घबराहट नहीं के रूप में कर सकते हैं,भारत भी इस वैश्विक संकट को लेकर सरकार पूरी तरह सतर्क है। पीएम ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ 26 मार्च 2026 को शाम साढ़े छह बजे बैठक कर स्थिति की समीक्षा की है।इन बैठकों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश में तेल,गैस और अन्य आवश्यक संसाधनों की आपूर्ति सुचारू रूप से बनी रहे। रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत के पास लगभग 60 दिनों का ईंधन भंडार उपलब्ध है, जो तत्काल किसी बड़े संकट की संभावना को कम करता है।सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि देश में किसी प्रकार का लॉकडाउन लगाने की कोई योजना नहीं है।वित्त मंत्री संसदीय कार्य मंत्री और पेट्रोलियम मंत्री ने संयुक्त रूप से बयान देकर इन अफवाहों को खारिज किया है। भारत में लॉकडाउन के संदेह का जन्म संसद में पीएम के बयान की गलत व्याख्या,अफवाहों के कारण कुछ जगहों पर पैनिक बाइंग की स्थिति उत्पन्न हुई, इंडियन ऑइल कारपोरेशन और भारत पेट्रोलियम ने सफाई दी हैसरकार का स्पष्ट संदेश है कि देश में पर्याप्त फ्यूल स्टॉक मौजूद है। लॉकडाउन और फ्यूल क्राइसिस की खबरें पूरी तरह भ्रामक है सोशल मीडिया पर फैल रही गलत जानकारी से सतर्क रहने की अपील की गई है। 27 मार्च 2026 को भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश में लॉकडाउन की कोई योजना नहीं है और ऐसी अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीयमंत्री ने सोशल मीडिया पर चल रही लॉकडाउन की खबरों को पूरी तरह गलत और हानिकारक बताया है। लोग घबराएं नहीं और न ही अफवाहों पर ध्यान दें, क्योंकि ईंधन और जरूरी वस्तुओं का पर्याप्त भंडार है।

साथियों बात अगर हम सोशल मीडिया और अफवाहों का तंत्रः डर का नया स्रोत इसको समझने की करें तो आज के डिजिटल युग में सूचना जितनी तेजी से फैलती है,उतनी ही तेजी से भ्रम और अफवाहें भी फैलती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ऊर्जा लॉकडाउन और देशव्यापी बंदी जैसे शब्द ट्रेंड करने लगे,जिससे आम लोगों में डर का माहौल बन गया।पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगने लगीं,गैस सिलेंडर और आवश्यक वस्तुओं की खरीद अचानक बढ़ गई।यह स्थिति बताती है कि संकट केवल वास्तविक नहीं होता, बल्कि उसकी धारणा भी उतनी ही प्रभावशाली होती है। जब लोग यह मान लेते हैं कि कोई बड़ा संकट आने वाला है,तो उनका व्यवहार भी उसी अनुसार बदल जाता है,चाहे वास्तविक स्थिति उतनी गंभीर न हो।

साथियों बात अगर हम भारत की रणनीतिः संतुलन और स्थिरता को समझने की करें तो भारत ने पिछले कुछवर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में विविधीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर और पवन ऊर्जा पर बढ़ता जोर रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार, और आपूर्ति श्रृंखलाओं का विविधीकरण ये सभी कदम भारत को इस प्रकार के संकटों से निपटने में सक्षम बनाते हैं।सरकार का वर्तमान फोकस स्पष्ट हैःआपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखना,कीमतों को नियंत्रित रखना,जनता में घबराहट को रोकना,जनता की भूमिका-संयम और जागरूकता-किसी भी संकट के दौरान सरकार की नीतियों के साथ-साथ जनता का व्यवहार भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि लोग अफवाहों पर विश्वास करके अनावश्यक खरीददारी करते हैं, तो इससे कृत्रिम संकट उत्पन्न हो सकता है।इसलिए यह आवश्यक है कि लोग केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें और किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करें।

साथियों बात अगर हम राजनीतिक बयानबाजी और उसके प्रभाव को समझने की करें तो,इस पूरे घटनाक्रम में राजनीतिक बयानबाजी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने यह आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एक बार फिर लॉकडाउन लगा सकती है और लोगों को घरों में कैद कर सकती है।उन्होंने 2021 के लॉकडाउन और चुनावों का उदाहरण देते हुए अपनी बात रखी।हालांकि, ऐसे बयान अक्सर राजनीतिक दृष्टिकोण से दिए जाते हैं,लेकिन इनका असर आमजनता पर गहरा पड़ता है। जब एक वरिष्ठ नेता इस तरह की आशंका व्यक्त करता है, तो लोगों के मन में अनिश्चितता और भय और अधिक बढ़ जाता है।

साथियों बात अगर हम पीएम के संसद में बयान और उसके गलत अर्थ को समझने की करें तो,सोशल मीडिया पर यह दावा भी किया गया कि पीएम ने संसद में अपने संबोधन के दौरान लॉकडाउन का संकेत दिया था।लेकिन वास्तविकता यह है कि उन्होंने केवल कोविड-19 महामारी का उदाहरण देते हुए यह कहा था कि हमें हर प्रकार की चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए। इस बयान को संदर्भ से हटाकर प्रस्तुत किया गया, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई।यह घटना यह दशार्ती है कि किस तरह आधी-अधूरी जानकारी या संदर्भ से हटाकर प्रस्तुत किए गए बयान बड़े पैमाने पर सटीक रूप से गलतफहमी पैदा कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम,क्या वैश्विक स्तरपर ऊर्जा लॉकडाउन संभव है? इसको समझने की करें तो,ऊर्जा लॉकडाउन का विचार नया है, लेकिन पूरी तरह असंभव नहीं। यदि ऊर्जाआपूर्ति में भारी कमी आती है,तो सरकारें बिजली और ईंधन की खपत को नियंत्रित करने के लिए कुछ प्रतिबंधात्मक उपाय लागू कर सकती हैं।हालांकि, यह कोविड-19 जैसे पूर्ण लॉकडाउन से अलग होगा।ऊर्जा संकट के दौरान संभावित उपायों में शामिल हो सकते हैंः(1)औद्योगिक गतिविधियों को सीमित करना (2) कार्यालयों में वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देना (3) सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देना (4) बिजली और ईंधन की खपत परनियंत्रण लेकिन इन उपायों का उद्देश्य जीवन को पूरी तरह रोकना नहीं, बल्कि संसाधनों का संतुलित उपयोग सुनिश्चित करना होगा।

वजीराबाद पुश्ता रोड पर बनेगा 6 किलोमीटर लंबा फ्लाईओवर

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली। वजीराबाद रोड स्थित नानकसर गुरुद्वारा से ट्रोनिका सिटी तक सोनिया विहार पुश्ता रोड को नाम फ्री करने के लिए करीब 6 किमी लंबा पोर्टल फ्लाईओवर बनाने की योजना तैयार की जा रही है। पूर्वी दिल्ली के इस व्यस्त रोड पर फ्लाईओवर निर्माण के लिए एक प्राइवेट एजेंसी से फिजिबिलिटी स्टडी कराई जा रही है। प्रस्तावित फ्लाईओवर की चौड़ाई करीब 4 लेन होगी। योजना इस तरह बनाई जा रही है कि मौजूदा ट्रैफिक फ्लो पर निर्माण के दौरान कोई असर न पड़े।/

पोर्टल फ्लाईओवर ही बेहतर ऑप्शन

अधिकारियों के अनुसार, सोनिया विहार पुश्ता रोड पर फ्लाईओवर बनाने में कई चुनौतियां है। रोड की चौडाई कम है और यह सिंगल लेन होने के कारण सुबह-शाम पीक आवर में यहां भारी जाम लगता है। पहले सिंगल पिलर फ्लाईओवर बनाने का प्लान था लेकिन इससे नीचे ट्रैफिक के लिए पर्याप्त जगह नहीं बचती। इसलिए अब पोर्टल फ्लाईओवर बनाने की योजना है।

निर्माण में कई चुनौतियां

पोर्टल फ्लाईओवर बनाने में भी दिक्कतें हैं। इसमें रोड के दोनों तरफ पिलर बनाने पढ़ते हैं, जबकि यहां पर्याप्त जगह नहीं है। एक तरफ फ्लड प्लेन एरिया है, जहां करीब 300 मीटर तक किसी भी तरह के कंस्ट्रक्शन पर रोक है। दूसरी तरफ प्राइवेट प्रॉपर्टी है, जिनका अधिग्रहण मुश्किल है। इसके अलावा रोड के दोनों तरफ करीब 9 से 10 हजार बड़े पेड़ भी मौजूद हैं, जो निर्माण में बड़ी बाधा है।दिल्ली

से यूपी बॉर्डर तक सिग्नल फ्री

इस फ्लाईओवर के बनने के बाद वजीराबाद रोड के पास नानकसर गुरुद्वारा से लेकर ट्रोनिका सिटी (यूपी बॉर्डर) तक करीब 6 किमी का पूरा रास्ता सिग्नल फ्री हो जाएग। इससे सोनिया विहार पुश्ता-1, श्रीराम कॉलोनी, चौथा पुश्ता, सोनिया विहार एक्सटेंशन, सभापुर, चौहान पट्टी समेत आसपास के इलाकों के लोगों को बड़ी राहत

प्याज-टमाटर की कीमतों में गिरावट

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट संकट के बीच दिल्ली में इन दिनों प्याज और टमाटर की कीमतों में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। करीब तीन महीने से प्याज के दाम नरम बने हुए हैं, जिससे आम लोगों को राहत जरूर मिली है, लेकिन किसानों के लिए यह चिंता का विषय बन गया है। राजधानी में प्याज खुदरा बाजार में 25 से 30 रुपये प्रति किलो के भाव से बिक रही है, जबकि थोक बाजार यानी आजादपुर मंडी में इसकी कीमत 8 से 18 रुपये प्रति किलो तक बनी हुई है।कीमतों में गिरावट की मुख्य वजह महाराष्ट्र, नासिक, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों से प्याज की लगातार बढ़ती आवक और अच्छी पैदावार बताई जा रही है। व्यापारियों के मुताबिक, भले ही मंडियों में कीमत 8 से 18 रुपये किलो है, लेकिन किसानों को खेतों पर मात्र 3 से 5 रुपये प्रति किलो के हिसाब से ही अपनी फसल बेचनी पड़ रही है, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। कुछ ऐसा ही हाल टमाटर का भी है। अच्छी पैदावार के चलते दिल्ली में टमाटर भी 25 से 30 रुपये प्रति किलो के आसपास बिक रहा है।

दिल्ली एयरपोर्ट के रनवे-28 पर फुल इमरजेंसी, आपातकाल में कराई गइ

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के रनवे नंबर-28 पर शनिवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब अधिकारियों ने पूर्ण इमरजेंसी लागू कर दी। विशाखापट्टनम से दिल्ली आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ए-579 के एक इंजन में खराबी आने के बाद यह इमरजेंसी प्रोटोकॉल लागू किया गया। इमरजेंसी लागू करने के कुछ समय बाद एयरपोर्ट पर फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई, जिससे बड़ा हादसा टल गया।जानकारी के मुताबिक, शनिवार सुबह इंडिगो के विमान ने विशाखापट्टनम से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंडिंग से कुछ समय पहले पायलट ने विमान के एक इंजन में खराबी की जानकारी दी। आपात स्थिति से निपटने के लिए रनवे-28 को तुरंत खाली कराया गया और दमकल की गाड़ियां, एंबुलेंस तथा मेडिकल टीमों को तैनात कर दिया गया। पूरे रनवे-28 को हाई अलर्ट पर रखा गया।कुछ ही मिनट बाद इंडिगो के इस विमान को योजना के तहत रनवे-28 पर लैंड कराया गया।

हाइवे पर डीजल टैंकर में टक्कर

सड़क पर बहने लगा तेल, लूटने की मची होड़

महानगर मेट्रो

कौशांबी ।कौशांबी में नेशनल हाइवे पर टैंकर हादसे के बाद सड़क पर डीजल फैलने लगा. इसको लेकर अफरा-तफरी मच गई. लोग मदद करने की बजाय बाल्टियां और बोतलें लेकर पहुंच गए और डीजल भरने लगे. इस दौरान मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया.यूपी के कौशांबी जिले में नेशनल हाइवे पर एक हादसा हो गया. यहां सड़क किनारे खड़े डीजल टैंकर में तेज रफ्तार डीसीएम ने जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि टैंकर की बॉडी फट गई और बड़ी मात्रा में डीजल सड़क पर फैल गया. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया.घटना कोखराज थाना क्षेत्र के कल्याणपुर स्थित नेशनल हाइवे की है. डीसीएम कानपुर से प्रयागराज की ओर जा रहा था, तभी यह हादसा हो गया. टक्कर लगने के बाद जैसे ही डीजल सड़क पर बहने लगा, आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए.

लोगों ने घायलों की मदद करने की बजाय डीजल लूटने की होड़ मचा दी. ग्रामीण अपने घरों से डिब्बे, बाल्टियां और बोतलें लेकर पहुंचे और सड़क पर फैले डीजल को भरने लगे. कुछ ही देर में मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे स्थिति और ज्यादा गंभीर हो गई.घटना की सूचना मिलते ही कोखराज थाना पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने तत्काल डीजल भर रहे लोगों को खदेड़ा और स्थिति को काबू किया. साथ ही सड़क पर फैले डीजल के कारण किसी भी बड़े हादसे की आशंका को देखते हुए सुरक्षा के इंतजाम किए गए.पुलिस ने यातायात को कुछ समय के लिए कंट्रोल किया, ताकि दुर्घटना की स्थिति से बचा जा सके. बाद में ट्रैफिक को धीरे-धीरे सामान्य किया गया. मौके पर मौजूद पुलिस-।कर्मियों ने लोगों को समझाते हुए इस तरह की हरकतों से बचने की अपील की.

इस पूरी घटना के दौरान किसी ने वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में देखा जा सकता है कि किस तरह लोग बाल्टियों और डिब्बों में डीजल भर रहे हैं. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है.घटना की सूचना मिलते ही कोखराज थाना पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने तत्काल डीजल भर रहे लोगों को खदेड़ा और स्थिति को काबू किया. साथ ही सड़क पर फैले डीजल के कारण किसी भी बड़े हादसे की आशंका को देखते हुए सुरक्षा के इंतजाम किए गएपुलिस ने यातायात को कुछ समय के लिए कंट्रोल किया, ताकि दुर्घटना की स्थिति से बचा जा सके. बाद में ट्रैफिक को धीरे-धीरे सामान्य किया गया. मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने लोगों को समझाते हुए इस तरह की हरकतों से बचने की अपील की.

जेवर की किस्मत बदली: बैलगाड़ी से हवाई उड़ान तक का सफर

एयरपोर्ट और एक्सप्रेसवे ने बदली तस्वीर

महानगर मेट्रो

जेवर। जेवर क्षेत्र ने बीते 15-20 वर्षों में विकास की ऐसी छलांग लगाई है, जिसने इस-।की पहचान पूरी तरह बदल दी है। कभी कच्ची सड़कों और बैलगाड़ियों के लिए जाना जाने वाला यह इलाका अब आधुनिक बुनियादी ढांचे और हवाई यात्रा के युग में प्र-वेश कर चुका है।

इस बदलाव की शुरूआत यमुना एक्सप्रेसवे के निर्माण से हुई, जिसने दिल्ली, नोएडा और आगरा के बीच तेज और सुगम संपर्क स्थापित किया। इसके बाद नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट परियोजना ने पूरे क्षेत्र की दिशा ही बदल दी। एयरपोर्ट की घोषणा के बाद जमीन की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया। जो जमीन पहले कोई लेना नहीं चाहता था, आज वहां बड़े-बड़े आवासीय और औद्योगिक प्रोजेक्ट खड़े हो रहे हैं। निवेशकों और कंपनियों की नजर अब इस क्षेत्र पर टिक गई है।

विशेषज्ञों का मानना है कि एयरपोर्ट से हजारों रोजगार के अवसर पैदा होंगे। खासतौर पर अपैरल पार्क में महिलाओं के लिए बड़ी संख्या में नौकरियां उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही होटल, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग क्षेत्रों में भी तेजी आएगी।

सरकार और विकास प्राधिकरण मिलकर इस क्षेत्र को एक बड़े आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित कर रहे हैं। भविष्य में यात्री संख्या और यातायात बढ़ने के साथ आय में भी निरंतर वृद्धि होगी।आने वाले समय में जेवर देश के प्रमुख विमानन केंद्रों में शामिल होकर उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई देने वाला साबित होगा।जेवर क्षेत्र ने बीते 15-20 वर्षों में विकास की ऐसी छलांग लगाई है, जिसने इसकी पहचान पूरी तरह बदल दी है। कभी कच्ची सड़कों और बैलगाड़ियों के लिए जाना जाने वाला यह इलाका अब आधुनिक बुनियादी ढांचे और हवाई यात्रा के युग में प्र-वेश कर चुका है।

इस बदलाव की शुरूआत यमुना एक्सप्रेसवे के निर्माण से हुई, जिसने दिल्ली, नोएडा और आगरा के बीच तेज और सुगम संपर्क स्थापित किया। इसके बाद नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट परियोजना ने पूरे क्षेत्र की दिशा ही बदल दी। एयरपोर्ट की घोषणा के बाद जमीन की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया। जो जमीन पहले कोई लेना नहीं चाहता था, आज वहां बड़े-बड़े आवासीय और औद्योगिक प्रोजेक्ट खड़े हो रहे हैं। निवेशकों और कंपनियों की नजर अब इस क्षेत्र पर टिक गई है।

विशेषज्ञों का मानना है कि एयरपोर्ट से हजारों रोजगार के अवसर पैदा होंगे। खासतौर पर अपैरल पार्क में महिलाओं के लिए बड़ी संख्या में नौकरियां उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही होटल, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग क्षेत्रों में भी तेजी आएगी।

सरकार और विकास प्राधिकरण मिलकर इस क्षेत्र को एक बड़े आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित कर रहे हैं। भविष्य में यात्री संख्या और यातायात बढ़ने के साथ आय में भी निरंतर वृद्धि होगी।आने वाले समय में जेवर देश के प्रमुख विमानन केंद्रों में शामिल होकर उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई देने वाला साबित होगा।एयरपोर्ट से हजारों रोजगार के अवसर पैदा होंगे। खासतौर पर अपैरल पार्क में महिलाओं के लिए बड़ी संख्या में नौकरियां उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही होटल, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग क्षेत्रों में भी तेजी आएगी।

सरकार और विकास प्राधिकरण मिलकर इस क्षेत्र को एक बड़े आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित कर रहे हैं।

दिल्ली से दुबई फिर बांग्लादेश और पाकिस्तान जा रही रकम, विदेशों से हथियार तस्करी में रडार पर हवाला नेटवर्क

क्राइम ब्रांच की टीम ने ट्रांसनेशनल आर्म्स रैकेट का भंडाफोड़ किया

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली।: भारत में विदेशों से हो रही हथियार तस्करी के मामले में अब दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच इस नेटवर्क की द्यर-।ढ़ह्ल यानी फंडिंग को खत्म करने के काम पर लग गई है। पुलिस सूत्र का कहना है कि अब तक की जांच में सामने आया है कि इन हथियारों के लिए पैसा हवाला नेटवर्क के जरिए जाता है। दिल्ली से हवाला के जरिए रकम दुबई पहुंचती है। वहां से पड़ोसी देश बांग्लादेश और पाकिस्तान तक पहुंचाई जाती है। फिलहाल पुलिस को दिल्ली से दुबई का हवाला लिंक मिल गया है, जिस पर काम किया जा रहा है।

कैसे होती थी हथियारों की सप्लाई

इस पूरे मामले में यह भी सामने आया है कि दिल्ली समेत अन्य राज्यों में लॉरेंस गैंग, गोगी गैंग, नंदू गैंग, हिमांशु भाऊ गैंग, रोहित चौधरी गैंग को हथियारों की तस्करी हो रही थी। इनके अलावा यूपी, बिहार के कुछ बाहुबलियों और गैंगस्टर्स को भी इन हथियारों की सप्लाई होने की बात सामने आई है। पुलिस इनकी पूरी चेन का भी पता करने में जुटी हुई है।

दुबई का द्यलकीह्ल है सूत्रधार

दिल्ली से दुबई के हवाला लिंक में फिलहाल एक नाम सामने निकलकर आया है। यह नाम है द्यलकीह्ल। अब तक की जांच में पता चला है कि लकी दुबई में है। वह एक भारतीय ही है। यही नहीं विदेश में जितने हलावा ऑपरेटर हैं, वे सभी भारतीय हैं और यहां ड्रग्स, आर्म्स और एक्सटॉर्शन से आने वाले पैसे को विदेश भेजते हैं।

लखनऊ सीएचसी में शर्मनाक लापरवाही! प्रसव के दौरान महिला को छोड़ सो गए डॉक्टर-स्टाफ

महानगर मेट्रो

लखनऊ। लखनऊ के अलीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से चिकित्सा व्यवस्था को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। प्रसव पीड़ा से तड़प रही गर्भवती महिला को लेबर रूम की ओटी टेबल पर छोड़कर डॉक्टर और स्टाफ के सो जाने का गंभीर आरोप लगा है।जानकारी के अनुसार जानकीपुरम निवासी अमित अपनी 26 वर्षीय पत्नी मीनाक्षी को 24 मार्च की रात करीब 12 बजे अस्पताल लेकर पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि इमरजेंसी में तैनात स्टाफ गहरी नींद में था और काफी कहने के बाद महिला को ओटी में ले जाया गया। जांच के बाद स्टाफ ने समय लगने की बात कहकर प्रसूता को टेबल पर ही छोड़ दिया।कुछ ही देर में महिला का प्रसव शुरू हो गया और नवजात का आधा शरीर बाहर आ गया, लेकिन वहां कोई मौजूद नहीं था। दर्द से चीखती महिला की आवाज सुनकर जब परिजन अंदर पहुंचे तो हालात देखकर सन्न रह गए। हंगामे के बाद स्टाफ की नींद टूटी और जल्दबाजी में डिलीवरी कराई गई।परिजनों ने आरोप लगाया कि इतनी बड़ी लापरवाही के बावजूद स्टाफ ने नेग के नाम पर 2200 रुपये भी वसूले। उनका कहना है कि यहां हर डिलीवरी में इस तरह की वसूली आम है और विरोध करने पर धमकाया जाता है।वहीं सीएचसी प्रभारी डॉ. हेमंत ने आरोपों को निराधार बताया है, लेकिन शिकायत मिलने पर जांच का भरोसा दिया है।

हाउस टैक्स भरने में बस 4 दिन और, मेयर और नगर निगम अफसरों के बीच पिस रहे 5 लाख लोग

महानगर मेट्रो

गाजियाबाद। गाजियाबाद में हाउस टैक् स भरने की लास् ट डेट 31 मार्च है। मेयर सुनीता दयाल का कहना है कि लोग हाउस टैक् स तभी जमा करें, जब कम होने का आदेश आ जाए।

यूपी के गाजियाबाद में करीब पांच लाख से अधिक हाउस टैक् स देने वाले लोग रहते हैं। बढ़े हुए हाउस टैक् स को जमा करने की लास् ट डेट 31 मार्च है, लेकिन लोग दुविधा में फंसे हैं। दरअसल, एक तरफ नगर निगम के प्रचार वाहन लोगों से छूट के साथ बढ़ा हुआ हाउस टैक् स जमा करने की अपील कर रहा है, दूसरी ओर महापौर सुनीता दयाल का कहना है कि लोग तभी हाउस टैक् स जमा करें जब कम होने का आदेश आ जाए।

महापौर का स्पष्ट कहना है कि शासन तर से गाजियाबाद का हाउस टैक् स कम होने में समय लगेगा। दूसरी ओर, नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि छूट का लाभ लेने के लिए लोग 31 मार्च से पहले हाउस टैक् स जमा कर दें। यदि बढ़े हुए हाउस टैक् स का फैसला वापस होता है तो बढ़ी हुई धनराशि को आगे समायोजित कर दिया जाएगा।मेरी गाजियाबाद की जनता से अपील है कि वे शासन स् तर से हाउस टैक् स के कम होने के आदेश के आने का इंतजार करें। इसमें थोड़ा समय लगेगा। इसके बाद ही हाउस टैक् स जमा करें। मेयर सुनीता दयाल

200 से 300 प्रतिशत तक हुई बढ़ोत्तरी

दरअसल, हाउस टैक्स विवाद की शुरूआत वर्ष 2024 में हुई थी। उस समय नगर निगम ने टैक्स निर्धारण की पुरानी व्यवस्था को बदलते हुए शासन से नया टैक्स स्लैब पास करा लिया। इसके बाद मार्च 2025 से डीएम सर्किल रेट यानी जमीन की सरकारी कीमत को आधार बनाकर नई दरें लागू कर दी गईं। नई व्यवस्था लागू होने के बाद हाउस टैक्स में 200 से 300 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो गई। जिस फ्लैट का वार्षिक टैक्स पहले तीन से साढ़े तीन हजार रुपये होता था, वह बढ़कर सीधे 20 से 30 हजार रुपये तक पहुंच गया। इससे खासकर मध्यम वर्गीय परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ गया।

शासन स्तर पर रद्द हो चुका है बढ़ा हुआ हाउस टैक्स

इसके बाद 10 मार्च, 2026 को मेयर सुनीता दयाल लखनऊ पहुंचीं और शासन के सामने शहर के लोगों की नाराजगी और आर्थिक बोझ का मुद्दा रखा। चर्चा के बाद शासन ने बढ़ी हुई हाउस टैक्स दरों को

नोएडा आने से डरते थे नेता’, पीएम मोदी का विपक्ष

प्रोजेक्ट सालों तक फाइलों में अटका रहा, उसे डबल इंजन सरकार ने पूरा किया

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले के नेता नोएडा आने से भी डरते थे. उन्होंने कहा कि जो प्रोजेक्ट सालों तक फाइलों में अटका रहा, उसे डबल इंजन सरकार ने पूरा किया. प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया के संकट का जिक्र करते हुए भरोसा दिलाया कि सरकार आम लोगों और किसानों पर बोझ नहीं पड़ने देगी.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के नोएडा में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का शनिवार को उद्घाटन किया. जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश का सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश अब उन राज्यों में शामिल हो गया है जहां कई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट मौजूद हैं. उन्होंने कहा कि इस एयरपोर्ट के शिलान्यास और उद्घाटन दोनों का अवसर उन्हें मिला, लेकिन उन्होंने उद्घाटन का श्रेय जनता को दिया. साथ ही प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर भी निशाना साधा है.

उन्होंने कहा कि जिस उत्तर प्रदेश ने उन्हें स-।ांसद बनाया, उसी प्रदेश की पहचान अब इस भव्य एयरपोर्ट से जुड़ गई है. नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट आगरा, मथुरा, अलीगढ़, गाजियाबाद, मेरठ, इटावा, बुलंदशहर और फरीदाबाद सहित पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश को बड़ा लाभ पहुंचाएगा.

वैश्विक संकट और भारत की तैयारी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज का यह कार्यक्रम भारत के नए मिजाज का प्रतीक है. उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण पूरी दुनिया चिंतित है और कई देशों में खाने-पीने की चीजों, पेट्रोल, डीजल और गैस का संकट पैदा हो गया है.

उन्होंने कहा कि भारत भी बड़ी मात्रा में कच्चा तेल आयात करता है, इसलिए सरकार लगातार ऐसे कदम उठा रही है जिससे आम परिवारों और किसानों पर इस संकट का बोझ न पड़े. उन्होंने भरोसा जताया कि देशवासी मिलकर इस चुनौती का सामना कर रहे हैं.

पुराने समय बनाम आज का बदलाव

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पहले की सरकारों ने नोएडा को ह्लूट का एटीएमह्व बना दिया था, लेकिन आज वही क्षेत्र उत्तर प्रदेश के विकास का इंजन बन चुका है.

उन्होंने कहा कि इस एयरपोर्ट को 2003 में मंजूरी मिल गई थी, लेकिन सालों तक यह फाइलों में दबा रहा. 2014 के बाद और उत्तर प्रदेश में सरकार बदलने के बाद ही इस प्रोजेक्ट को गति मिली और अब यह बनकर तैयार हुआ है.

विपक्ष पर साधा निशाना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा

मवेशियों का जानी दुश्मन बना बाघ, किसान ने यूरिया खिलाकर लिया बदला

महानगर मेट्रो

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से वन्यजीव प्रेमियों को दहला देने वाली खबर आई है। छिंदवाड़ा के देलाखेड़ी क्षेत्र में एक 4 साल की बाघिन की यूरिया खिलाकर हत्या कर दी गई और साक्ष्य मिटाने के लिए उसे जमीन में दफना दिया गया। वन विभाग ने रेडियो कॉलर के सिग्नल गायब होने के बाद सर्च ऑपरेशन चलाया, जिसके बाद सांगा खेड़ा गांव में बाघिन का शव बरामद हुआ।

बैल की मौत का लिया बदला

मामले की जड़ में मानव-वन्यजीव संघर्ष की एक खौफनाक कहानी सामने आई है। डीएफओ साहिल गर्ग की मानें तो, बाघिन ने दो दिन पहले एक बैल का शिकार किया था। बैल के नुकसान से नाराज किसान ने बदला लेने के लिए बैल के अवशेषों पर यूरिया डाल दिया। जब बाघिन दोबारा शिकार खाने लौटी, तो जहर के असर से उसने दम तोड़ दिया। आरोपियों ने इसके बाद बाघिन को पास के एक गड्ढे में दफन कर दिया।

मॉनिटरिंग पर उठे सवाल

इस घटना ने वन विभाग की हाई-टेक निगरानी प्रणाली की पोल खोल दी है। बाघिन के गले में लगा रेडियो कॉलर दो दिन पहले ही बंद हो गया था, लेकिन टीम को उसे खोजने में काफी समय लगा। वाइल्ड लाइफ एक्टिविस्ट अजय दुबे ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि यह सीधे तौर पर मॉनिटरिंग की विफलता है।यह मामला शिकार और लापरवाही का संगम है। जब क्षतिपूर्ति का प्रावधान है, तो किसान को जागरूक क्यों नहीं किया गया? सतपुड़ा में स्थिति अनियंत्रित है और जिम्मेदार अधिकारियों को तुरंत हटाना चाहिए।

-अजय दुबे, वाइल्ड लाइफ एक्टिविस्ट

15 महीनों में 64 बाघों की मौत

मध्यप्रदेश में पिछले 15 महीनों में 64 बाघों की मौत हो चुकी है, जिनमें से 25% का कारण करंट या जहर है। सरकार की नीति के अनुसार मवेशी के शिकार पर तत्काल मुआवजा दिया जाता है, इसके बावजूद जागरूकता की कमी के कारण किसान ऐसे हिंसक कदम उठा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सतपुड़ा में अवैध शिकार और लकड़ी तस्करी पर लगाम लगाने के लिए फील्ड डायरेक्टर स्तर पर जवाबदेही तय होनी चाहिए।

बेटियों को पैर से बांध रातभर छत से उल्टा लटकाया

महाराष्ट्र में हत्यारा पिता गिरफ्तार

महानगर मेट्रो

सांगली। महाराष्ट्र के सांगली जिले से एक हिला देनेवाली खबर सामने आई है। यहां एक पिता ने अपनी 10 और 11 साल की दो बेटियों को पीटा और उन्हें घर की छत से उल्टा लटका दिया। वह बेटियों को ऐसे ही रातभर लटकाए रहा। सुबह तक एक बच्ची की मौत हो गई। दूसरी बच्ची का इलाज अस्पताल में चल रहा है। बच्चियों पर एक रिश्तेदार के घर से पैसे चुराने का संदेह था। में 10 वर्षीय एक लड़की की कथित तौर पर उसके पिता द्वारा उसे घर में उल्टा लटकाकर रखने के बाद मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि लड़की के किसान पिता दादू उर्फ नाना यमगर को पकड़ लिया गया है। पुलिस ने बताया कि यह घटना गुरुवार को तब सामने आई जब दादू अपनी बेटी को लेकर अस्पताल पहुंचा। उसने अस्पताल में डॉक्टर्स को बताया कि उसकी बेटी ऋतुजा बीमार है। जब डॉक्टर्स ने चेक किया तो उन्होंने बताया कि उसकी मौत हो चुकी थी।

डॉक्टर्स ने पुलिस को दी सूचना

डॉक्टर्स को दादू की बातों से कुछ गड़बड़ लगी। उन्होंने सांगली के अतपड़ी तालुका में पुलिस को सूचना दी। ऋतुजा की मौत की सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची। यहां दादू से पूछताछ की गई। उसके बार-बार बयान बदलने के बाद पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

रिश्तेदार के घर रुपये चुराने का आरोप

पुलिस अधिकारी ने बताया की दादू ने अपनी दो बेटियों ऋतुजा और अनुजा के हाथ-पैर बांधकर उन्हें घर की छत के नीचे दीवार पर लगे लोहे के कोण से उल्टा लटका दिया था। वह गुस्से में था क्योंकि उसे शक था कि दोनों लड़कियों ने अतपड़ी के बनपुरी स्थित एक रिश्तेदार के घर से पैसे चुराए थे।

रातभर बच्चियों को लटकाए रखा

पुलिस के अनुसार यमगर के पिता समेत परिवार के अन्य सदस्यों ने बीच-बचाव करने और लड़कियों को बचाने की कोशिश की, लेकिन उसने उन्हें हंसिया से हमला करने की धमकी दी। दोनों लड़कियां पूरी रात उल्टी लटकी रहीं। पुलिस के मुताबिक, ऋतुजा की पानी की गुहार भी उसके दिल को नहीं पिघला पाई। सुबह दोनों लड़कियां बेहोश पाई गईं, जिसके बाद उन्हें नीचे उतारा गया। नाबालिग बहनों को तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन ऋतुजा की हालत बिगड़ गई। पुलिस ने बताया कि पंढरपुर (सोलापुर जिले में) के एक अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि उनकी बहन अनुजा का अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल अधिकारियों द्वारा पुलिस को घटना की सूचना दिए जाने के बाद, लड़कियों के पिता को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस का दावा है कि वह मानसिक रूप से अस्थिर है। पुलिस के अनुसार, यमगर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

महानगर मेट्रो एक्सक्लूसिव: मधु किश्वर के बाद अब सीमा गोविन्द बम!

भाजपा के अंदरूनी कीचड़ का वीडियो वायरल; क्या ये अंत की शुरुआत है?

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली/मुंबई। राजनीति के गलियारों में भूचाल आ गया है। अनुशासन और काडर बेस होने का दम भरने वाली भारतीय जनता पार्टी के भीतर पनप रही कथित गंदगी अब सातवें आसमान पर पहुंच गई है। सोशल मीडिया पर सीमा गोविन्द नाम की महिला का वीडियो किसी 'परमाणु बम' की तरह फटा है, जिसने सत्ता के गलियारों में हड़कंप मचा दिया है। मधु किश्वर के विवादित बयानों की आग अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि इस नए वीडियो ने भाजपा की साख पर बड़े सवालिया निशान लगा दिए हैं।

वीडियो का हर सेकंड खोल रहा है 'सियासी गंदगी' के पन्ने

इस वीडियो को जो भी पूरा सुन रहा है, वह हैरान और परेशान है। वीडियो में दावा किया गया है कि पार्टी के भीतर कुछ ऐसे तत्व पैदा हो गए हैं जो केवल निजी स्वार्थ और 'गंदगी' फैलाने का काम कर रहे हैं।

वीडियो के मुख्य और गंभीर बिंदु:

* भीतरघात और गुटबाजी: पार्टी के पुराने निष्ठावान कार्यकताओं को दरकिनार कर 'पैराशूट' नेताओं को तवज्जो देने के आरोप।

* नैतिकता का पतन: संगठन के भीतर पद और रसूख के नाम पर चल रहे कथित अनैतिक खेल का कच्चा चिट्ठा।

* मधु किश्वर कनेक्शन: चर्चा है कि यदि मधु किश्वर जैसे रसूखदार लोगों पर कड़ा कानूनी शिकंजा नहीं कसा गया, तो ऐसे वीडियो की बाढ़ आ जाएगी जो पार्टी की 'सफेद चादर' पर गहरे दाग लगा देंगे।

कार्यकताओं में अविश्वास: 'सूट-बूट' बनाम 'धरातल'

वीडियो में किए गए खुलासे सीधे तौर पर उस जमीनी कार्यकर्ता के दिल पर चोट कर रहे हैं जो रात-दिन झंडा उठाकर घूमता है। महानगर मेट्रो के सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के भीतर एक बड़ा तबका इस 'डिजिटल गंदगी' से बेहद नाराज है। उनका मानना है कि अगर नेतृत्व ने अभी सफाई नहीं की, तो ये 'गंदगी' पूरे संगठन को निगल जाएगी।

सोशल मीडिया पर जंग: "पूरा वीडियो देखो, तब आंखें खुलेंगी"

वायरल संदेशों में साफ लिखा जा रहा है कि "वीडियो पूरा ही सुनना, तभी असलियत समझ आएगी।" यह इस बात का संकेत है कि वीडियो में कुछ ऐसी बातें हैं जो सीधे तौर पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के लिए असहज स्थिति पैदा कर सकती हैं।

महानगर मेट्रो का कड़ा सवाल:

* क्या मधु किश्वर और सीमा गोविन्द के ये वीडियो महज इत्तेफाक हैं या सुनियोजित विद्रोह?

* क्या भाजपा का 'आईटी सेल' और 'अनुशासन समिति' अब पंगु हो चुकी है?

* अगर इन पर मुकदमा दर्ज नहीं होता, तो क्या हर असंतुष्ट नेता इसी तरह 'वीडियो बम' फोड़कर अपना हिसाब बराबर करेगा?

महानगर मेट्रो की कलम से: जब घर के बर्तन खड़कने लगें और शोर सड़क तक आ जाए, तो समझ लेना चाहिए कि बुनियाद हिल चुकी है। सीमा गोविन्द का यह 'वीडियो बम' केवल एक महिला की आवाज नहीं, बल्कि उस 'गुमनाम आक्रोश' की गूँज है जो सत्ता के अहंकार में अक्सर दबा दी जाती है।

अशोक खरात के बाद एक और स्वयंभू बाबा पर एक्शन...

महानगर मेट्रो

पुणे। महाराष्ट्र के नासिक में इन दिनों अशोक खरात मामला चर्चा में है. अशोक खरात ने महिलाओं को झांसा देकर उनके साथ गलत काम किए थे. इसी तरह पुणे में भी ढोंगी बाबा के कारनामे सामने आए थे. अब पुलिस ने ऋषिकेश वैद्य नाम के स्वयंभू बाबा को पकड़ा है. ऋषिकेश पर आरोप है कि उसने एक महिला के साथ रेप किया था. वह फरार चल रहा था. पुलिस ने उसे पिंपरी से अरेस्ट किया है.महाराष्ट्र के पुणे से सनसनीखेज मामला सामने आया है. यहां खुद को धार्मिक व्यक्ति बताने वाला एक स्वयंभू बाबा महिलाओं को अपने जाल में फंसाकर उनका शोषण करता था. आरोपी की पहचान ऋषिकेश वैद्य के रूप में हुई है, जिसे पुलिस ने पिंपरी इलाके से गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस के मुताबिक, यह मामला एक 35 वर्षीय महिला की शिकायत के बाद सामने आया. पीड़िता ने बताया कि साल 2023 में उसकी पहचान सोशल मीडिया के जरिए आरोपी से हुई थी. बातचीत के दौरान आरोपी ने खुद को भगवान का बड़ा भक्त बताया और पूजा-

पाठ सिखाने के नाम पर धीरे-धीरे उसका विश्वास जीत लिया. विश्वास में लेने के बाद आरोपी ने महिला को पुणे के मांजरी इलाके के एक लॉज में बुलाया. वहां उसने कथित तौर पर महिला को नशीला पदार्थ दिया और उस-के साथ रेप किया. घटना के बाद महिला को आरोपी की असलियत का पता चला, जिसके बाद उसने हिम्मत जुटाकर शि-ाकायत दर्ज कराई. पीड़िता ने श-ुरूआत में वसई के माणिकपुर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया था, जिसे बाद में पुणे के हडपसर पुलिस स्टेशन में ट्रांसफर कर दिया गया. मामला दर्ज होने के बाद आरोपी फरार हो गया था और लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था. जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी पिंपरी इलाके में छिपा हुआ है. इसके बाद स्थानीय पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए जाल बिछाया और उसे गिरफ्तार कर लिया. पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या उसने इसी तरह और भी महिलाओं को अपना शिकार बनाया है. पुलिस ने बताया कि महाराष्ट्र के पालघर जिले के स्वयंभू बाबा को पुणे में पकड़ा गया है. उस पर आरोप है कि उसने 35 साल की एक महिला के साथ रेप किया था. महिला ने पुलिस से की गई शिकायत में कहा कि आरोपी पालघर में एक सामाजिक संस्था चलाता है. उसने घटना के समय तस्वीरें खींच ली थीं, उन तस्वीरों को लेकर वह ब्लैकमेल करने लगा था. वहीं वैद्य ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया है और दावा किया है कि उसके खिलाफ झूठा केस दर्ज किया गया है.

पीएम मोदी की मिमिक्री करने पर शिक्षक का निलंबन रद्द

ग्वालियर हाईकोर्ट ने अफसरों को लगाई कड़ी फटकार

महानगर मेट्रो

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिमिक्री करने वाले एक सरकारी शिक्षक को ग्वालियर हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने शिक्षक साकेत पुरोहित के निलंबन आदेश पर रोक लगाते हुए टिप्पणी की कि 'अधिकारियों को केवल अपने अधिकार क्षेत्र या बाहरी दबाव के आधार पर बिना सोचे-समझे कार्रवाई नहीं करनी चाहिए।'

रील बनाई और अगले ही दिन गिर गई गाज

मामला 12 मार्च का है, जब पोहरी विकासखंड में पदस्थ शिक्षक साकेत पुरोहित ने गैस संकट पर पीएम की मिमिक्री करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर डाला था। इस वीडियो के वायरल होते ही पिछोर विधायक प्रीतम लोधी की शिकायत पर जिला शिक्षा अधिकारी ने महज 24 घंटे के भीतर शिक्षक को निलंबित कर दिया। आदेश में तर्क दिया गया कि इससे विभाग की छवि खराब हुई है। निलंबन एक गंभीर कदम है। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे किसी के दबाव में काम करने के बजाय तथ्यों और नियमों के आधार पर निर्णय लें।" — ग्वालियर हाईकोर्ट

अधिकारी रबर स्टैंप नहीं

शिक्षक की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने प्रशासन की जल्दबाजी पर सवाल उठाए।

कोर्ट ने साफ किया कि:

विवेक का इस्तेमाल: निलंबन की शक्ति का उपयोग तार्किक आधार पर होना चाहिए, न कि नियमित प्रक्रिया के तौर पर।

राजनीतिक दबाव: केवल किसी जनप्रतिनिधि या विधायक की शि-ाकायत पर बिना जांच के कार्रवाई करना गलत है।

गंभीरता का अभाव: निलंबन तब अनिवार्य होता है जब आरोप बहुत गंभीर हों या कर्मचारी जांच को प्रभावित कर सकता हो, जो इस मामले में नहीं दिखा।

राजनीतिक रूप से प्रेरित कार्रवाई यह मामला प्रशासनिक कार्यप्रणाली और राजनीतिक द्वेष के बीच के टकराव को दशार्ता है।

कोर्ट के संज्ञान में यह बात भी लाई गई कि शिकायत में शिक्षक को 'कांग्रेसी मानसिकता' का बताया गया था, जिससे साफ होता है कि कार्रवाई राजनीतिक रूप से प्रेरित थी। यह फैसला सरकारी कर्मचारियों के लिए नजीर बनेगा कि सोशल मीडिया पर व्यंग्य या मिमिक्री करना सीधे तौर पर कदाचार की श्रेणी में तब तक नहीं आता जब तक कि वह पद की गरिमा को गंभीर क्षति न पहुंचाए।

लॉकडाउन की अफवाह फैलानेवालों पर होगा फौजदारी का केस, महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस ने दी वॉर्निंग

महानगर मेट्रो

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने चेतावनी देते हुए कहा कि महाराष्ट्र में पेट्रोल, डीजल का एक महीने का स्टॉक है। इसको लेकर वॉट्सऐप, सोशल मीडिया पर लॉकडाउन की झूठी अफवाह फैलाने वालों पर फौजदारी का मामला दर्ज किया जाएगा। मुंबई में सीएम ने कहा कि सोशल मीडिया पर यह अफवाह फैलाई जा रही है कि कोराना की तरह लॉक डाउन लगाने की तैयारी है, इससे लोगों में बेचैनी की स्थिति है। अगर कोई यह अफवाह फैलाता है कि देश में लॉकडाउन लगेगा, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सीएम फडणवीस ने कहा कि केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा। अगर ऐसा कोई फेक मेसेज वॉट्सऐप, ट्विटर पर फॉरवर्ड भी किया जाता है, तो वह क्राइम होगा। इसलिए कोई भी झूठी अफवाह न फैलाए, नहीं तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

श्रीलंका और बांग्लादेश का बुरा हाल

फडणवीस ने कहा कि भारत के आस-पास के देशों पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश में लगभग शटडाउन जैसी स्थिति है। ऐसी स्थिति में भी भारत में घरेलू गैस की कोई कमी नहीं है। भारत ने स्थिरता बनाए रखी है। इसलिए ग्राहकों को अफवाहों के आधार पर पेट्रोल और डीजल के लिए लाइन में नहीं लगना चाहिए। हमारे पास एक महीने तक चलनेके लिए पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक है।

भारत सरकार ने लोगों को दी बड़ी राहत

मिडिल ईस्ट में जारी जंग के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने की आशंका के बीच

भारत सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती करने का निर्णय उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देने वाला है। केंद्र सरकार ने पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 13 रुपये से घटाकर 3 रुपये कर दी गई है। जबकि डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 10 रुपये से घटाकर जीरो कर दी गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का वित्तीय बोझ आम नागरिक पर न पड़े।

बॉम्बे हाईकोर्ट के जज से ठग लिए थे 6 लाख, मुंबई पुलिस ने आरोपी को जामताड़ा से पकड़ा

महानगर मेट्रो

मुंबई। साइबर ठगों ने बॉम्बे हाईकोर्ट के जज को निशाना बनाते हुए 6.02 लाख रुपये की ठगी कर ली थी. फर्जी कस्टमर केयर नंबर और फिशिंग ऐप के जरिए इस वारदात को अंजाम दिया गया था. अब कफ परेड पुलिस ने एक्शन लेते हुए जामताड़ा से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जो कई राज्यों में दर्ज दर्जनों मामलों से जुड़ा बताया जा रहा है. बॉम्बे हाईकोर्ट के जज के साथ साइबर ठगी करने वाले आरोपी को मुंबई की कफ परेड पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. इस मामले की शिकायत के आधार पर जामताड़ा से 25 साल के आरोपी को पकड़ा गया है. पुलिस का कहना है कि आरोपी ने फर्जी कस्टमर केयर नंबर बनाया गया, इसके बाद फिशिंग ऐप भेजकर पैसे हड़प लिए गए. पुलिस के मुताबिक, सुनियोजित तरीके से क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड पॉइंट्स घोटाले के जरिए लगभग 6.02 लाख रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में यह गिरफ्तारी हुई है. आरोपी की पहचान मजहर आलम इसराइल मियां के रूप में हुई है, जो झा-रखंड के जामताड़ा का रहने वाला है. मुंबई की कफ परेड पुलिस ने जामताड़ा साइबर सेल और करमाटांड़ पुलिस की मदद से उसे गिरफ्तार किया.

जांचकताओं ने कहा कि मियां कोई छोटा-मोटा अपराधी नहीं है, बल्कि वह कथित तौर पर 10 राज्यों में दर्ज कम से कम 36 मामलों से जुड़ा हुआ है. पुलिस ने कहा कि ठगी की घटना 28 फरवरी को शुरू हुई, जब जज ने अपने क्रेडिट कार्ड के रिवॉर्ड पॉ-इंट्स रिडीम करने के लिए बैंक के कस्टमर केयर से संपर्क करने की कोशिश की. आधिकारिक हेल्पलाइन व्यस्त होने के कारण उन्होंने इंटरनेट का सहारा लिया था. उन्हें जो नंबर मिला, वह साइबर अपराधियों द्वारा बनाया गया फर्जी हेल्पलाइन नंबर था. पुलिस ने कहा कि जब इस तरह के नंबर डायल करते हैं तो साइबर ठग एक एपीके फाइल भेजते हैं, उस नंबर पर कॉल करने के बाद जज को 18एमबी का एक एप्लिकेशन डाउनलोड करने के लिए वॉट्सएप पर लिंक मिला था. जब फाइल उनके आईफोन पर नहीं खुली तो कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव बनकर बात कर रहे ठगों ने उन्हें एंड्रॉयड डिवाइस का इस्तेमाल करने को कहा था.

एंड्रॉयड में सिम डालकर भरी थी डिटेल

कॉल पर बात कर रहे व्यक्ति पर भरोसा करते हुए जज ने अपना सिम हाउसहेल्प के एंड्रॉयड फोन में डाला और एप्लिकेशन डाउनलोड कर लिया. इसके बाद उन्होंने एप्लिकेशन में क्रेडिट क-ार्ड डिटेल्स डाले, ताकि क्रेडिट पॉइंट रिडीम हो सकें, तो उनके क्रेडिट कार्ड से 6 लाख रुपए ट्रांसफर कर लिए गए. धोखाधड़ी के बारे में पता चलते ही तुरंत जज ने मुंबई पुलिस के पास शि-ाकायत दर्ज कराई. पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की और करीब 10 दिनों की मशक्कत के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया.

बेटा जूते तो पहन जाता, बिलख रही मां, नाना की चिता पर ही नाथी का अंतिम संस्कार

महानगर मेट्रो

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के उमरानाला मे हुए भीषण बस हादसे ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। इस हादसे मे जान गंवाने वाले शिवनगर कॉलोनी के 5 वर्षीय मासूम वंश और उसके नाना कमल उर्फ खेमराज डेहरिया की कहानी ने हर किसी को भावुक कर दिया। परिवार ने सदियों पुरानी परंपरा को तोड़ते हुए मासूम बच्चे को दफनाने के बजाय उसके नाना की चिता पर ही मुखाग्नि दी, ताकि जीवन भर साथ रहने वाली यह जोड़ी मौत के बाद भी जुदा न हो। गुरुवार शाम पेशे से ड्रा-इवर खेमराज डेहरिया अपनी

ड्यूटी के बाद घर लौटे थे। उन्हें कुछ ग्रामीणों को छोड़ने फिर से निकलना था। इसी बीच 5 साल के वंश ने अपने नाना के साथ जाने की जिद पकड़ ली। मां निकिता ने उसे रोकने की कोशिश की, उसे मंदिर ले जाने का लालच दिया, यहाँ तक कि उसे जूते पहनने का मौका भी नही मिला, लेकिन वह नाना की परछाई बनकर उनके साथ बस मे सवार हो गया। किसी को अंदाजा नही था कि यह उनका आखिरी सफर साबित होगा। मैंने उसे बहुत रोका था, मंदिर चलने को कहा था, उसने तो जूते भी नही पहने थे... पर पापा उसे साथ ले गए। क्या पता था कि अब वे कभी नही लौटेंगे।

आमतौर पर हिंदू धर्म मे छोटे बच्चो के शव को दफनाने की परंपरा है। लेकिन डेहरिया परिवार के मुखिया मोहन डेहरिया ने एक साहसी और भावुक फैसला लिया। उन्होंने कहा कि जब दोनों एक-दूसरे के बिना एक पल नही रहते थे, तो अंतिम विदाई अलग-अलग क्यों दी जाए? इसी सोच के साथ नाना के बगल मे ही मासूम की चिता सजाई गई।

कविता

गर्मी की छुट्टियाँ

आराम करेंगी किताब, कॉपियाँ,
जब आएँगी गर्मी की छुट्टियाँ।
रोज पार्क में सैर करेंगे,
घर के अंदर भी खेला करेंगे।
कैम्पा, आइसक्रीम और कुल्फी,
मस्ती भरी ये गर्मी की छुट्टी।
खूब खेलेंगे डंडा और गुल्ली,
आएँगी जब गर्मी की छुट्टी।

मेरी बिल्ली

मेरी बिल्ली, काली-पीली,
बारिश से हो गई वो गीली।
गीली होकर लगी काँपने,
छींकी, छींकी लगी छींकने।
मैं फिर बोला, 'कुछ तो सीखो,
बिन रूमाल के कभी न छींक।'

गलत दोस्ती की संगत में ना पड़ जाए बच्चा, जरूर बता दें फ्रेंडशिप से जुड़ी ये बातें

10-12 साल के बढ़ते हुए बच्चे की परवरिश कई बार मुश्किल हो जाती है। इंटरनेट और सोशल मीडिया के जमाने में बच्चे उम्र से पहले की कई सारी चीजें एक्स्प्लोर करते हैं। वहीं नए-नए बन रहे दोस्त आपस में आधा-अधूरा ज्ञान बांट कर गलत रास्ते पर चलने लगते हैं। ऐसे में पैरेंट्स के लिए बच्चों को सही-गलत की राह दिखाना मुश्किल हो जाता है। बच्चे को किसी गलत रास्ते पर जाने से रोकना है तो पहले तो उसकी संगत यानी फ्रेंडशिप को जरूर परखें। बच्चे को सिखाएं कि किस तरह के लोगों से दोस्ती नहीं करनी है और किससे नहीं। इस काम में करेंगी आपकी ये 7 बातें, बच्चे को सिखाएं कि इन लोगों के साथ भूलकर भी दोस्ती नहीं करनी चाहिए।

बच्चे को समझाएं कि अगर उसका दोस्त बोलता है कि तुझे ये करना ही पड़ेगा तो समझ लेना कि ये इमोशनल प्रेशर दोस्ती नहीं बल्कि मैनीपुलेशन है।

अगर कोई दोस्त पढ़ने वाले बच्चे को 'बोरिंग' या 'टीचर का चमचा' बोले, तो समझ लेना कि वह तुम्हारी ग्रोथ नहीं चाहता। ऐसे दोस्त से दूर रहना चाहिए।

अगर तुम अपने दोस्त के साथ रहकर बदलने लगे हो, तुम्हें अब ज्यादा गुस्सा आने लगा है, तुम अक्सर रूल्स तोड़ रहे हो या ज्यादा झूठ बोल रहे हो, तो ये हेल्दी दोस्ती नही है। दोस्ती होने पर इंसान में ऐसे बदलाव नहीं आने चाहिए।

कोई ऐसा दोस्त जो तुम्हारे ना बोलने पर भी उसकी वैल्यू नहीं करता या तुम्हारी सेट बाउंड्रीज को हमेशा इग्नोर करता है तो ऐसे दोस्त भी तुम्हारे लिए सही नही है।

अपने बच्चे को समझाएं को जो दोस्त गलत होंगे वो हमेशा तुमसे वहीं चीज करने को बोलेंगे जो तुम नहीं करना चाहते। एक अच्छे दोस्त की तरह वो तुम्हारे कंफर्ट की वैल्यू नहीं करेंगे।

कोई दोस्त तुमसे कहे कि 'ये बात घर पर मत बताना' तो सिग्नल है कि वो दोस्त तुम्हारा अच्छा नही है। अच्छी दोस्ती में कभी घर से कुछ नही छिपाना पड़ता।

अगर कोई दोस्त किसी भी गलत काम को कूल बताता है, जैसे किसी का मजाक उड़ाना, रूल्स तोड़ना, झूठ बोलना तो ये दोस्त तुम्हें गलत रास्ते पर ले जा रहा है। ऐसे दोस्त के साथ दोस्ती ठीक नही है। ये गलत दोस्ती है।

नाव

जल्दी-जल्दी दौड़कर आओ,
रंग-बिरंगे कागज़ लाओ।

सुंदर-सी एक नाव बनाकर,
मिल-जुलकर उसको तैराओ।

खूब तेज चलती ये नाव,
कभी न थकती अपनी नाव।
आगे-आगे बढ़ती जाती,
पार हमें ले जाती नाव।

हाथी राजा हाथी राजा,
बहुत बड़े।
सूँड हिलाते कहाँ चले?
पूँछ हिलाते कहाँ चले?
गन्ना खाते कहाँ चले?

मेरे घर आ जाओ ना।
हलवा-पूड़ी खाओ ना।
आओ, बैठो कुर्सी पर,
कुर्सी बोली, चटर-पटर।

एक चिड़िया के बच्चे चार,
घर से निकले पंख पसार।

पूरब से पश्चिम को जाएँ,
उत्तर से फिर दक्षिण आएँ।
घूम-टहल जब घर को आएँ,
मम्मी को एक बात सुनाएँ।

देख लिया हमने जग सारा,
अपना घर है सबसे प्यारा।

6 से 12 महीने के बच्चे की डायट में कब और कैसे शामिल करें मसाले, एक टिप खूब आएगी काम

बच्चा जैसे ही खाना शुरू करता है वैसे ही पेरेंट्स इस बात को लेकर कंफ्यूज हो जाते हैं कि बेबी की डायट में मसालों को कैसे शामिल करें। ऐसे में यहां जानिए कि कब और कैसे बच्चे की डायट में मसालों को शामिल करें।

6 से 12 महीने के बच्चे की डायट में कब और कैसे शामिल करें मसाले, एक टिप खूब आएगी काम

सभी पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा सेहतमंद हो और हमेशा स्वस्थ रहे। बच्चे के जनम से लेकर 6 महीने पूरे होने तक बेबी को सिर्फ मां का दूध देने की सलाह दी जाती है। लेकिन 6 महीने पूरे होते ही डॉक्टर की सलाह के बाद अलग-अलग चीजें खिलाना शुरू कर देना चाहिए। शुरुआत में मैश की हुई दाल, सब्जी खिला सकते हैं। जैसे बच्चा बड़ा होता है और टेस्ट डेवलप कर लेता है तो आप उसे सभी चीजें खिला सकते हैं। बहुत से पेरेंट्स इस दौरान एक बात को लेकर सबसे ज्यादा चिंतित होते हैं वह है कि बच्चे की डायट में कब और कैसे मसालों को शामिल करें। डॉक्टर बच्चे को एक साल तक नमक देने और दो साल तक चीनी देने के लिए मना करते हैं लेकिन बाकी मसालों का क्या? यहां जानिए बच्चों के खाने में कब और कैसे शामिल करें मसाले।

6-7 महीने का बच्चा

बच्चा जब खाना शुरू कर देता है तो उसे हल्का और आसानी से पचने वाली चीजों को ही खिलाना चाहिए। हल्दी, जीरा, अदरक, सौंफ जैसी चीजों को प्यूरी, दाल, खिचड़ी, दलिया या ओट्स में थोड़ी मात्रा में डालकर खिला सकते हैं।

7-8 महीने का बच्चा

7 से 8 महीने के बच्चे को हल्की खुशबू वाली चीजें जैसे इलायची, जायफल, अजवायन, धनिया दे सकते हैं। ये सभी चीजें आप खीर, सूजी, ओट्स, मैश किए हुए फल और सूप में दे सकते हैं।

8-9 महीने का बच्चा

प्राकृतिक स्वाद वाली चीजें जैसे तेज पत्ता और लौंग को सूप या सब्जी प्यूरी में दे सकते हैं। हालांकि मात्रा बहुत कम होनी चाहिए।

9-10 महीने का बच्चा

9 से 10 महीने के बच्चे को दही या छाछ में पुदीना, दाल या मैश की हुई सब्जियों में उबला या भुना हुआ लहसुन और खिचड़ी या उपमा में सरसों के दानों का हल्का तड़का लगा सकते है।

10-12 महीने का बच्चा

पाचन के लिए दाल या सूप में एक चुटकी हींग डालें और रोटी या दाल में भिगोई हुई मेथी डालें। इससे खाने का स्वाद बढ़ जाएगा और बच्चे का टेस्ट भी डेवलप होगा।

टिप- बच्चे की डायट में खाने को धीरे-धीरे शुरू करें, शुरुआत में सिर्फ चुटकी भर मसाले शामिल करें। कोई भी नया मसाला डालने से पहले 3-5 दिन तक इंतजार करें। इसके अलावा मिर्च, गरम मसाला, नमक और चीनी को कम से कम एक साल तक अवॉइड करें।

चालाक भेड़िया और भोलू मेमने की नादानी

कहानी

भारत की सुंदर पहाड़ियों के बीच 'हरियाली वन' नाम का एक बहुत ही खूबसूरत जंगल था। इस जंगल के किनारे एक बड़ा सा घास का मैदान था, जहाँ गाँव के जानवर रोज़ चरने आते थे। उसी मैदान में भेड़ों का एक बड़ा सा झुंड रहता था। इस झुंड की रखवाली की ज़िम्मेदारी 'मोती' नाम के एक बहुत ही बहादुर और वफादार शिकारी कुत्ते पर थी।

मोती इतना सतर्क और ताकतवर था कि उसकी मौजूदगी में कोई भी जंगली जानवर भेड़ों की तरफ आँख उठाकर भी नहीं देख सकता था। लेकिन उसी जंगल की एक अंधेरी गुफा में 'भैरव' नाम का एक भेड़िया रहता था।

भैरव बहुत ही खूंखार और लालची था। लेकिन ताकत से ज़्यादा वह अपनी चालाकी के लिए जाना जाता था। वह एक चालाक भेड़िया था जो हमेशा सीधे-सादे जानवरों को अपनी बातों के जाल में फंसाकर अपना शिकार बनाता था। कई दिनों से भैरव की नज़र भेड़ों के उस ताजे और मोटे झुंड पर थी, लेकिन मोती के डर से वह पास नहीं जा पा रहा था।

भोलू की नादानी और भेड़िये की नज़र

भेड़ों के उसी झुंड में 'भोलू' नाम का एक छोटा सा मेमना था। भोलू देखने में रुई के गोले जैसा सफेद और प्यारा था, लेकिन वह बहुत ही चंचल और नादान था। उसे हमेशा नई-नई चीजें देखने का शौक था। मोती काका उसे हमेशा समझाते थे, 'भोलू बेटा, कभी भी झुंड से दूर मत जाना और जंगल के अनजान जानवरों से बात मत करना।'

लेकिन भोलू सोचता था, 'मोती काका तो बस मुझे डराते रहते हैं। जंगल के जानवर भी तो हमारे जैसे ही होते हैं, भला वे मुझे क्यों नुकसान पहुँचाएंगे?'

एक दिन दोपहर के समय, जब मोती काका एक पेड़ के नीचे सुस्ता रहे थे और सारी भेड़ें घास चरने में मगन थीं, भोलू एक रंग-बिरंगी तितली के पीछे भागते-भागते जंगल के किनारे तक पहुँच गया।

वहाँ झाड़ियों के पीछे छिपा चालाक भेड़िया भैरव कई दिनों से इसी मौके की तलाश में था। भोलू को अकेला देखकर उसके मुँह में पानी आ गया। लेकिन उसे पता था कि अगर उसने भोलू पर झपट्टा मारा, तो भोलू चिल्लाएगा और मोती काका तुरंत जाग जाएंगे। इसलिए भैरव ने अपनी चालाकी का इस्तेमाल करने का फैसला किया।

'साधु' भेड़िये का ढोंग और मीठी बातें

भैरव ने अपने गले में कुछ जंगली फूलों की माला पहन ली और अपनी लाल आँखों को झुकाकर बहुत ही शांत और शरीफ बनने का नाटक किया। वह धीरे-धीरे झाड़ियों से बाहर आया और घास खाने की एक्टिंग करने लगा।

भोलू ने जब एक विशाल भेड़िये को घास खाते देखा, तो वह हैरान रह गया। 'अरे! आप तो एक भेड़िये हैं न? क्या भेड़िये भी घास खाते हैं?' भोलू ने मासूमियत से पूछा।

भैरव ने एक लंबी और गहरी सांस ली और बहुत ही मीठी आवाज़ में बोला, 'हाँ बेटा, मैं भेड़िया तो हूँ, लेकिन मैंने अब मांस खाना छोड़ दिया है। मैंने संन्यास ले लिया है और अब मैं सिर्फ हरी घास और मीठे फल खाता हूँ। मुझे किसी से कोई बैर नहीं है।'

भोलू को यह सुनकर बड़ा आश्चर्य हुआ। उसे लगा कि यह भेड़िया तो बहुत अच्छा है। यह एक ऐसी प्रेरणादायक कहानी जैसी बात लग रही थी, जहाँ एक बुरे जानवर ने अच्छाई का रास्ता चुन लिया हो।

भैरव ने अपनी चाल को आगे बढ़ाते हुए कहा, 'बेटा भोलू, तुम यहाँ जो घास खा रहे हो, वह तो सूखी और बेस्वाद है। क्या तुम्हें पता है कि इस जंगल के थोड़ा सा अंदर 'सुनहरी घास' का एक बहुत बड़ा मैदान है? वह घास शहद से भी ज्यादा मीठी होती है। अगर तुम चाहो, तो मैं तुम्हें वह जगह दिखा सकता हूँ।'

लालच का फंदा और जंगल की ओर कदम

मीठी और 'सुनहरी घास' का नाम सुनते ही भोलू के मुँह में पानी आ गया। उसे मोती काका की चेतावनी याद आई, लेकिन चालाक भेड़िया की मीठी बातों ने उसके दिमाग पर लालच का पर्दा डाल दिया था।

भोलू ने सोचा, 'यह भेड़िया तो संत बन गया है, यह मेरा क्या बिगाड़ेगा? बस थोड़ी सी मीठी घास खाकर मैं वापस आ जाऊँगा, किसी को पता भी नहीं चलेगा।'

भोलू ने हामी भर दी और भैरव के पीछे-पीछे घने जंगल की ओर चल पड़ा। जैसे-जैसे वे जंगल के अंदर जा रहे थे, रोशनी कम हो रही थी और डरावनी आवाज़ें आ रही थीं। भोलू को थोड़ा डर लगने लगा। 'भेड़िये अंकल, वह मीठी घास का मैदान

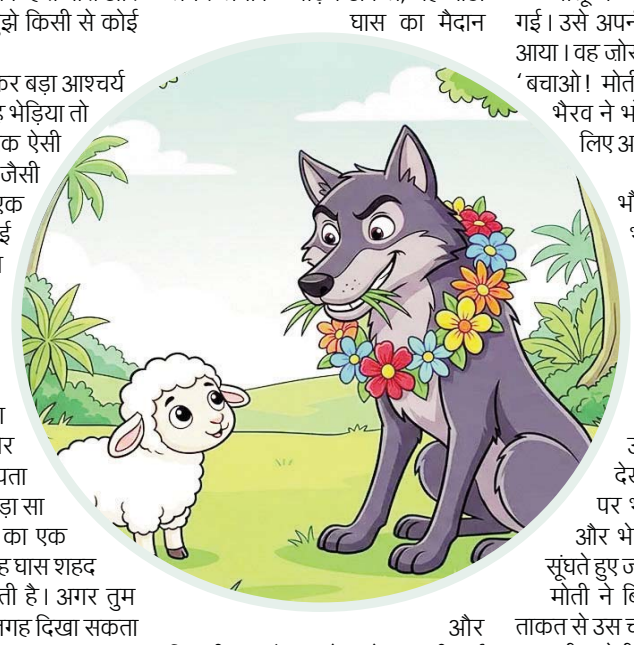

और कितनी दूर है?' भोलू ने कांपती हुई आवाज़ में पूछा।

भैरव की चाल अब बदल चुकी थी। वह एक पुरानी और सुनसान गुफा के पास रुक गया। उसने अपने गले की फूलों की माला तोड़कर फेंक दी और पलटकर भोलू को देखा। अब उसकी आँखों में शराफत नहीं, बल्कि खूंखार भूख चमक रही थी।

भेड़िये का असली रूप और मोती काका का साहस

भैरव ज़ोर से हँसा और अपने नुकीले दांत दिखाते हुए बोला, 'हा-हा-हा! मूर्ख मेमने! दुनिया में कोई भेड़िया घास नहीं खाता। तूने मेरी बातों पर विश्वास करके अपनी मौत को खुद बुलावा दिया है। अब तू मेरा आज का स्वादिष्ट भोजन बनेगा!'

भोलू के पैरों तले ज़मीन खिसक गई। उसे अपनी नादानी पर बहुत रोना आया। वह ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाने लगा, 'बचाओ! मोती काका मुझे बचाओ!'

भैरव ने भोलू पर छलांग लगाने के लिए अपने पंजे उठाए।

लेकिन तभी... भौ-भौ-भौ! एक ज़ोरदार और भयानक गर्जना पूरे जंगल में गूँज उठी।

झाड़ियों को चीरता हुआ मोती काका तीर की तरह वहाँ पहुँच गया। असल में, जब मोती की नींद खुली और उसने भोलू को झुंड में नहीं देखा, तो वह तुरंत जमीन पर भोलू के छोटे-छोटे खुरों और भेड़िये के पंजों के निशान सूंघते हुए जंगल में आ गया था।

मोती ने बिना एक पल गंवाए पूरी ताकत से उस चालाक भेड़िया पर छलांग लगा दी। मोती के तीखे दांत भैरव की गर्दन के पास गड़ गए। भैरव ने इस अचानक हुए हमले की उम्मीद नहीं की थी। दोनों के बीच भयंकर लड़ाई शुरू हो गई।

जीत और जीवन की सबसे बड़ी सीख

भैरव समझ गया कि वह मोती के गुस्से और ताकत का सामना नहीं कर सकता। अपनी जान बचाने के लिए उसने मोती को एक धक्का दिया और अपनी पूंछ दबाकर जंगल के अंधेरे में भाग खड़ा हुआ।

मोती काका हाँफते हुए भोलू के पास आए। भोलू डर के मारे कांप रहा था और रो रहा था। उसने मोती काका के पैर पकड़ लिए और कहा, 'मुझे माफ़ कर दीजिए काका। मैंने आपकी बात नहीं मानी। उस भेड़िये ने मुझसे झूठ बोला कि वह शाकाहारी हो गया है। मुझे लगा कि वह मेरी दोस्ती करना चाहता है।'

मोती काका ने भोलू को प्यार से सहलाया और समझाया, 'बेटा, शक्ल से भले दिखने वाले सब लोग अच्छे नहीं होते। दुश्मन हमेशा मीठी-मीठी बातें करके ही अपने जाल में फंसाते हैं। लोटपोट की हिंदी कहानियां भी हमें यही सिखाती हैं कि अनजान लोगों पर कभी भी आँख मूंदकर भरोसा नहीं करना चाहिए।'

उस दिन के बाद से भोलू ने कभी भी मोती काका की बात नहीं टाली और वह हमेशा अपने झुंड के बीच ही सुरक्षित रहने लगा।

इस कहानी से सीख

अजनबी पर भरोसा न करें: अनजान व्यक्ति चाहे कितनी भी मीठी बातें करे, उस पर कभी भी तुरंत भरोसा नहीं करना चाहिए।

बड़ों की बात मानें: घर के बड़े और माता-पिता जो भी चेतावनी देते हैं, वह हमारी सुरक्षा के लिए होती है, उसे कभी अनसुना न करें।

दिखावे से बचें: जो इंसान बाहर से जितना शरीफ और मीठा बनने का नाटक करता है, कभी-कभी वह अंदर से उतना ही चालाक और खतरनाक हो सकता है।

रुपया रिकॉर्ड गिरावट पर, विदेशी भंडार का पहरा आरबीआई संभालेगा

विदेशी दबाव और निवेशक आउटफ्लो के चलते आरबीआई का आर्थिक संतुलन चुनौतीपूर्ण

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इस समय ऐतिहासिक चुनौती का सामना कर रहा है। ईरान और इजराइल के बीच युद्ध, वैश्विक तेल की बढ़ती कीमतें और विदेशी निवेशकों के अचानक अरबों डॉलर की निकासी ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा दिया है। रुपये की गिरावट रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुकी है, वहीं विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखना भी अनिवार्य हो गया है। आम आदमी की जेब, उद्योग और सरकार–सब इस अस्थिरता से सीधे प्रभावित हैं। आरबीआई के सामने दो विकल्प हैं- या तो रुपये को स्थिर रखें, जिससे घरेलू नकदी और ब्याज दरों पर असर पड़ेगा, या विदेशी मुद्रा भंडार की रक्षा करें, जिससे रुपये में गिरावट आ सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा परिस्थितियों में आरबीआई शायद रुपये की कुछ कमजोरी सहन करके विदेशी मुद्रा भंडार को प्राथमिकता देगा, ताकि लंबी अवधि में देश की आर्थिक स्थिरता सुरक्षित रह सके। ईरान और इजराइल के बीच युद्ध और वैश्विक तेल की बढ़ती कीमतों ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर अप्रत्याशित दबाव डाला है। विदेशी निवेशकों ने मार्च में 12.1 अरब डॉलर निकाल लिए, जो एक महीने में अब तक का सबसे बड़ा आउटफ्लो है। इस वजह से रुपये की गिरावट 74 के स्तर तक पहुंच गई, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को विदेशी मुद्रा भंडार और रुपये की स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखना मुश्किल हो गया है। भारत के कुल विदेशी मुद्रा भंडार 13 मार्च तक 710 अरब डॉलर था, जिसमें मुख्य रूप से विदेशी मुद्राएं, सोना, विशेष निकासी सुविधा (एसडीआर) और आईएमएफ में विशेष ट्रेंच पोजिशन शामिल हैं। सोना लगभग कभी बेचा नहीं गया और एसडीआर या ट्रेंच पोजिशन की सीमा सीमित है। इसका मतलब यह है कि वास्तविक तौर पर आरबीआई के पास विदेशी मुद्राओं का मुख्य भंडार ही इस्तेमाल करने योग्य है। आरबीआई के पास रुपये की गिरावट को रोकने के दो विकल्प हैं। पहला, हाजिर बाजार में विदेशी मुद्रा बेचकर रुपये को खरीदना, जिससे रुपये की कीमत स्थिर हो सकती है लेकिन घरेलू नकदी कम हो जाएगी और ब्याज दरों में वृद्धि का खतरा बढ़ेगा। दूसरा, फॉरवर्ड या फ्यूचर मार्केट में मुद्रा बेचना, जिससे रुपये की गिरावट रोकी जा सकती है और ब्याज दरों पर असर नहीं पड़ेगा। जनवरी से अब तक आरबीआई ने लगभग 68 अरब डॉलर फॉरवर्ड मार्केट में बेचे, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 500 अरब डॉलर तक घट गया। हालांकि रुपये की गिरावट आम आदमी और उद्योग दोनों पर असर डालती है, लेकिन वर्तमान वैश्विक अस्थिरता और उच्च आयात बिल के दबाव में आरबीआई के लिए विदेशी मुद्रा भंडार को बचाए रखना अहम हो गया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि रुपये की गिरावट अभी 97 तक जा सकती है। इसलिए, आरबीआई संभवतः रुपये की कुछ गिरावट सहन कर विदेशी मुद्रा भंडार को प्राथमिकता देगा। इस स्थिति में रुपये में गिरावट का सीधा असर आम आदमी की जेब पर दिखाई देगा। ईंधन, आयातित वस्तुएं और महंगाई बढ़ सकती है। वहीं यदि आरबीआई विदेशी मुद्रा भंडार की रक्षा में सफल रहता है, तो देश लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय भुगतान और आयात बिल की जरूरतों को पूरा कर सकेगा।

लंबी ट्रिप के लिए सुरक्षित और आरामदायक हैं ये 5 दमदार एसयूवी

नई दिल्ली ।

लंबी दूरी और अनजान रास्तों पर भरोसेमंद गाड़ी होना सबसे जरूरी होता है। होंडा एलीवेट अपनी मजबूत इंजीनियरिंग और भरोसेमंद 1.5-लीटर आई-वीटेक पेट्रोल इंजन के लिए जानी जाती है। इसकी केबिन आरामदायक और ड्राइव स्मूथ है, जिससे लंबी दूरी का सफर आसान हो जाता है। टोयोटा फॉर्च्यूनर फुल-साइज एसयूवी में 2.8-लीटर डीजल इंजन और 4×4 विकल्प है, जो दुर्गम रास्तों और कीचड़ वाले इलाके में भी बेहतरीन प्रदर्शन देती है। इसुजु एमयू-एक्स में 1.9-लीटर टर्बोचार्ज्ड डीजल इंजन है। इसकी मजबूती इसे कठिन रास्तों के लिए आदर्श बनाती है। 4गुणा 2 और 4गुणा4 विकल्प लंबी ट्रिप में सुरक्षा और नियंत्रण सुनिश्चित करते हैं।

ईंधन बचाने वाली 5 पेट्रोल-हाइब्रिड कारें बाजार में उपलब्ध

नई दिल्ली ।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच अब बाजार में पेट्रोल-हाइब्रिड कारें आ चुकी हैं, जो माइलेज के मामले में डीजल को भी टक्कर देती हैं। इनमें पेट्रोल इंजन के साथ स्मार्ट इलेक्ट्रिक मोटर होती है, जो ईंधन की बचत करती है। मारुति सुजुकी विक्टोरिस इस लिस्ट में सबसे आगे है। यह कार एक लीटर पेट्रोल में 28.6 किमी तक चलती है। 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर का कॉम्बिनेशन लंबी ट्रिप के लिए इको, नॉर्मल और पावर तीन ड्राइविंग मोड देता है। होंडा सिटी हाइब्रिड 1.5-लीटर इंजन और दो इलेक्ट्रिक मोटरों से 125बीएचपी पावर देती है और 26.5 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसमें लेन वॉच असिस्ट जैसे स्मार्ट फीचर्स सुरक्षा में मदद करते हैं। बड़ी फैमिली के लिए टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस हाइब्रिड 23.24 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसका 2.0-लीटर इंजन फैमिली और सामान के साथ भी हाईवे पर दमदार प्रदर्शन करता है। इसमें जेबीएल साउंड सिस्टम और बड़ी सनरूफ जैसी लग्जरी सुविधाएं दी गई हैं। टोयोटा कैमरी 2.5-लीटर इंजन के बावजूद 25.49 किमी प्रति लीटर

का माइलेज देती है। इसका इंटीरियर लग्जरी और आरामदायक है, जिसमें सीटें रीक्लाइन करने योग्य हैं। वोल्वो एक्ससी90 अपनी सेफ्टी और रुतबे के लिए लोकप्रिय है। 2.0-लीटर इंजन और 48वी सिस्टम ईंधन बचाने में मदद करता है। इसमें लग्जरी लेदर सीट्स और बेहतरीन सेफ्टी फीचर्स लंबे सफर को सुरक्षित बनाते हैं।

ये पांच पेट्रोल-हाइब्रिड कारें अब हाईवे ट्रिप के लिए बेहतरीन विकल्प बन गई हैं।

ईंधन बचाने वाली 5 पेट्रोल-हाइब्रिड कारें बाजार में उपलब्ध

नई दिल्ली। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच अब बाजार में पेट्रोल-हाइब्रिड कारें आ चुकी हैं, जो माइलेज के मामले में डीजल को भी टक्कर देती हैं। इनमें पेट्रोल इंजन के साथ स्मार्ट इलेक्ट्रिक मोटर होती है, जो ईंधन की बचत करती है। मारुति सुजुकी विक्टोरिस इस लिस्ट में सबसे आगे है। यह कार एक लीटर पेट्रोल में 28.6 किमी तक चलती है। 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर का कॉम्बिनेशन लंबी ट्रिप के लिए इको, नॉर्मल और पावर तीन ड्राइविंग मोड देता है। होंडा सिटी हाइब्रिड 1.5-लीटर इंजन और दो इलेक्ट्रिक मोटरों से 125बीएचपी पावर देती है और 26.5 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसमें लेन वॉच असिस्ट जैसे स्मार्ट फीचर्स सुरक्षा में मदद करते हैं। बड़ी फैमिली के लिए टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस हाइब्रिड 23.24 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसका 2.0-लीटर इंजन फैमिली और सामान के साथ भी हाईवे पर दमदार प्रदर्शन करता है। इसमें जेबीएल साउंड सिस्टम और बड़ी सनरूफ जैसी लग्जरी सुविधाएं दी गई हैं। टोयोटा कैमरी 2.5-लीटर इंजन के बावजूद 25.49 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसका 2.0-लीटर इंजन फैमिली और सामान के साथ भी हाईवे पर दमदार प्रदर्शन करता है। इसमें जेबीएल साउंड सिस्टम और बड़ी सनरूफ जैसी लग्जरी सुविधाएं दी गई हैं। टोयोटा कैमरी 2.5-लीटर इंजन के बावजूद 25.49 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसका इंटीरियर लग्जरी और आरामदायक है, जिसमें सीटें रीक्लाइन करने योग्य हैं। वोल्वो एक्ससी90 अपनी सेफ्टी और रुतबे के लिए लोकप्रिय है। 2.0-लीटर इंजन और 48वी सिस्टम ईंधन बचाने में मदद करता है।

जेवर एयरपोर्ट से यमुना एक्सप्रेस-वे के आसपास जमीन के दाम बढ़ने की उम्मीद

एसईजेड के कुछ सेक्टरों में दरें पहले ही करीब 8,000 रुपए प्रति वर्ग फुट पहुंची

नोएडा, ।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन से यमुना एक्सप्रेस-वे के आसपास जमीन के दाम बढ़ने के आसार हैं। बाजार विश्लेषकों और डेवलपरों का कहना है कि रिहायशी और औद्योगिक दोनों इकाइयों की कीमतों में इजाफा होगा जिसका असर नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बाजारों पर भी पड़ेगा। रियल एस्टेट सलाहकार फर्म कॉलियर्स के आंकड़ों के मुताबिक यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में अगले दो सालों में भूखंड के दाम करीब 28 फीसदी और अपार्टमेंट की कीमतें करीब 22 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है। जेवर भी इसी इलाके में स्थित है जहां नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन आज यानी शनिवार को होना है।रिपोर्ट के मुताबिक जेवर हवाई अड्डे की घोषणा 2021 में की गई थी। उसके बाद से ही इस क्षेत्र के रियल एस्टेट में काफी हलचल रही है। पिछले पांच सालों में यीडा इलाके के अपार्टमेंट की कीमतें करीब तीन गुना बढ़ चुकी हैं। कीमतें 2020 में 3200 रुपए प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 2025 में 9,600 रुपए प्रति वर्ग फुट दर्ज की गईं। नैशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नरेडको) के अध्यक्ष ने कहा कि यमुना एक्सप्रेस-वे एसईजेड के कुछ सेक्टरों में दरें पहले ही करीब 8,000 रुपए प्रति वर्ग फुट तक पहुंच चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यह काफी अहम है। खास तौर पर यह देखते हुए कि जेवर के प्रभाव वाले इलाकों जमीन के दाम पिछले पांच सालों में करीब 40 फीसदी बढ़ चुके हैं।

पेट्रोल, डीजल की कीमतों को बढ़ने से रोकने सरकार ने घटाई एक्साइज ड्यूटी

अगले वित्त वर्ष में सरकार का राजस्व 1.3 लाख करोड़ रुपए हो सकता है कम

नई दिल्ली,। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को देखते हुए सरकार ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क में 10 रुपए प्रति लीटर की भारी कटौती की है। पेट्रोल, डीजल की कीमतों को बढ़ने से रोकने के लिए यह फैसला लिया गया है ताकि उपभोक्ताओं पर बोझ नहीं पड़े लेकिन इससे अगले वित्त वर्ष में सरकार का राजस्व करीब 1.3 लाख करोड़ रुपए कम हो सकता है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक पेट्रोल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है और डीजल पर यह 10 रुपए प्रति लीटर से घटाकर शून्य कर दिया है। कटौती तुरंत लागू हो गई है। सरकार ने पिछले साल अप्रैल पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 2 रुपए प्रति लीटर बढ़ाया था। सरकार ने देसी बाजार में दोनों की पर्याप्त उपलब्धता तय करने के लिए डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर एक बार फिर शुल्क लगा दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीजल निर्यात पर 21.5 रुपए प्रति लीटर और एटीएफ निर्यात पर 29.5 रुपए प्रति लीटर का शुल्क लगाया है। पहले इनके निर्यात पर शुल्क नहीं था। अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के बीच भारत से 1.4 करोड़ टन पेट्रोल और 2.36 करोड़ टन डीजल का निर्यात किया, जिसमें बड़ा हिस्सा रिलायंस इंडस्ट्रीज का रहा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में प्रति लीटर 10 रुपए की कमी की गई है। इससे उपभोक्ता कीमत में इजाफे से बच जाएंगे।सरकार के अधिकारियों का अनुमान है कि शुल्क में कटौती से अगले पंद्रह दिनों में करीब 7,000 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान होगा, जिसके बाद स्थिति की समीक्षा की जाएगी। इससे संकेत मिलता है शुल्क में यह कटौती कुछ समय के लिए ही है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन ने कहा कि सरकार हर पंद्रह दिनों में डीजल और एटीएफ पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क की समीक्षा करेगी। पेट्रोल की कीमतें रोजाना बदलने वाली मूल्य व्यवस्था से तय की जाती हैं, जो कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमत, विनिमय दर और करों के पिछले 15 दिन के औसत पर काम करती है। अंतिम उपभोक्ता मूल्य में आधार मूल्य, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, डीलर कमीशन और राज्य-स्तरीय वैट शामिल होता है।उन्होंने कहा कि शुल्क कटौती से अगले 15 दिन में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन जैसी तेल कंपनियों को करीब 1,500 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय होने की उम्मीद है। अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि कटौती पूरे वित्त वर्ष 2027 में लागू रही तो सरकारी खजाने को 1.3 लाख करोड़ से 1.7 लाख करोड़ रुपए तक की चपत लग सकती है। एक अन्य अर्थशास्त्री ने कहा कि शुल्क में कटौती से तेल कंपनियों को राहत मिलेगी। यदि ऐसा नहीं होता तो कीमतों में वृद्धि का भार उपभोक्ताओं पर डाला जा सकता था।

भारत के लिए ईरानी कच्चे तेल की आपूर्ति सीमित, चीन बन रहा प्राथमिक खरीदार

अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्थिति- ईरान के पास अंतरराष्ट्रीय बिक्री के लिए अतिरिक्त तेल उपलब्ध नहीं

नई दिल्ली।

भारतीय रिफाइनरियों के लिए ईरानी कच्चा तेल अब उपलब्ध तो है, लेकिन मात्रा बेहद सीमित और समय-सीमा बहुत संकीर्ण है। वॉशिंगटन द्वारा फ्लोटिंग स्टोरेज और ट्रांजिट में मौजूद ईरानी तेल की बिक्री के लिए हालिया छूट देने के बाद इसका रुख बदल गया है, और अधिकांश तेल चीन की ओर जा रहा है। भारत मार्च और अप्रैल में डिलीवरी के लिए रूस से स्टोरेज में मौजूद 100 मिलियन बैरल तेल का 60 फीसदी पहले ही खरीद चुका है, जबकि ईरानी तेल के लिए भारत के हिस्से में 10 मिलियन बैरल से कम मिल सकते हैं। एक वरिष्ठ ट्रेडर ने बताया कि डिलीवरी के लिए केवलएक महीने की सीमित समय-सीमा (19 अप्रैल तक) ने भारतीय सरकारी रिफाइनरियों के लिए सप्लाई चेन प्रबंधन को चुनौतीपूर्ण बना दिया है। इस समय में विक्रेताओं की पहचान, उनकी विश्वसनीयता की जांच और शिपिंग व्यवस्था करना मुश्किल हो रहा है। पहले ईरानी कच्चे तेल की बिक्री पूरी तरह नेशनल ईरानियन ऑयल कंपनी (एनआईओसी) के नियंत्रण में थी। लेकिन अब यह बिक्री मुख्य रूप से उन ट्रेडर्स के नियंत्रण में है, जो इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) से जुड़े हैं। ब्रिटेन स्थित एनर्जी इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार प्रतिबंधित तेल की आपूर्ति अब संदिग्ध हितों द्वारा की जा रही है, जिनके पास फ्रंट कंपनियों और किराये पर लिए गए जहाजों का नेटवर्क है। एक सीनियर रिफाइनिंग अधिकारी ने कहा कि इस नई व्यवस्था में तेल खरीदना और डिलीवरी सुनिश्चित करना भारतीय रिफाइनरियों के लिए और कठिन हो गया है। मुंबई स्थित ईरानी वाणिज्य दूतावास ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में ईरान के पास अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए अतिरिक्त तेल उपलब्ध नहीं है। अमेरिकी वित्त मंत्री की हालिया टिप्पणियां मुख्य रूप से खरीदारों को आश्वस्त करने और बाजार को स्थिर करने के उद्देश्य से प्रतीत होती हैं। कई वर्षों से ईरानी तेल का खुले तौर पर व्यापार नहीं हुआ है, जिससे इसकी गुणवत्ता और सप्लाई को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। भारतीय रिफाइनर-सरकारी

या निजी ईरानी तेल खरीदने के इच्छुक थे, खासकर तब जब अमेरिका ने 20 मार्च को स्टोरेज और ट्रांजिट में मौजूद तेल पर 30 दिन की छूट दी। लेकिन सीमित समय-सीमा, सप्लाई की कमी और आईआरजीसी से जुड़े नेटवर्क के कारण इस दिशा में आगे बढ़ना मुश्किल हो गया। इस स्थिति में भारत के लिए मुख्य तेल स्रोत अभी भी रूस और अन्य पारंपरिक आपूर्तिकर्ता हैं। ईरानी तेल संभावित स्रोत के रूप में मौजूद है, लेकिन मात्रा कम और जोखिम अधिक है।

नए फोन रियलमी 16 5जी जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली । चायनीज कंपनी रियलमली जल्द ही अपने नए फोन रियलमी 16 5जी को लॉन्च करने जा रही है, जिसमें भारत का पहला सेल्फी मिरर फीचर दिया गया है। इसे ÷सेल्फी मिरर फोन÷ के नाम से टीज किया गया है। अब यूजर पीछे वाले कैमरे से भी आसानी से शानदार सेल्फी ले सकेंगे। फोन के रियर कैमरा मॉड्यूल के साथ एक छोटा मिरर जुड़ा होगा, जिससे खुद को देखकर हाई क्वालिटी फोटो क्लिक की जा सकेगी। रियलमी 16 5जी का डिजाइन भी यूनिक और प्रीमियम बताया जा रहा है। पीछे की तरफ लंबा कैमरा बार दिया गया है, जो पिक्सल और आईफोन जैसी याद दिलाता है। कंपनी इसे ÷एयर डिजाइन÷ कह रही है, यानी फोन हल्का और पकड़ने में आरामदायक रहेगा। कलर चेंजिंग फिनिश इसे और स्टाइलिश बनाती है। फोन के कैमरा सेटअप पर खास फोकस है। इसमें 50एमपी का सोनी आईएमएक्स 852 मेन कैमरा और 2एमपी सेकेंडरी सेंसर दिए जाने की संभावना है। साथ ही 50एमपी का फ्रंट कैमरा भी मिलेगा। सेल्फी मिरर फीचर के साथ यह सेटअप यूजर्स को नया डिजिटल अनुभव देगा। परफॉर्मेंस के लिए फोन में मीडियाटेक डायमेंसिटी 6400 टर्बो प्रोसेसर का इस्तेमाल हो सकता है।

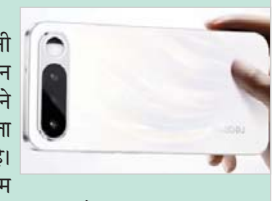

औद्योगिक सेक्टर के लिए राज्यों को वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन का कोटा बढ़ा

सरकार ने 20 फीसदी की वृद्धि कीश् अब यह कोटा 70 फीसदी हो गया

नई दिल्ली,।

केंद्र सरकार ने इस्पात और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों समेत तमाम औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने के लिए राज्यों को वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन में 20 फीसदी की और वृद्धि की है। इससे अब यह कोटा युद्ध से पहले की मांग का 70 फीसदी हो गया है।पेट्रोलियम सचिव नीरज मित्तल ने राज्य के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में कहा कि अतिरिक्त आपूर्ति इस्पात, ऑटोमोबाइल, कपड़ा, डाई, रसायन और प्लास्टिक जैसे श्रम वाले उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी, क्योंकि इनसे ही अन्य कई जरुरत क्षेत्र जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा 50 फीसदी आवंटन के अतिरिक्त अब 20 फीसदी और गैस दी जाएगी, जिससे कुल वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन गैर-घरेलू एलपीजी के युद्ध से पहले की मांग का 70 फीसदी हो जाएगा। तेल मंत्रालय ने इस महीने की शुरुआत में तीन अलग-अलग निर्देशों के जरिए राज्यों को युद्ध-पूर्व वाणिज्यिक एलपीजी कोटे का 40 फीसदी आवंटित किया था।

मंत्रालय ने पीएनजी को बढ़ावा देने के लिए कुछ सुधारों के आधार पर राज्यों को 10 फीसदी अतिरिक्त एलपीजी आवंटित की थी।

अब ताजा फैसले के तहत दी जाने वाली अतिरिक्त 20 फीसदी एलपीजी प्राथमिकता वाले उद्योगों को दी जाएगी। इनमें, प्रक्रिया उद्योगों या उन उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिन्हें विशेष ताप उद्देश्यों के लिए एलपीजी की जरुरत होती है, क्योंकि इसके विकल्प के तौर पर कोई और गैस इस्तेमाल नहीं की जा सकती।

बाजार में जल्द एंट्री करेंगे आईईआईटी फोक्स्ड म्युचुअल फंड

एनएसई के डेडिकेटेड इंडेक्स लॉन्च से बढ़ी उम्मीद

नई दिल्ली,। इस महीने की शुरुआत में एनएसई के निफ्टी आईईआईटी और रियल्टी इंडेक्स के लॉन्च के साथ ही भारत में रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आईईआईटी) पर फोक्स्ड पहले म्युचुअल फंड स्कीम्स का रास्ता साफ हो गया है। कई फंड हाउस इस बेंचमार्क से जुड़े पैसिव प्रोडक्ट्स लाने पर विचार कर रहे हैं। उम्मीद है कि ऐसी पहली योजनाएं 2026 की दूसरी छमाही में लॉन्च होंगी, जब नियम फंड हाउस को आईईआईटी-आधारित प्रोडक्ट पेश करने की अनुमति देंगे।एसेट मैनेजमेंट कंपनियों के सीनियर अधिकारियों ने कहा कि वे नए लॉन्च किए गए इस इंडेक्स को ट्रैक करने वाले पैसिव फंड्स पर विचार कर रहे हैं। नवी एएमसी के सीईओ आदित्य मुल्की ने कहा कि हम अभी किसी तत्काल फाइलिंग पर टिप्पणी नहीं कर सकते, लेकिन इस इंडेक्स का गहराई से मूल्यांकन कर रहे हैं, क्योंकि यह रिटेल निवेशकों के लिए एसेट एलोकेशन के विकल्प बढ़ाने के हमारे उद्देश्य के अनुरूप है। डीएसपी इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स में पैसिव इन्वेस्टमेंट्स और प्रोडक्ट्स के हेड अनिल घेलानी ने कहा कि उनका फंड हाउस भी इस इंडेक्स का अध्ययन कर रहा है।यह कदम सेबी के उस फैसले के बाद उठाया गया है, जिसमें जनवरी 2026 में आईईआईटी को इक्विटी के रूप में वर्गीकृत किया गया। इससे 1 जुलाई से इन्हें इक्विटी इंडेक्स में शामिल करने की अनुमति मिल गई। पहले आईईआईटी को हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट माना जाता था, जिसके कारण इक्विटी स्कीम्स में उनकी हिस्सेदारी सीमित थी और एक्टिव फंड्स में इनका एक्सपोजर 10 फीसदी तक ही सीमित रखा जाता था। इस पुनर्वर्गीकरण और इंडेक्स में शामिल किए जाने से आईईआईटी में लिक्विडिटी बढ़ने, उनकी विजिबिलिटी मजबूत होने और म्युचुअल फंड्स की भागीदारी बढ़ने की उम्मीद है। निफ्टी आईईआईटी और रियल्टी इंडेक्स में आईईआईटी और रियल एस्टेट कंपनियों का मिक्स शामिल है। इसमें लिस्टेड पांच आईईआईटी का करीब 64 फीसदी हिस्सा है, जबकि बाकी हिस्सा रियल्टी स्टॉक्स का है, जिनमें डीएलएफ और फोनिक्स मिल्स जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। यह 15 शेयरों वाला इंडेक्स फ्री-फ्लोट मार्केट कैपिटलाइजेशन के आधार पर वेटेड है और किसी भी एक कंपनी का वेट 15 फीसदी से ज्यादा नहीं रखा गया है। पिछले एक साल में इसने 12.4 फीसदी का रिटर्न दिया है और करीब 3.3 फीसदी का डिविडेंड यील्ड भी प्रदान करता है।

ओएमओ से 3.5 लाख करोड़ रुपए के बॉन्ड की खरीद से घटेगा ट्रेजरी घाटा

स्विच ऑक्शन से भी बैंकों को मदद मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली,। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा इस तिमाही में अब तक खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) के जरिये 3.5 लाख करोड़ रुपए मूल्य के बॉन्ड की भारी भरकम खरीदारी से बैंकों के ट्रेजरी कारोबार से जुड़ा घाटा कम होने की उम्मीद है। इसके अलावा स्विच ऑक्शन से भी बैंकों को मदद मिलने की उम्मीद है। बॉन्ड यील्ड में उछाल बैंकों के ट्रेजरी कारोबार पर असर हुआ है। 10 साल की अवधि की सरकारी प्रतिभूतियों पर यील्ड जनवरी से अब तक 35 आधार बढ़ चुकी है। अकेले मार्च में इसमें 28 आधार अंक की बढ़ोतरी हुई। चालू तिमाही में 5 साल की अवधि के सरकारी बॉन्ड और 15 साल की अवधि के बॉन्ड पर यील्ड क्रमशः 34 आधार अंक और 32 आधार अंक तक बढ़ गई है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी बैंकों और कुछ बड़े निजी क्षेत्र के बैंकों को अभी भी कुछ मार्क-टू-मार्केट नुकसान का सामना करना पड़ सकता है लेकिन जिन बैंकों ने ओएमओ खरीद या स्विच ऑपरेशन में भाग लिया है वे इसे कम करने की बेहतर स्थिति में होंगे। एक बॉन्ड कारोबारी ने कहा कि नुकसान तो होगा ही क्योंकि मौजूदा यील्ड 2022 में देखे गए उच्चतम स्तर के करीब हैं जब आरबीआई ब्याज दरें बढ़ा रहा था, उनमें अधिकांश अब घाटे में होंगे। अधिकारी ने कहा कि अगर बैंकों ने आरबीआई द्वारा बॉन्ड खरीदने के दौरान मुनाफा कमाया होता तो शुद्ध आधार पर वे अभी भी घाटे में हो सकते थे लेकिन नुकसान कम किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि प्रभावी रूप से मार्क-टू-मार्केट नुकसान का एक बड़ा हिस्सा आरबीआई द्वारा वहन किया गया है। अगर ये ओएमओ नहीं हुए होते तो आज बाजार में भारी नुकसान होता। शुक्रवार को 10 साल की सरकारी बॉन्ड की यील्ड 6.94 फीसदी पर पहुंच गई। पिछले साल मार्च के अंत में 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर यील्ड 6.58 फीसदी थी। जानकारों का कहना है कि आरबीआई की तरफ से बॉन्ड खरीदारी ने नुकसान कम करने में अहम भूमिका निभाई है। अनुमान है कि केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष में करीब 9 लाख करोड़ रुपए मूल्य के बॉन्ड खरीदे हैं जिन पर यील्ड मौजूदा स्तरों से करीब 25 आधार अंक कम है। एक बॉन्ड कारोबारी ने कहा कि हाल में यील्ड में आई उछाल को देखते हुए कुछ बैंक खासकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और कुछ बड़े निजी बैंक इस तिमाही में बॉन्ड कारोबार में नुकसान उठा सकते हैं।

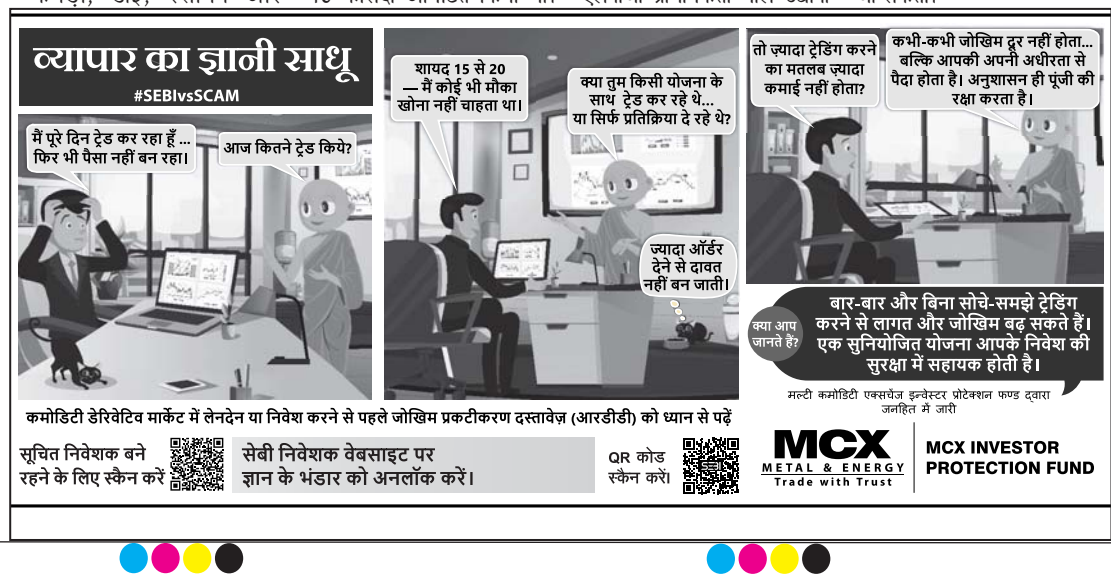

रणथंभौर में सफारी करने के बाद होटल पहुंची विदेशी पर्यटक की खाना खाने के बाद मौत

सवाई माधोपुर (एजेंसी)। राजस्थान के सवाई माधोपुर स्थित रणथंभौर में सफारी करने के कुछ घंटे बाद एक विदेशी पर्यटक की मौत हो गई। आयरलैंड की निवासी टूरिस्ट एक ग्रुप के साथ घूमने आई थी। गुरुवार रात को होटल में अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई। सरकारी हॉस्पिटल में चेकअप के बाद उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। टूरिस्ट का पोस्टमॉर्टम आयरलैंड एम्बेसी के अप्रूवल के बाद ही होगा। कुण्डेरा थाने के एएसआई ने बताया कि आयरलैंड की मरियन फ्रांसिस (40) दोस्तों के साथ 25 मार्च को रणथंभौर आई थी। उनका ग्रुप हेरिटेज हवेली होटल में रुका था। सभी ने 26 मार्च को सुबह-शाम के स्लॉट में सफारी की थी। इसके बाद वे होटल आ गए थे। गुरुवार देर रात खाने के बाद करीब 2.30 बजे मरियन की तबीयत बिगड़ी थी। मरियन के दोस्तों ने होटल स्टाफ को सूचित किया। इसके बाद मरियन को अपेक्स सेविका हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। रात करीब तीन बजे मरियन को सवाई माधोपुर के जिला हॉस्पिटल रेफर किया गया। इस दौरान पुलिस भी निजी हॉस्पिटल पहुंच गई थी। पुलिसकर्मियों के साथ मरियन के दोस्त उन्हें सरकारी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। इमरजेंसी में मौजूद डॉक्टर सौरभ गुप्ता ने मरियन की जांच की। कुछ देर बाद उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया। डॉक्टर सौरभ गुप्ता ने बताया कि महिला टूरिस्ट की ईसीजी कराई थी, लेकिन रिजल्ट फ्लैट था। इसके बाद उनका फिर से चेकअप किया गया, लेकिन कोई रिस्पॉन्स नहीं था। मौत का सही कारण पोस्टमॉर्टम के बाद ही सामने आएगा। वहीं, पुलिस का कहना है महिला की मौत की जानकारी आयरलैंड एम्बेसी को दी गई है। अब दूतावास की परमिशन का इंतजार है।

अजित पवार हादसे के बाद डीजीसीए ने जारी की नई गाइडलाइन... फ्लाइट क्रू पर कोई दबाव ना डाला जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। वीआईपी और वीवीआईपी (जैसे मुख्यमंत्री, राज्यपाल आदि) को ले जाने वाले नॉन-शेड्यूल्ड विमान और हेलिकॉप्टर ऑपरेटर्स के लिए नई गाइडलाइन जारी कर दी गई है। डीजीसीए ने दो टूक कहा कि फ्लाइट क्रू पर किसी भी तरह का दबाव नहीं डाला जाए, ताकि किसी भी प्रकार की सुरक्षा से समझौता न हो। डीजीसीए के मुताबिक वीआईपी की जरूरत के नाम पर आखिरी वक्त में हो रहे बदलाव सीधे क्रू से नहीं, सिर्फ ऑपरेटर्स मैनेजमेंट के द्वारा कराए जाएं। मौसम से जुड़े नियमों का पालन करना होगा। क्रू के फैसले का सम्मान करना होगा। डीजीसीए की नई गाइडलाइन में ध्यान रखा गया है कि वीआईपी मूवमेंट के चक्कर में पायलट थकावट का शिकार न हों। अब अगर कोई नेता दबाव डालता है, तब पायलट सीधे मना कर सकता है और इसकी जवाबदेही मैनेजमेंट की होगी, न कि व्यक्तिगत पायलट को जबावदार माना जाएगा। दरअसल, 28 जनवरी को बारामती एयरपोर्ट पर प्लेन क्रैश में अजित पवार सहित 5 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद से डीजीसीए ने वीआईपी मूवमेंट्स को लेकर नियमों में बदलाव किया है।

डिजिटल एडिक्शन से बच्चों की आत्महत्या के मामले बढ़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में डिजिटल एडिक्शन का मुद्दा गंभीरता से उठाया गया, जिसमें बच्चों और युवाओं में बढ़ती मोबाइल लत पर चिंता जताई गई। चर्चा के दौरान दावा किया गया कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम और सोशल मीडिया के दबाव के कारण मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। आंकड़ों के मुताबिक कई बच्चे रोजाना 7 से 8 घंटे मोबाइल पर बिता रहे हैं, जिससे पढ़ाई, सामाजिक जीवन और नींद प्रभावित हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल लत अवसाद, चिंता और अकेलेपन की भावना को बढ़ा सकती है। कुछ मामलों में यह स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि बच्चे आत्मघाती कदम उठा लेते हैं। सदस्यों ने सरकार से इस विषय पर व्यापक चर्चा और ठोस नीति बनाने की मांग की है। साथ ही अभिभावकों को बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखने और मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर संवाद करने की सलाह दी गई है।

सक्रिय हो रहा वेदर सिस्टम... आज से देश के कई राज्यों में आंधी और बारिश की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में मौसम तेजी से बदल रहा है और कई राज्यों में बारिश, ओलावृष्टि और बर्फबारी की संभावना जाहिर की गई है। राजस्थान में शनिवार से नया वेदर सिस्टम सक्रिय हुआ है, जिसका असर राज्य के सभी जिलों में देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार, बारिश के साथ ओले गिरने की भी आशंका है। बीते 24 घंटों में जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, अजमेर और बीकानेर में मौसम साफ और धूप तेज रही, लेकिन अब बदलाव शुरू हो गया है। मध्यप्रदेश में 29 मार्च से लगातार तीन दिन तक आंधी और बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम सक्रिय रहेगा। भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर सहित करीब 40 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि, शनिवार को प्रदेश में गर्मी का असर बना रहेगा। उत्तर प्रदेश में भी मौसम बदला हुआ है। लखनऊ और कानपुर समेत कई जिलों में रुक-रुककर बारिश हो रही है, और अगले पांच दिनों तक यही स्थिति बनी रह सकती है। कहीं-कहीं ओलावृष्टि की भी संभावना है। बिहार में पटना सहित कई जिलों में आंधी के साथ बारिश दर्ज की गई, और आज 38 जिलों में अलर्ट जारी है। पहाड़ी राज्यों में भी मौसम का असर दिख रहा है। हिमाचल प्रदेश में अगले छह दिनों तक बर्फबारी की संभावना है। वहीं जम्मू और कश्मीर में श्रीनगर-लेह हाईवे पर एवलांच की घटना में 7 लोगों की मौत हो गई, जिससे स्थिति गंभीर बनी हुई है। आने वाले दो दिनों में पूर्वोत्तर राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में तेज बारिश की संभावना है। वहीं महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक और केरल में हल्की बारिश हो सकती है। 30 मार्च को पश्चिम बंगाल, सिक्किम, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी हल्की बारिश के आसार हैं।

लॉकडाउन लगेगा या नहीं शाह ने साफ कर दी सरकार की मंशा, कई अफवाहों को खारिज किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव और वैश्विक अस्थिरता के बीच भारत में लॉकडाउन की चर्चाओं पर केंद्र सरकार ने पूर्ण विराम लगा दिया है। सोशल मीडिया और विभिन्न माध्यमों पर ईंधन की कमी के तर्क के साथ लॉकडाउन लगाए जाने की अफवाहों को सरकार ने सिरे से खारिज कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि देश में एलपीजी सिलेंडर या अन्य ईंधन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भू-राजनीतिक तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में आए उछाल के बावजूद भारत अपनी आपूर्ति श्रृंखला और कीमतों को स्थिर बनाए रखने में पूरी तरह सफल रहा है। अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए कहा कि जब दुनिया भर में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतें आसमान छू रही हैं, तब भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां कीमतों में वृद्धि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए आयात के स्रोतों का विस्तार किया है। पहले भारत अपनी ईंधन जरूरतों के लिए 27 देशों पर निर्भर था, लेकिन अब यह दायरा बढ़ाकर 42 देशों तक कर दिया गया है। गृह मंत्री ने साफ किया कि प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया है कि देश में कोई लॉकडाउन नहीं लगेगा और सामान्य कामकाज निर्बाध रूप से जारी रहेगा। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ डिजिटल माध्यम से एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। पश्चिम एशिया संघर्ष से उत्पन्न चुनौतियों पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्थिक स्थिरता, ऊर्जा सुरक्षा और नागरिकों के हितों की रक्षा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने केंद्र और राज्यों के बीच टीम इंडिया की भावना से काम करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों को निर्देश दिया कि वे राज्यों में आपूर्ति श्रृंखलाओं के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करें और जमाखोरी व मुनाफाखोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से गलत सूचनाओं और अफवाहों के प्रसार के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने जिस तरह सामूहिक शक्ति से वैश्विक बाधाओं का सामना किया था, वही समन्वय आज भी हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इस बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आंध्र प्रदेश के एन चंद्र बाबू नायडू, तेलंगाना के रेवंत रेड्डी और पंजाब के भगवंत मान समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मौजूद रहे। यह पहली बार था जब प्रधानमंत्री ने 28 फरवरी को शुरू हुए इस अंतरराष्ट्रीय संघर्ष के प्रभाव को लेकर राज्यों के साथ सीधा संवाद किया।

सूरत में फर्जी पेट्रोल पंप का हुआ भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

-अमरोली इलाके में चाय की टपरी के पास चल रहा था अवैध धंधा, 800 लीटर घटिया डीजल व टैंकर जब्त

सूरत (एजेंसी)। गुजरात के सूरत में पुलिस ने अवैध रूप से संचालित एक फर्जी पेट्रोल पंप का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई शहर के अमरोली इलाके में की गई, जहां चाय की एक टपरी के पास लंबे समय से सस्ते दामों पर घटिया गुणवत्ता का डीजल बेचा जा रहा था।

पुलिस के अनुसार, अमरोली-वेलंजा रोड स्थित अंजनी इंडस्ट्रीज कैनाल के पास आरोपियों ने अवैध रूप से पेट्रोल पंप जैसा सेटअप तैयार कर रखा था। यहां ग्राहकों को कम कीमत का लालच देकर खराब क्वालिटी का डीजल बेचा जाता था। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और पूरे रैकेट का खुलासा किया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से करीब 800 लीटर डीजल जब्त किया, जिसकी अनुमानित कीमत 61,600 रुपये बताई गई है। इसके अलावा दो टैंकर और मोबाइल फोन भी बरामद किए गए। जब्त किए गए सामान की कुल कीमत लगभग 22.70 लाख रुपये आंकी गई है। इस मामले में 43 वर्षीय भरत केरासिया और 32 वर्षीय महेश खिसड़िया को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में सामने आया है कि इस अवैध कारोबार में दो अन्य लोग भी शामिल हैं, जो फिलहाल फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। अमरोली पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, आरोपी लंबे समय से इस अवैध धंधे को अंजाम दे रहे थे और सस्ते ईंधन के नाम पर लोगों को ठग रहे थे। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि यह डीजल कहां से लाया जा रहा था और इस नेटवर्क का दायरा कितना बड़ा है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। इस कार्रवाई से इलाके में अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्ती का संदेश गया है और स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता की सराहना की है।

मुंबई में 75 लोगों ने इच्छामृत्यु के लिए दिए आवेदन, बीएमसी ने सुरक्षित रखे

-मेयर बोलीं- हमें दस्तावेजों को रखने की अनुमति, उन्हें लागू करने का अधिकार नहीं

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में इच्छामृत्यु को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को 75 लोगों ने इच्छामृत्यु के लिए आवेदन दिए हैं। यह घटनाक्रम देश के पहले कोर्ट से मंजूर इच्छामृत्यु मामले के बाद सामने आया है, जिसने लोगों को इस दिशा में सोचने पर मजबूर कर दिया है। इन आवेदनों में लोगों ने साफ लिखा है कि अगर वे किसी गंभीर बीमारी का शिकार हो जाएं या किसी हादसे के बाद कोमा जैसी स्थिति में चले जाएं, जहां ठीक होने की कोई उम्मीद न हो, तो उन्हें इच्छामृत्यु का विकल्प दिया जाए। इसके लिए उन्होंने लिविंग विल भी तैयार कर नोटरी करवाई है और संबंधित अधिकारियों के पास जमा किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई की महापौर रितु तावड़े ने इस मुद्दे पर कहा कि बीएमसी इन आवेदनों को सिर्फ सुरक्षित रख रही है। उन्होंने कहा कि जो भी मरीज इच्छामृत्यु के लिए पत्र देता है, हम उसे सुरक्षित रखते हैं, लेकिन उसे लागू करने का अधिकार हमारे पास नहीं है। यह जिम्मेदारी परिवार की होती है। कोर्ट ने हमें इन दस्तावेजों को रखने की अनुमति दी है, लेकिन उन्हें लागू करने का अधिकार नहीं दिया है। बता दें सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद, जिसमें भारत में निष्क्रिय इच्छामृत्यु को कानूनी मान्यता दी गई, बीएमसी ने हर वार्ड में मेडिकल अधिकारियों को लिविंग विल पर नजर रखने की जिम्मेदारी दी है। जो भी व्यक्ति लिविंग विल जमा करना चाहता है, उसे नोटरी फॉर्मेट में दस्तावेज तैयार कर अपने वार्ड ऑफिस में जमा करना होता है।

रिपोर्ट के मुताबिक फिलहाल बीएमसी के पास कुल 75 आवेदन आ चुके हैं। प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए राज्य सरकार एक ऑनलाइन पोर्टल या ऐप तैयार करने पर काम कर रही है, ताकि लोग आसानी से आवेदन कर सकें। इस पूरे मामले की पृष्ठभूमि में हरीश राणा का केस भी है, जो भारत में कोर्ट से मंजूर इच्छामृत्यु पाने वाले पहले इंसान थे। 31 साल के हरीश राणा का निधन दिल्ली के एम्स में हुआ, जहां उन्हें पेलिएटिव केयर दी जा रही थी। हरीश राणा 2013 से कोमा में थे। वह उस समय इंजीनियरिंग के छात्र थे और चौथी मंजिल से गिरने के बाद उन्हें सिर की चोट लगी थी। लंबे समय तक कोमा में रहने के बाद उनके माता-पिता ने जीवनरक्षक उपकरण हटाने की अनुमति मांगी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी दी। यह फैसला भारत के कानूनी और मेडिकल इतिहास में एक अहम मोड़ माना गया।

सीएम ममता पर आयोग की नजर, एसआई को निलंबित कर भाषण की मांगी कॉपी

बड़ी रैलिया के साथ ही डोर-टू-डोर संपर्क अभियान चलाएगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तारीखों के नजदीक आते ही राज्य में राजनीतिक सरगर्मियां और चुनावी हिंसा को लेकर तनाव चरम पर पहुंच गया है। भारत निर्वाचन आयोग ने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाते हुए एक तरफ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विवादित भाषण पर रिपोर्ट तलब की है, वहीं दूसरी तरफ कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में एक पुलिस इंस्पेक्टर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। राज्य में दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को मतदान होना है, जिसके परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस भाषण पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, जो उन्होंने दार्जिलिंग के नक्सलबाड़ी स्थित एक जनसभा के दौरान दिया था। आरोप है कि मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों को कथित तौर पर धमकाया। वीडियो साक्ष्यों के आधार पर दावा किया जा रहा है कि उन्होंने महिलाओं और लड़कियों से मतदान केंद्रों पर डटे रहने को कहा और जरूरत पड़ने पर किसी भी स्थिति से निपटने के लिए घरेलू रसोई के उपकरणों का इस्तेमाल करने की बात कही। आयोग इस मामले में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के पहलुओं की जांच कर रहा है।

समानांतर कार्रवाई करते हुए, चुनाव आयोग ने दक्षिण 24 परगना जिले के बासंती पुलिस स्टेशन के प्रभारी इंस्पेक्टर अविजित पॉल को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई 26 मार्च को बासंती बाजार इलाके में हुई हिंसक घटना के बाद की गई है। आयोग के अनुसार, भाजपा उम्मीदवार विकास सरदार के चुनाव प्रचार के दौरान हुई इस हिंसा में पुलिसकर्मी और कई अन्य लोग घायल हुए थे। आयोग ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि पर्याप्त केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की उपलब्धता के बावजूद इंस्पेक्टर ने सुरक्षा की मांग नहीं की और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह विफल रहे, जो ड्यूटी में गंभीर कोताही को दर्शाता है। इस घटनाक्रम पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी तेज हो गए हैं। भाजपा सांसद बिप्लब कुमार देब ने इस हमले को सुनियोजित बताते हुए राज्य सरकार और तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया कि ज्ञात हमलावरों ने पार्टी कार्यकर्ताओं और बीच-बचाव करने आए सुरक्षा बलों को निशाना बनाया। देब ने राज्य में हिंसा के माहौल के लिए सीधे तौर पर मुख्यमंत्री को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि, सत्तारूढ़ दल इन आरोपों को चुनावी हथकंडा बता रहा है। फिलहाल, चुनाव आयोग की इन सख्त कार्रवाइयों ने स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की हिंसा या भड़काऊ बयानबाजी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

असम में चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस एक ही कम्युनिटी की पार्टी बन जाएगी : सीएम सरमा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस पर सिर्फ एक समुदाय की पार्टी होने का आरोप लगाया। हिमंता ने कहा कि करीब 99 फीसदी हिंदू कांग्रेस छोड़ना चाहते हैं। राज्य में इसके टूटने का प्रोसेस पहले ही शुरू हो चुका है। नतीजों के बाद कांग्रेस एक ही कम्युनिटी की पार्टी बन जाएगी। असम में 9 अप्रैल को सिंगल फेज में चुनाव हैं। 30 मार्च को पीएम मोदी नमो ऐप के जरिए एक रैली को वर्चुअली संबोधित करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राज्य बीजेपी ने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और नागरिकों से इस अनोखी और इंटरैक्टिव पहल में हिस्सा लेने के लिए ऐप डाउनलोड करके रजिस्टर करने की बात कही है। असम में 126 सीटों वाली विधानसभा के लिए मौजूदा बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार और कांग्रेस के बीच मुकाबला होगा। सरमा के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार लगातार तीसरा कार्यकाल हासिल करने की कोशिश करेगी जबकि कांग्रेस का लक्ष्य सत्ता में फिर वापसी का है।

शंकराचार्य पर केस करने वाले ब्रह्मचारी को पाकिस्तान से मिली धमकी कहा- बम से उड़ा देंगे

शामली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के शामली जनपद के कांधला क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट (मथुरा) के अध्यक्ष आशुतोष ब्रह्मचारी को जान से मारने की धमकी दी गई है। आशुतोष महाराज ने आरोप लगाया है कि उन्हें और उनके अधिवक्ता को बम से उड़ाने की सीधी चेतावनी दी गई है। इस मामले ने तब और भी गंभीर रूप अख्तियार कर लिया जब पुलिस की प्रारंभिक जांच में वह मोबाइल नंबर पाकिस्तान का पाया गया। अंतरराष्ट्रीय नंबर से आई इस कॉल ने सुरक्षा एजेंसियों और स्थानीय प्रशासन के कान खड़े कर दिए हैं। इस पूरे विवाद की जड़ स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से जुड़ा एक कानूनी मामला बताया जा रहा है। आशुतोष ब्रह्मचारी ने उच्च न्यायालय द्वारा स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को दी गई अग्रिम जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है और वहां एक विशेष अनुमति याचिका दाखिल की है। महाराज के अनुसार, जैसे ही उन्होंने 25 मार्च को देश की शीर्ष अदालत में इस मामले की पैरवी तेज की, उन्हें डराने-धमकाने का सिलसिला शुरू हो गया। शुक्रवार शाम लगभग 5:53 बजे उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई, जिसमें फोन करने वाले ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से अपनी याचिका वापस नहीं ली, तो उन्हें और उनके वकील को बम से उड़ा दिया जाएगा। घटना की सूचना मिलते ही कांधला थाना पुलिस और भारी बल मौके पर पहुंचा। शामली के पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल सर्विलांस टीम को सक्रिय किया। जांच में पुष्टि हुई है कि जिस नंबर से धमकी भरी कॉल आई थी, उसका कंट्री कोड पाकिस्तान का है। एसपी ने बताया कि तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर गहन जांच जारी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस अंतरराष्ट्रीय कॉल के पीछे स्थानीय स्तर पर कौन लोग शामिल हो सकते हैं। आशुतोष ब्रह्मचारी ने पुलिस को शिकायती पत्र सौंपकर अपनी और अपने सहयोगियों की जान को खतरा बताते हुए अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे धर्म और न्याय की इस लड़ाई से पीछे नहीं हटेंगे। फिलहाल, पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और कांधला स्थित उनके आवास के आसपास सतर्कता बढ़ा दी गई है। खुफिया एजेंसियां भी इस कॉल के मूल स्रोत और किसी संभावित साजिश की जांच में जुट गई हैं।

असम में मिया वाले बयान से गरमाई सियासत, जुबानी जंग के भरोसे लड़ा जा रहा विस चुनाव

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव के करीब आते ही राज्य की राजनीति में जुबानी जंग और तीखी हो गई है। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल के एक ताजा बयान ने राज्य के सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। गुवाहाटी में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए अजमल ने दावा किया कि आगामी चुनाव के बाद असम की राजनीति में मिया समुदाय का दबदबा काफी बढ़ जाएगा और वर्तमान मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का प्रभाव कम हो जाएगा। उनका कहना है कि चुनाव परिणामों के बाद राज्य का सत्ता संतुलन पूरी तरह बदल जाएगा।

असम की राजनीति में मिया शब्द का प्रयोग बंगाली भाषी मुसलमानों के लिए किया जाता है। राज्य की करीब 3.12 करोड़ की आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी लगभग 34 प्रतिशत है, जिसमें से बड़ा हिस्सा बंगाली भाषी मुसलमानों का है। अजमल का यह बयान मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के उस पिछले विवादित बयान के जवाब के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री ने कहा था कि पिछले पांच वर्षों में उनकी सरकार ने मियाओं के हाथ-पैर तोड़े हैं और अगले पांच वर्षों में उनकी कमर तोड़ दी जाएगी। इन बयानों के बाद राज्य में ध्रुवीकरण की राजनीति और तेज होने की संभावना है।

इस चुनावी समर में एआईयूडीएफ को असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी का भी साथ मिल रहा है। अजमल ने जानकारी दी है कि ओवैसी 2 और 3 अप्रैल को असम के दौरे पर रहेंगे, जहां वे विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में कम से कम आठ जनसभाओं को संबोधित करेंगे। खुद बदरुद्दीन अजमल इस बार बिन्नाकांडी सीट से मैदान में हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में धुबरी सीट से मिली करारी हार के बाद अजमल के लिए यह चुनाव साख की लड़ाई बन गया है। पार्टी के चुनावी इतिहास पर नजर डालें तो 2016 में एआईयूडीएफ ने 13 सीटें जीती थीं, जबकि 2021 में कांग्रेस के साथ गठबंधन कर यह आंकड़ा 15 तक पहुंचा था। इस बार 2026 के चुनाव में पार्टी ने 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। असम की सभी 126 विधानसभा सीटों के लिए 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा, जबकि चुनाव के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। इस चुनाव के परिणाम यह तय करेंगे कि असम की सत्ता की चाबी किसके हाथ में होगी।

खाड़ी युद्ध से गहराते पेट्रोलियम संकट के बीच यूपी में गोबर गैस बनेगी राहत का जरिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में हलचल पैदा कर दी है। युद्ध की इन परिस्थितियों के कारण पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति बाधित होने का खतरा मंडरा रहा है। इस संभावित संकट को भांपते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर बड़े पैमाने पर काम शुरू कर दिया है। सरकार की योजना प्रदेश भर की गौशालाओं में गोबर गैस प्लांट (बायोगैस) स्थापित कर एलपीजी रसोई गैस का एक ठोस विकल्प तैयार करने की है।

इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत उत्तर प्रदेश में संचालित सभी 7,527 गौशालाओं और गो-आश्रय स्थलों को ऊर्जा उत्पादन के केंद्रों में बदला जाएगा। वर्तमान में राज्य के इन केंद्रों में लगभग 12.39 लाख गोवंशीय पशु मौजूद हैं। अब तक इन गौशालाओं से प्राप्त गोबर का मुख्य उपयोग केवल जैविक खाद या कंपोस्ट बनाने तक सीमित था, लेकिन अब इसके एक-एक अंश का उपयोग ईंधन उत्पादन के लिए किया जाएगा। वर्तमान में 80 बड़ी गौशालाओं में बायोगैस प्लांट पूरी तरह क्रियाशील हैं, जिन्हें सफलता के मॉडल के रूप में देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश गो-सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस परियोजना को मिशन मोड पर चलाने के निर्देश दिए हैं। योजना का उद्देश्य न केवल ईंधन के मामले में आत्मनिर्भरता हासिल करना है, बल्कि ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों को रसोई गैस की कीमतों में संभावित बढ़ोतरी से राहत दिलाना भी है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक क्रांतिकारी कदम साबित होगी।

रणनीति के अनुसार, पहले चरण में सरकारी और संरक्षित गौशालाओं में प्लांट लगाए जाएंगे। इसके बाद दूसरे चरण में व्यक्तिगत पशुपालकों को भी इस दायरे में लाया जाएगा। आंकड़ों पर गौर करें तो प्रदेश में 6,433 अस्थायी गौशालाओं में 9.89 लाख, 518 वृहद गो-संरक्षण केंद्रों में 1.58 लाख और कान्हा व कांजी हाउस जैसे केंद्रों में हजारों गोवंश पल रहे हैं। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत भी लाखों गोवंश पशुपालकों के पास हैं, जिन्हें इस श्रृंखला से जोड़ने की तैयारी है। विशेषज्ञों का मानना है कि खाड़ी देशों में छिड़ा युद्ध यदि लंबा खींचता है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है, तो उत्तर प्रदेश का यह स्वदेशी विकल्प आम जनता के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच का काम करेगा। इससे न केवल कचरे का सही प्रबंधन होगा, बल्कि गांवों में ऊर्जा के सस्ते और सुलभ स्रोत उपलब्ध होंगे।

एमआई विरुद्ध केकेआर : वानखेड़े में हाईवोल्टेज टक्कर

– आंकड़ों में मुंबई भारी लेकिन हालिया फॉर्म में कोलकाता आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के 19वें सीजन की शुरुआत के साथ ही रोमांच अपने चरम पर पहुंचने वाला है। टूर्नामेंट का दूसरा मुकाबला बेहद दिलचस्प रहने की उम्मीद है, जहां मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट रायडर आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला 29 मार्च को मुंबई के वानखेडे स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दोनों टीमें जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करना चाहेंगी।

मुंबई इंडियंस की कप्तानी हार्दिक पाण्डया के हाथों में है, जबकि कोलकाता नाइटराइडर्स की कमान अजिंक्य रहाणे संभाल रहे हैं। दोनों कप्तानों के लिए यह मुकाबला खास होगा, क्योंकि शुरुआती जीत टीम के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दे सकती है। अगर दोनों टीमों के हेड-टू-हेड रिकॉर्ड की बात करें तो यहां मुंबई इंडियंस का पलड़ा साफ तौर पर भारी नजर आता है। अब तक दोनों के बीच कुल 35 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें मुंबई ने 24 मैच जीते हैं, जबकि कोलकाता को सिर्फ 11 मैचों में जीत मिली है। शुरुआती सीजन में मुंबई ने लगातार दबदबा बनाए रखा और 2008-09 में सभी मुकाबले अपने नाम किए।

हालांकि, 2012 के बाद तस्वीर थोड़ी बदली। 2014 और 2015 में केकेआर ने मुंबई पर बढ़त बनाई और चार में से तीन मैच जीते। इसके बाद 2016 से 2018 तक मुंबई ने फिर से पूरी तरह वापसी करते हुए लगातार सात मुकाबले जीत लिए। लेकिन हालिया सीजनों पर नजर डालें तो कोलकाता ने बेहतर प्रदर्शन किया है। पिछले चार सीजन में दोनों टीमों के बीच खेले गए छह मुकाबलों में से चार में केकेआर ने जीत दर्ज की है, जो उनके आत्मविश्वास को दर्शाता है। खिताब की बात करें तो मुंबई इंडियंस अब तक पांच बार आईपीएल ट्रॉफी जीत चुकी है और छठे खिताब की तलाश में है। टीम ने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में खिताब अपने नाम किए थे। वहीं, कोलकाता नाइटराइडर्स तीन बार (2012, 2014 और 2024) चैंपियन बन चुकी है और इस सीजन में अपने प्रदर्शन को और मजबूत करना चाहेगी।

कुल मिलाकर यह मुकाबला आंकड़ों और मौजूदा फॉर्म के बीच दिलचस्प जंग होने वाला है। जहां एक ओर इतिहास मुंबई के पक्ष में है, वहीं हालिया प्रदर्शन के आधार पर कोलकाता को हल्के में नहीं आंका जा सकता। क्रिकेट फैंस के लिए यह मैच एक रोमांचक शुरुआत का वादा करता है।

मुंबई इंडियंस की टीम

रॉबिन मिंज, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, रयान रिकेलटन, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या (कप्तान), राज बावा, विल जैक्स, कॉर्बिन बॉश, मिशेल सैंटनर, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, अश्वनी कुमार, जसप्रित बुमरा, दीपक चाहर, मयंक मारकंडे, शार्दुल ठाकुर, क्विंटन डी कॉक, एएम गजनफर, रघु शर्मा, मयंक रावत, दानिश मालेवार, अथर्व अंकोलेकर, मोहम्मद सलाउद्दीन इजहार.

कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम

अजिंक्य रहाणे, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, हर्षित राणा, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती, कैमरून ग्रीन, फिन एलन, मथीशा पथिराना, कार्तिक त्यागी, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, तेजस्वी दहिया, सार्थक रंजन, रचिन रवींद्र, आकाश दीप, प्रशांत सोलंकी, दक्ष कामरा.

मियामी ओपन 2026: यानिक सिनर ने ज्वेरेव को हराकर फाइनल में बनाई जगह, लेहेका से होगी भिड़ंत

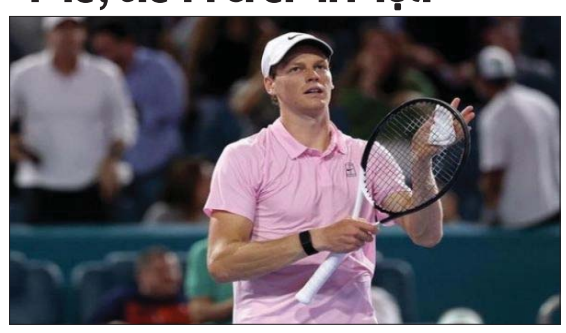

मियामी (एजेंसी)। मियामी ओपन 2026 में दुनिया के नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी इटली के यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर फाइनल में जगह बना ली है। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना चेक गणराज्य के जिरी लेहेका से होगा।

24 वर्षीय सिनर ने सेमीफाइनल में ज्वेरेव को 6-3, 7-6 (7/4) से हराया। यह ज्वेरेव के खिलाफ उनकी लगातार सातवीं जीत रही। इसके साथ ही सिनर ने मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार जीते गए सेट्स की संख्या 32 तक पहुंचा दी।

विंबलडन चैंपियन सिनर इससे पहले इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में भी ज्वेरेव को हरा चुके हैं और अब वह तीन साल में अपना दूसरा मियामी ओपन खिताब जीतने के करीब हैं। वह 2017 में रोजर फेडरर के बाद 'सनशाइन डबल' (इंडियन वेल्स और मियामी दोनों खिताब) हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं।

दूसरी ओर, 21वीं वरीयता प्राप्त लेहेका ने फ्रांस के आर्थर फिल्स को एकतरफा मुकाबले में 6-2, 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। लेहेका ने पूरे टूर्नामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है और यह उनका पहला एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल होगा।

हालांकि, लेहेका का रिकॉर्ड सिनर के खिलाफ अच्छा नहीं रहा है। दोनों के बीच अब तक खेले गए तीनों मुकाबलों में सिनर ने जीत दर्ज की है और लेहेका एक भी सेट नहीं जीत सके हैं।

Also Read - देवरिया पुलिस ने 119 वाहनों का किया ई-चालान

महिला वर्ग में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका भी 'सनशाइन डबल' पूरा करने की कोशिश में हैं। वह फाइनल में अमेरिका की कोको गॉफ के खिलाफ अपने खिताब का बचाव करेंगी।

लेहेका ने मैच के बाद कहा कि वह इस प्रदर्शन से बेहद खुश हैं और पूरे सीजन की मेहनत का नतीजा अब देखने को मिल रहा है। वह अपने करियर के तीसरे एटीपी खिताब की तलाश में हैं।

यह फाइनल मुकाबला काफी रोमांचक होने की उम्मीद है, जहां अनुभवी और शानदार फॉर्म में चल रहे सिनर का सामना युवा और आत्मविश्वास से भरे लेहेका से होगा।

धोनी आईपीएल के शुरुआती मैचों से बाहर हुए

चेन्नई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों से बाहर हो गये हैं। धोनी के बाहर होने से टूर्नामेंट शुरु होने से पहले ही सीएसके की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। इसका कारण है कि धोनी टीम का हौंसला बढ़ाने के साथ ही उसे मार्गदर्शन भी देते रहे हैं। वह पिंडली में आये खिंचाव के कारण अभी रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में उनका शुरुआत से खेलना संभव नहीं है। सीएसके का मैच 30 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स से होगा। इसमें टीम को उनकी कमी खलेगी।

धोनी के बाहर होने से साफ है कि अब सैमसन उनकी जगह पर विकेटकीपर रहेंगे। सीएसके अपना पहला मुकाबला सोमवार को राजस्थान रॉयल्स ये खेलेगी। उसे पहले दो सप्ताह में पंजाब किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स से भी खेलना है। धोनी के नहीं होने से विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अब विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभालेंगे।

इस सत्र से पहले सैमसन को सीएसके ने ट्रेड डील के जरिये हासिल किया था। अब वह कप्तान रितुराज गायकवाड़ के साथ पारी की शुरुआत भी करेंगे। धोनी ने पिछले साल सभी मैच खेले थे हालांकि वह घुटने की परेशानी क कारण निचले क्रम पर उतरे थे। ऐसे मे उन्हें काफी कम गेंदें खेलने को मिलती है।

धोनी के अलावा सीएसके को तेज गेंदबाज नाथन एलिस की कमी भी खलेगी। उनकी जगह स्पेंसर जॉनसन को शामिल किया है। पिछले साल सीएसके का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और वह सबसे निचले स्तर पर रही थी। अब देखना है कि इस बार सीएसके क्या करती है।

अपनी पत्नियों के कारण खिलाड़ी लेते हैं संन्यास.., योगराज सिंह का विवादित बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह अक्सर अपने अजीबो-गरीब बयानों के कारण सुर्खियों में रहते हैं। इसी कड़ी में उन्होंने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। उन्होंने ये बयान खिलाड़ियों की पत्नियों को लेकर दिया है जिससे वो आलोचकों के निशाने पर आ गए हैं। योगराज ने साफ कहा कि उम्र को खिलाड़ी के प्रदर्शन से जोड़ना गलत है। उनके मुताबिक फिटनेस और प्रदर्शन ही किसी खिलाड़ी के करियर का असली पैमाना होना चाहिए, ना कि उम्र।

इनसाइड स्पोर्ट्स को दिए इंटरव्यू में योगराज सिंह ने कहा कि, भारत में लोग 40 की उम्र के बाद खुद को बूढ़ा मानने लगते हैं, महिलाएं 30 के बाद कहती हैं कि अब हम फिट नहीं रह सकते, बच्चे बड़े हो गए हैं। लेकिन खेल को उम्र से जोड़ना बिल्कुल गलत है।

योगराज सिंह ने कहा कि, अक्सर घर की महिलाएं, पत्नियां आपको समझाने लगती हैं कि अब रिटायर हो जाओ, परिवार और बच्चों पर ध्यान दो। मेरा मानना है कि महिलाओं को खिलाड़ी और उसके करियर के बीच नहीं आना चाहिए। एक खिलाड़ी और एक फकीर का कोई धर्म या वर्ग नहीं होता, वे भगवान के होते हैं। जब तक वे जिंदा हैं बहुत कुछ कर सकते हैं।

वहीं योगराज सिंह ने विराट कोहली और रोहित शर्मा पर निशाना साधते हुए साफ कहा है कि खिलाड़ियों को उम्र नहीं, बल्कि अपने प्रदर्शन से जवाब देना चाहिए। योगराज ने अपने बेबाक अंदाज में कहा कि, रोहित शर्मा और विराट कोहली अभी युवा खिलाड़ी हैं और रिटायर होने की सोच रहे हैं। लानत है ऐसी जिंदगी पर दुनिया को दिखाओ की तुम सबसे बेहतरीन हो, तुम अपरिहार्य हो।

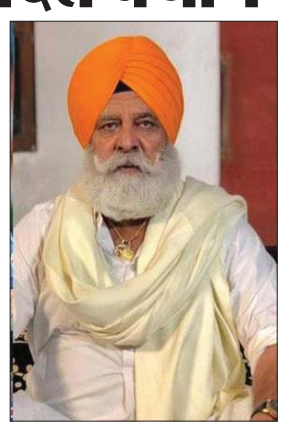

बांग्लादेश की नई सरकार ने आईपीएल प्रसारण पर रोक हटाई

ढ़ाका। बांग्लादेश की नई सरकार ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के प्रसारण पर लगी रोक हटा दी है। इससे पहले की यूनुस सरकार ने ये रोक लगायी थी। एक रिपोर्ट के अनुसार नये सूचना और प्रसारण मंत्री जहीर उद्दीन स्वपन ने कहा है कि बांग्लादेश में आगामी आईपीएल सत्र के प्रसारण पर कोई रोक नहीं है। जहीर उद्दीन स्वपन ने कहा, आईपीएल प्रसारण के लिए हालांकि अभी तक किसी ने भी हमसे आवेदन नहीं किया है। हम खेल में राजनीति को नहीं मिलाना चाहते। ऐसे में अगर कोई चैनल आईपीएल के प्रसारण के लिए हमसे आवेदन करता है, तो हम उस पर विचार करेंगे। वहीं इससे पहले, युवा और खेल मामलों के राज्य मंत्री अमीनुल हक ने कहा था कि वह पिछली अंतरिम सरकार की ओर से आईपीएल प्रसारण पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद अधिकारियों से बात करेंगे।प्रसारण मंत्री ने कहा कि हम किसी को भी इसके प्रसारण से नहीं रोकेंगे। अगर स्टार स्पोर्ट्स इसका प्रसारण करना चाहता है, तो वह कर सकता है। अगर हमारे चैनलों में से कोई इसका प्रसारण करना चाहता है, तो हम किसी को नहीं रोकेंगे। बांग्लादेश के केबल ऑपरेटर्स एसोसिएशन के कार्यालय सचिव, रेजाउल करीम लबलू का कहना है कि वे स्टार स्पोर्ट्स को आईपीएल का प्रसारण करने से नहीं रोकेंगे, हालांकि इस संबंध में सरकार की ओर से कोई निर्देश नहीं मिला है।

आईपीएल में अब कमेंटर की भूमिका निभा रहे अश्विन

मुम्बई। दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में अब कमेंट्री कर रहे हैं। अश्विन इस नई भूमिका में अपनी रणनीतिक समझ और विश्लेषण से दर्शकों पर कितना प्रभाव बनाते हैं ये देखना होगा। अश्विन का कमेंट्री के आने को एक अहम बदलाव माना जा रहा है। इससे साफ है कि अब कमेंट्री में मनोरंजन के साथ ही डेटा, मैच की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा होगी। गौरतलब है कि अश्विन ने अब तक आईपीएल में 221 मैच खेलकर 187 विकेट लिए हैं, ऐसे में उनका अनुभव कमेंट्री में भी नजर आयेगा। इस बार कमेंट्री पैनल काफी बड़ा रहेगा। वीरेंद्र सहवाग, एबी डिविलियर्स, इरफान पठान, सुरेश रैना, हरभजन सिंह, फाफ डु प्लेसिस और अनिल कुंबले जैसे दिग्गज भी इस पैनल में शामिल हैं। इसके अलावा रवि शास्त्री, सुनील गावस्कर, केविन पीटरसन और इयोन मोर्गन भी अपने अलग अंदाज में रहेंगे। इस बार 12 भाषाओं में 160 से ज्यादा कमेंटेर दर्शकों पतक मैच का विवरण पहुंचाएंगे। अश्विन आईपीएल के सबसे सफल गेंदबाजों में रहे हैं। उन्होंने 221 मैचों में 187 विकेट लिए और चेन्नई सुपर किंग्स के साथ 2010 और 2011 में ट्रॉफी जीती थी।

विराट के अलावा आरसीबी से सबसे अधिक मैच खेलने वालों में दो विदेशी भी शामिल

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अब विराट कोहली ने आरसीबी की ओर से सबसे अधिक मैच खेले हैं। कोहली ने साल 2023 तक आरसीबी की कप्तानी करन के साथ ही कुल 143 मैच खेले। विराट के अलावा जिन खिलाड़ियों ने आरसीबी की ओर से सबसे अधिक मैच खेले है उनमें दो विदेशी खिलाड़ी फाफ डु प्लेसिस और डेनियल विटोरी भी शामिल हैं।

फाफ डु प्लेसिस : साल 2022 से 2024 के बीच डु प्लेसिस ने 42 मुकाबलों में आरसीबी की कप्तानी करते हुए 21 जीते और इतने ही मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। गंवाए।

डेनियल विटोरी : न्यूजीलैंड के इस दिग्गज खिलाड़ी ने साल 2011 से 2022 के बीच कुल 22 मुकाबलों में आरसीबी की कप्तानी की। इस दौरान 12 मैच जिताए और 10 मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा।

अनिल कुंबले : दिग्गज स्पिनर ने साल 2009 से 2010 के बीच 26 मुकाबलों में आरसीबी की कमान संभाली। इस दौरान टीम ने 15 मैच जीते, जबकि 11 मुकाबलों को गंवा दिया।

राहुल द्रविड़ : यह खिलाड़ी आईपीएल इतिहास में आरसीबी का पहला कप्तान रहा, जिन्होंने सिर्फ साल 2008 में इस टीम की कमान संभाली। इस दौरान 14 में से सिर्फ 4 ही मैच टीम को जिता सके। 10 मुकाबलों में टीम को हार झेलनी पड़ी।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 103 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

सेंट किट्स (एजेंसी)। सेंट किट्स के बासेटेरे में शुक्रवार रात खेले गए पहले वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने दमदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को 103 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। नई कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स के नेतृत्व में टीम ने शानदार जीत दर्ज की।

पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 341 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। टीम की शुरुआत मजबूत रही और ओपनिंग जोड़ी ने 75 रन जोड़े। जॉर्जिया वोल ने 32 गेंदों में 42 रन बनाए, जबकि फोएबे लिचफील्ड ने 72 गेंदों पर 77 रनों की अहम पारी खेली। एलिस पेरी ने 46 गेंदों में 44 रन बनाकर टीम को मजबूती दी।

मध्यक्रम में कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स ने 47 रन बनाए और निकोला कैरी (49) के साथ 91 रनों की साझेदारी की। अंत में जॉर्जिया वेयरहैम ने 42 रन बनाकर टीम को 300 के पार पहुंचाया। वेस्टइंडीज की ओर से अफी फ्लेचर ने 3 विकेट लिए, लेकिन काफी महंगे साबित हुईं।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही और टीम ने जल्दी विकेट गंवा दिए, जिसमें कप्तान हेले मैथ्यूज का विकेट भी शामिल था। अनुभवी बल्लेबाज स्टेफनी टेलर ने शानदार नाबाद 105 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की, जो उनका 2021 के बाद पहला वनडे शतक था, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। चिनेल हेनरी ने 38 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से किम गर्थ ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके, जबकि एश्ले गार्डनर ने भी अहम योगदान दिया। अंततः वेस्टइंडीज की टीम 238/8 तक ही पहुंच सकी और मुकाबला गंवा बैठी।

टाइगर वुड्स नशे में गाड़ी चलाने के बाद गिरफ्तार , आठ घंटे बाद हुए रिहा

न्यूयॉर्क। विश्व के शीर्ष गोल्फरों में शामिल रहे अमेरिका के टाइगर वुड्स को नशे में गाड़ी चलाने के कारण गिरफ्तार किया गया है हालांकि उन्हें आठ घंटे के बाद जमानत पर रिहा भी कर दिया गया। वुड्स पर आरोप है कि नशे की हालत में गाड़ी चलाते हुए उनकी कार फ्लोरिडा में अपने घर के करीब ही पलट गयी थी। उन्हें गिरफ्तार किये जाने के कुछ ही समय के बाद फ्लोरिडा की एक जेल से रिहा कर दिया गया। वहीं रिपोर्ट्स के अनुसार फ्लोरिडा के कानून के अनुसार, वुडस को कम से कम आठ घंटे जेल में बिताने पड़े। शुरुआती रिपोर्ट्स में मार्टिन काउंटी पुलिस के हवाले से कहा गया है कि जब वुड्स दोपहर करीब 2 बजे एक फ्लैटबेड ट्रक को तेजी से ओवरटेक करने की कोशिश कर रहे थे, तब उनकी लैंड रोवर कार पलट गई। उस समय नशे में थे। उन्होंने पुलिस से जांच में सहयोगी भी नहीं किया और यूरीन जांच के लिए तैयार नहीं हुए। गिरफ्तारी के बाद वुड्स नशे में दिखे। मार्टिन काउंटी पुलिस ने शाम को वुड्स की एक गिरफ्तारी के समय ली गई तस्वीर जारी की, जिसमें उनकी आंखें लाल दिखाई दे रही थीं। उन्हें फ्लोरिडा की मार्टिन काउंटी जेल ले जाया गया था। मार्टिन काउंटी के शेरिफ जॉन बुडेंसिएक ने कहा वुड्स एक लैंड रोवर चला रहे थे। घर के पास एक सड़क पर एक ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश में उनकी गाड़ी पलट गई। गाड़ी एक ट्रेलर से टकराई, सड़क से हट गई, और सड़क पर कुछ दूर घिसटने के बाद पलट गई। वुड्स पर पहले भी सड़क पर लापरवाही से गाड़ी चलाने के मामले दर्ज हैं।हैं। इससे पहले फरवरी 2021 में उनका एसयूवी लॉस एंजिलिस की एक तटीय सड़क पर तेज रफ्तार में नियंत्रण से बाहर होकर सड़क से उतर गया था, जिसमें वह घायल भी हो गये थे।

बैडमिंटन और मैं तुम्हें बहुत याद करेंगे: पीवी सिंधु

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने अपनी लंबे समय की प्रतिद्वंद्वी कैरोलिना मारिन को बैडमिंटन से संन्यास लेने के बाद एक भावुक संदेश में कहा कि बैडमिंटन और मैं तुम्हे बहुत याद करेंगे।

रियो 2016 की स्वर्ण पदक विजेता और तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन कैरोलिना मारिन ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज के जरिए अपने संन्यास की घोषणा की।

पीवी सिंधु ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया मंच इंटस्ट्राम पर स्पेन की कैरोलिना मारिन के संन्यास की घोषणा को लेकर कहा, 'कुछ प्रतिद्वंद्वी हमेशा के लिए आपकी यात्रा का हिस्सा बन जाते हैं। कैरोलिना उनमें से एक थीं। हम पहली बार एक-दूसरे के खिलाफ तब खेले थे जब हम मालदीव में 15 या 16 साल की लड़कियां थीं, और तब से हमने एक साथ कई मुकाबले खेले।'

उन्होंने कहा, 'सच कहूँ तो, कोर्ट पर तुम सचमुच बहुत परेशान करने वाली थीं। लगातार चिल्लना, तुम्हारी आक्रामकता, तुम्हारी छोटी-छोटी चालें–ये सब किसी को भी परेशान कर सकती थीं। लेकिन तुम्हारा कौशल, तुम्हारी गति और तुम्हारी लड़ने की भावना बेजोड़ थी। लोग बड़े-बड़े मुकाबलों को याद करते हैं, और उस तीसरे सेट में शटल उठाने को लेकर हमारे बीच हुई उस तीखी बहस को भी। मैं मानती हूं कि उस दिन मैं पूरी तरह से गुस्से में थी। लेकिन कुछ महीनों बाद, हम मैड्रिड में कॉफी पीते हुए एक-दूसरे के सामने बैठे थे बातें कर रहे थे, हँस रहे थे और उस पल हमारे बीच सिर्फ़ एक-दूसरे के लिए सम्मान था। यही है कैरोलिना, जिसे मैं हमेशा याद रखूंगी।'

सिंधु ने लिखा, 'मैं हमारी पीढ़ी के बीच बनी उस अद्भुत दोस्ती के लिए भी हमेशा आभारी रहूँगी। हमारी लड़कियों के बैच ने 'विमेंस सिंगल्स' को मुकाबले के लिए एक बहुत ही खास जगह बना दिया था; सच कहूँ तो, मुझे नहीं पता कि बैडमिंटन के इतिहास में ऐसा पहले कभी हुआ है या भविष्य में कभी होगा। हर मुकाबले के लिए, हर सीख के लिए, और सबसे बढ़कर–हमारी दोस्ती के लिए–तुम्हारा शुक्रिया। मैं तुम्हारे संन्यास के बाद के जीवन के लिए ढेर सारी खुशियों की कामना करती हूं, कैरोलिना।'

फीफा के टूर्नामेंटों में हिस्सा लेने वाली टीमों को महिला कोच रखना होगा अनिवार्य : फीफा

ज्यूरिख (स्विट्जरलैंड)। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में महिला कोचों की संख्या में वृद्धि को लेकर फीफा ने कुछ नए नियम घोषित किये है। इसके तहत अब फीफा के टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली हर टीम को कम से कम एक महिला मुख्य या सहायक कोच रखना अनिवार्य होगा। हाल ही में हुई एक काउंसिल मीटिंग के बाद फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) ने कुछ नए नियम घोषित किए हैं। इन नियमों का मकसद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में महिला कोचों की संख्या को बढ़ाना है। नए नियमों के अनुसार फीफा के टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेने वाली हर टीम के लिए यह जरूरी होगा कि उसके पास कम से कम एक महिला हेड कोच या असिस्टेंट कोच हो। इसके अलावा, टीम के साथ बेंच पर एक और महिला स्टाफ सदस्य का होना भी जरूरी होगा। फीफा की मुख्य फुटबॉल अधिकारी जिल एलिस ने कहा, 'आज कोचिंग के क्षेत्र में महिलाओं की संख्या काफी कम है। हमें इस बदलाव की रफ्तार तेज करने के लिए और अधिक कोशिशें करनी होंगी। हमें महिलाओं के लिए कोचिंग के साफ रास्ते बनाने होंगे, उनके लिए अधिक मौके पैदा करने होंगे, और उन्हें खेल के मैदान के किनारे (साइडलाइन) पर ज्यादा से ज्यादा पहचान दिलानी होगी। फीफा के ये नए नियम और इनके साथ चलाए जा रहे खास डेवलपमेंट प्रोग्राम, महिला कोचों की आज की और आने वाली पीढ़ियों में एक बड़ा निवेश साबित होंगे।'

नवनीत कौर ने प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड मिलने पर जताई खुशी, टीम को किया समर्पित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम की स्टार फॉरवर्ड नवनीत कौर ने हॉकी इंडिया आठवें वार्षिक अवॉर्ड्स 2025 में 'प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला)' का प्रतिष्ठित सम्मान मिलने पर खुशी जाहिर की। उन्हें यह सम्मान हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड के तहत प्रदान किया गया।

नवनीत कौर के लिए बीता साल बेहद शानदार रहा, जहां उन्होंने भारतीय टीम के लिए लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया। हैदराबाद में आयोजित एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप क्वालीफायर में उन्होंने अहम भूमिका निभाते हुए भारत को रजत पदक दिलाने में योगदान दिया। इस टूर्नामेंट में उन्होंने चार गोल किए और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' भी चुनी गईं।

इसके अलावा महिला एशिया कप 2025 में भी नवनीत का प्रदर्शन दमदार रहा, जहां भारत ने रजत पदक जीता। इस प्रतियोगिता में उन्होंने छह गोल दागे। इसी दौरान उन्होंने अपने करियर का एक बड़ा मुकाम हासिल करते हुए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच भी पूरे किए।

पुरस्कार मिलने के बाद नवनीत कौर ने कहा, 'इस सम्मान को पाकर मैं बेहद गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। यह उपलब्धि मेरी टीम के साथियों के सहयोग और विश्वास के बिना संभव नहीं थी। मैं हॉकी इंडिया का भी धन्यवाद करना चाहती हूं, जो हर साल इस तरह का मंच उपलब्ध कराता है, जिससे खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलती है।'

आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स को लेकर उन्होंने कहा, 'आने वाला समय काफी व्यस्त रहने वाला है। नेशंस कप, वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स जैसे बड़े टूर्नामेंट हमारे सामने हैं। हमारा कैंप जल्द शुरू होगा और हम अपनी कमजोरियों पर काम कर टीम के प्रदर्शन को और बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे।'

अपने व्यक्तिगत लक्ष्य को लेकर नवनीत ने कहा, 'मैं अपने खेल में लगातार सुधार करना चाहती हूं। अभी तक के प्रदर्शन से संतुष्ट हूं, लेकिन आगे और बेहतर करने की गुंजाइश है। बड़े टूर्नामेंट चार साल में एक बार आते हैं, इसलिए मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।'

आगामी बड़े टूर्नामेंट्स को देखते हुए नवनीत कौर पूरी तरह फोकस्ड हैं और भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता दिलाने के लिए प्रतिबद्ध नजर आ रही हैं।

आज मैं जहां हूं, वहां तक पहुंचने के पीछे कड़ी मेहनत है

एक्टिंग इंडस्ट्री में हर कलाकार की जर्नी अलग होती है। कुछ लोग फिल्मों के जरिए पहला कदम रखते हैं तो कुछ टीवी से अपने करियर की शुरुआत करते हैं, लेकिन एक प्लेटफॉर्म में पहचान बनाकर दूसरे प्लेटफॉर्म में पैर जमाना आसान नहीं होता। अभिनेत्री उल्का गुप्ता के लिए भी टीवी से फिल्मों में कदम रखना चुनौती भरा अनुभव रहा है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी और धीरे-धीरे फिल्मों में पहचान बनाने लगी। उल्का गुप्ता ने इंटरव्यू में अपने करियर के अब तक के सफर को याद किया। उल्का गुप्ता ने कहा, ''टीवी से फिल्म इंडस्ट्री तक का सफर तय करना बिल्कुल भी आसान नहीं था। मैंने कई सालों तक छोटे पर्दे पर काम किया है और अभिनय की बारीकियां सीखी हैं, लेकिन जब फिल्मों में आने की बारी आई तो मुझे कई ऑडिशन्स से गुजरना पड़ा और खुद को साबित करना पड़ा। आज मैं जहां खड़ी हूं, वहां तक पहुंचने के पीछे कड़ी मेहनत है।''

बता दें कि उल्का गुप्ता ने अपने करियर की शुरुआत लोकप्रिय टीवी शो 'झांसी की रानी' से की थी। इस शो में उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई के बचपन के किरदार 'मणिकर्णिका' की भूमिका निभाई थी। इस किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस शो को लेकर उन्होंने कहा, ''इस शो ने मेरे करियर को एक मजबूत नींव दी है और मेरी एक बेहतर कलाकार बनने में मदद की है।'' उन्होंने अपना फिल्मी सफर 'सिम्बा' से शुरू किया था, जिसमें उन्होंने एक्टर रणवीर सिंह की बहन का रोल निभाया था। 'केरल स्टोरी 2' फिल्म में उन्होंने 'सुरेखा' का किरदार निभाया। इसे लेकर उन्होंने कहा, ''फिल्में समाज का आईना होती हैं। समाज में जो कुछ भी घटित होता है, वही फिल्मों के जरिए दिखाया जाता है। फिल्में समाज की सच्चाई को सामने लाती हैं और कई बार समस्या का हल भी दिखाने की कोशिश करती हैं।''

करण जौहर के 'द ट्रेटर्स सीजन 2' में नजर आएंगी मल्लिका शेरावत!

'बिग बॉस', 'द 50', 'द सोसाइटी' जैसे रियलिटी शोज के बाद अब करण जौहर का 'द ट्रेटर्स सीजन 2' भी आने वाला है। जिसका ऐलान हाल ही में प्राइम वीडियो के एक इवेंट में किया गया था। इसकी शूटिंग इस समय राजस्थान के जैसलमेर में चल रही है, जिसके कंटेस्टेंट्स की लिस्ट ने ध्यान खींचा है। बताया जा रहा है कि इस शो में बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत नजर आएंगी। इस बात की पुष्टि भी अब हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, मल्लिका शेरावत 'द ट्रेटर्स सीजन 2' की शूटिंग के लिए जैसलमेर पहुंच गई हैं। उनका पिछले एक महीने से नाम सामने आ रहा था कि वह इसका हिस्सा बनेंगी और इन अटकलों पर अब फुल स्टॉप लग गया है। हालांकि एक्ट्रेस की तरफ से न तो इस बात की पुष्टि की गई है और न ही खंडन किया गया।

द ट्रेटर्स सीजन 2 की शूटिंग शुरू

'द ट्रेटर्स' के पहले सीजन की तरह इस बार भी शूटिंग आलीशान सूर्यगढ़ पैलेस में हो रही है। यहां हाई-प्रोफाइल इवेंट्स होते हैं। जनवरी, 2023 में

किराया आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा की शादी यहीं पर हुई थी। इसका पहला सीजना प्राइम वीडियो पर ही स्ट्रीम हुआ था और दूसरा भी यहीं आएगा। पहले उर्फी जावेद और निकिता लूथर ने इसे जीता था। और करण ने होस्ट किया था।

मल्लिका की फिल्में

मल्लिका शेरावत लंबे समय से विदेश में रह रही हैं। उन्हे आखिरी बार 2024 में राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी स्टारर 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' में देखा गया था। उन्हें 'मर्डर' से पॉप्युलैरिटी मिली थी। इसके बाद उन्होंने अन्य हिंदी फिल्मों में भी काम करके अपनी पहचान बनाई थी। वह ब्रूनो मार्स के साथ 'व्हाटा मैन' के म्यूजिक वीडियो में भी दिखी थीं।

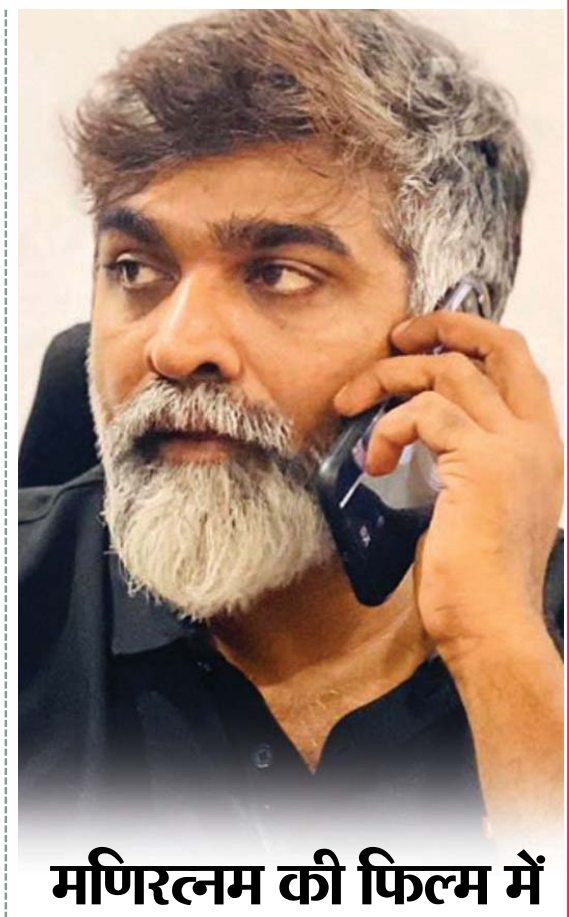

मणिरत्नम की फिल्म में नजर आएंगे विजय सेतुपति, मुख्य अभिनेत्री के तौर पर होगी साई पल्लवी

साउथ अभिनेता विजय सेतुपति इन दिनों अपनी कई फिल्मों की शूटिंग में काफी व्यस्त हैं। विजय जल्द ही मशहूर निर्देशक मणिरत्नम की अगली फिल्म में काम शुरू करने वाले हैं।

यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म होगी। इसमें विजय के साथ साई पल्लवी मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी। विजय की मणिरत्नम के साथ यह दूसरी फिल्म है। इस फिल्म से पहले वह मणिरत्नम के साथ 2018 में फिल्म 'चेक्का चिवंथा वानम' नाम की फिल्म में काम कर चुके हैं, लेकिन इस बार कुछ बिल्कुल अलग और नया करने जा रहे हैं।

कब शुरू होगी शूटिंग

रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म की शूटिंग इस साल गर्मियों में शुरू हो सकती है। इस फिल्म के म्यूजिक के लिए प्रतिभा साई अभ्यंकर से बात चल रही है। फिल्म को मद्रास टॉकीज और लाइका प्रोडक्शंस मिलकर बना रहे हैं। हालांकि, अभी इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। विजय सेतुपति की आने वाली तमिल फिल्म 'अरसन' है। इसमें सिलंबरासन मुख्य भूमिका में हैं। यह एक गैंगस्टर एक्शन ड्रामा है, जिसका संगीत अनिरुद्ध रविचंदर दे रहे हैं। पहले अफवाहें थीं कि व्यस्तता के कारण विजय इस प्रोजेक्ट से बाहर हो गए, लेकिन अब विजय ने साफ कर दिया है कि वह इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म की शूटिंग जारी है।

पॉकेट नॉवेल में नजर आएंगे विजय

विजय सेतुपति निर्देशक थियागराजन कुमारराजा की फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' में काम कर रहे हैं। इसमें मालविका मोहनन और राज बी शेट्टी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में किशोर भी महत्वपूर्ण किरदार में होंगे। इसकी पटकथा एंड्रयू लुईस ने लिखी है। इसका संगीत इलैयाराजा का है।

'हीरामंडी द डायमंड बाजार' के बाद करण जौहर के साथ काम करेंगे ताहा शाह बदुशा

यूएई में जन्मे बॉलीवुड अभिनेता ताहा शाह बदुशा अब बहुत प्रसिद्ध हो गए हैं। उन्होंने नेटफ्लिक्स की सीरीज 'हीरामंडी' में नवाब ताजदार का रोल निभाकर अपनी एक अलग पहचान बना ली है। 'हीरामंडी' में उनके किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया। अब वह जल्द ही करण जौहर की एक सीरीज में नजर आने वाले हैं। वैरायटी की एक खबर के अनुसार, अब ताहा शाह बदुशा करण जौहर की कंपनी धर्मा प्रोडक्शन की नई सीरीज 'नजदीकियां' में मुख्य भूमिका निभाएंगे। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। यह सीरीज करण जौहर की पुरानी फिल्म 'कभी अलविदा ना कहना' पर आधारित हो सकती है। उस फिल्म में शाहरुख खान, रानी मुखर्जी, प्रीति जिंटा और अभिषेक बच्चन थे। नई सीरीज में ताहा शाह बदुशा के साथ परेश पाहुजा, आकांक्षा सिंह और निकिता दत्ता भी मुख्य भूमिकाओं में होंगे।

फोर्स के तीसरे सीक्वल के लिए वजन बढ़ा रहे हैं हर्षवर्धन राणे

हर्षवर्धन राणे इन दिनों अपनी फिल्म 'फोर्स' के तीसके सीक्वल को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म के लिए हर्षवर्धन को कड़ी मेहनत करनी पड़ रही है, जिसको लेकर अभिनेता ने सोशल मीडिया पोस्टर के जरिए अपने निर्धारित वजन बढ़ाने के टारगेट के बारे में खुलाया किया है। हर्षवर्धन ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर जिम से अपनी कई तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही बताया कि अगले महीने फिल्म में आने वाले एक बड़े एक्शन सीन के लिए उन्हें अपना वजन बढ़ाना पड़ रहा है।

कितना वजह है बढ़ाना

हर्षवर्धन ने लिखा कि पहले फिल्म 'सनम तेरी कसम' और 'एक दीवाने की दीवानियत' के समय उनका वजन 81 किलो था। लेकिन इस फिल्म के लिए उन्हें 92 किलो तक पहुंचना है। अभी उनका वजन 90 किलो है, यानी सिर्फ 2 किलो और बढ़ाना बाकी है।

कब रिलीज होगी 'फोर्स 3'

6 मार्च को 'फोर्स 3' की शूटिंग गुजरात में शुरू हुई। टीम ने पूजा समारोह के साथ काम की शुरुआत की। फिल्म में जॉन अब्राहम (एसीपी यशवर्धन), हर्षवर्धन राणे और तान्या मानिकतला मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसे भव धूलिया निर्देशित कर रहे हैं। यह फोर्स सीरीज की तीसरी फिल्म है और 2027 में रिलीज होने की उम्मीद है।

इंडियन सोल और अमेरिकन टेक्नीक का मेल है 'डकैत'

अदिवि शेष जल्द ही 'डकैतः ए लव स्टोरी' में नजर आने वाले हैं। फिल्म में उनके साथ मृणाल ठाकुर भी हैं। अदिवि शेष का कहना है कि डकैत, हिंसक बैकड्रॉप में रची गई एक ऐसी प्रेम कहानी है, जिसमें दो किरदारों के बीच प्यार और नफरत का एक बेहद बारीक और गहरा संघर्ष दिखेगा।

यह प्रेम कहानी होने के बावजूद आपने शीर्षक 'डकैत' क्यों चुना?

फिल्म का विचार हमारे सिनेमाई जुनून और पुरानी यादों का मेल है। मैं और मेरे करीबी दोस्त व निर्देशक शनि, हम दोनों ही 'द मैग्निफिसेंट सेवन' और 'द गुड, 'द बैड एंड द अग्ली' जैसी क्लासिक काउबॉय फिल्मों के प्रशंसक रहे हैं। काफी समय से मेरा मन एक प्रेम कहानी पर काम करने का था, लेकिन मैं उसे पारंपरिक रूप में नहीं देखना चाहता था। हमने सोचा, क्या होगा अगर तपते रेगिस्तान, रेल की पटरियों, बंदूकों और खून-खराबे के उस खौफनाक काउबॉय माहौल के बीच एक 'एंग्री लव स्टोरी' बुनी जाए? बस, इसी कल्पना ने 'डकैत' को जन्म दिया। यह असल में डकैती के हिंसक बैकड्रॉप में रची गई एक ऐसी प्रेम कहानी है, जहां दो किरदारों के बीच प्यार और नफरत का एक बेहद बारीक और गहरा संघर्ष चलता है।

क्या लीड पेयर पूरी तरह से डकैती से जुड़ा है?

देखिए जब माहौल ही इतना कठोर हो, तो किरदारों को भी उसी रंग में ढलना पड़ता है। यही वजह है कि यह कहानी एक बिल्कुल अलग और यूनिक संयोजन बनकर सामने आई है। आमतौर पर दर्शक या तो पूरी तरह एक्शन से भरी फिल्म देखते हैं, या फिर एक ऐसी प्रेम कहानी, जहां भावनाएं आंसुओं और गीतों में बहती हैं। लेकिन हमने इस सोच को थोड़ा मोड़ा। हमने तय किया कि इस बार प्यार की बात तो होगी, लेकिन उस नरम, मासूम अंदाज में नहीं, बल्कि गुस्से, टकराव और तीखे जज्बातों के साथ। यानी यह एक ऐसी प्रेम कहानी है, जहां भावनाएं दबी नहीं रहती, बल्कि खुलकर, तेज और कभी-कभी चिल्लाते हुए सामने आती हैं।

इस फिल्म में आपने प्यार का कौन सा अनछुआ पहलू छुआ है?

फिल्म 'डकैत' की प्रेम कहानी पारंपरिक सामाजिक संघर्षों, जैसे जाति, धर्म या अमीरी-गरीबी तक सीमित नहीं है। इसका केंद्र किरदारों की आंतरिक संवेदनाएं और उनके निजी अनुभव हैं। यहां प्रेम को एक बेहद व्यक्तिगत एहसास की तरह दिखाया गया है, जो माता-पिता और संतान के रिश्ते जितना गहरा हो सकता है। जब भावनाएं इतनी निजी हो जाती हैं, तो उनका प्रभाव भी अनोखा बनता है। कहानी इस बात को टटोलती है कि कोई रिश्ता क्यों खास बनता है और टूटने पर भीतर क्या बदल जाता है, यही इसकी असली ताकत है।

' एक्शन और इसकी कोरियोग्राफी आपके लिए कैसी रही?

मैं अपनी एक्शन कोरियोग्राफी के लिए जाना जाता हूं। मैं नियमित रूप से 'मास' फिल्में नहीं करता, बल्कि मुझे 'हाइपर-रियल' एक्शन पसंद है, जो दिखने में असली भी लगे और ग्लैमरस भी। अगर मेरी फिल्म में कोई बंदा हवा में उड़ रहा है, तो उसके पीछे एक तार्किक कारण होना चाहिए। इस फिल्म के निर्देशक सुनील, जो मेरे बहुत अच्छे दोस्त भी हैं, उन्होंने सिनेमैटोग्राफी की थी। वह अब डायरेक्टर बन गया है। हम दोनों की एक्शन को लेकर जो अमेरिकन सेंसिबिलिटी है, उसे हम इस फिल्म में लेकर आए हैं। हॉलीवुड की तकनीक और जिस तरह से वे एक्शन को कट और डायरेक्ट करते हैं, हमने उसे इस्तेमाल किया है।

अनुराग कश्यप से इस प्रोजेक्ट को लेकर पहली बार कब बात हुई?

मेरे दोस्त शोभिता धुलिपाला और नागा चैतन्य की शादी का मौका था, जहां अनुराग कश्यप भी मौजूद थे। मैंने मौका देखते ही अनुराग सर का हाथ पकड़ा और उसी माहौल में उन्हें 'डकैत' की कहानी सुनानी शुरू कर दी। शादी के जश्न के बीच ही मैंने उन्हें फिल्म के लिए पिच किया और इसी तरह वे हमारे इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन गए।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में प्रवासियों को बिना जमानत हिरासत में रखने पर बड़ा फैसला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को बड़ी राहत देते हुए फैसला सुनाया है कि सरकार प्रवासियों को बिना जमानत के हिरासत में रख सकती है। यह फैसला 8वीं सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स ने दिया, जिसने पहले के निचली अदालत के आदेश को पलट दिया। पहले कहा गया था कि बिना दस्तावेजों के पकड़े गए लोगों को जमानत सुनवाई का अधिकार मिलना चाहिए। यह मामला मेक्सिको के नागरिक जोकिन हेरेरा एविला से जुड़ा था, जिन्हें 2025 में गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने जमानत की मांग की थी, लेकिन अब अदालत ने कहा कि कानून के तहत सरकार उन्हें हिरासत में रख सकती है। यह दूसरा बड़ा फैसला है जो ट्रंप प्रशासन के सख्त इमिग्रेशन रुख के पक्ष में गया है। अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने इसे बड़ी जीत बताया है। हालांकि, मानवाधिकार संगठनों ने इस फैसले पर चिंता जताई है और कहा है कि इससे हजारों लोगों की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। यह मामला अब अमेरिका में कानूनी और राजनीतिक बहस का विषय बन गया है।

एयर कनाडा सीईओ पर विवाद, फ्रेंच न बोल पाने पर मांगी माफी

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा की बड़ी एयरलाइन एयर कनाडा के सीईओ माइकल रूसो को एक गंभीर विमान हादसे के बाद फ्रेंच भाषा में बात न कर पाने को लेकर भारी आलोचना का सामना करना पड़ा। न्यूयॉर्क में हुए इस हादसे में दो पायलटों की मौत हो गई थी, जिनमें से एक क्यूबेक का फ्रेंच भाषी था। इसके बाद सीईओ ने एक शोक संदेश जारी किया, लेकिन वह पूरी तरह अंग्रेजी में था, जिसमें केवल 'शुभ प्रभात' और 'धन्यवाद' जैसे दो फ्रेंच शब्द ही शामिल थे। इस पर क्यूबेक के नेताओं और आम लोगों ने कड़ी नाराजगी जताई। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने भी इसे संवेदनशीलता की कमी बताया और कहा कि देश की दोनों आधिकारिक भाषाओं का सम्मान जरूरी है। क्यूबेक के प्रीमियर ने तो सीईओ से इस्तीफा तक मांग लिया। अब माइकल रूसो ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हुए कहा कि उन्हें दुख है कि उनकी भाषा की कमी की वजह से हादसे से ध्यान हट गया। उन्होंने स्वीकार किया कि कई वर्षों से कोशिश करने के बावजूद वे अभी भी फ्रेंच में सही तरीके से बात नहीं कर पाते हैं, लेकिन वे सीखने की कोशिश जारी रखेंगे। यह मामला इसलिए भी बड़ा बन गया क्योंकि एयर कनाडा का मुख्यालय क्यूबेक में है, जहां लगभग 80% लोग फ्रेंच बोलते हैं। इससे पहले भी माइकल रूसो को इसी मुद्दे पर आलोचना झेलनी पड़ी थी।

अमेरिका में एयरफोर्स बेस के बाहर विस्फोटक मामला, भाई-बहन पर आरोप

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित मैकडिल एयरफोर्स बेस के बाहर विस्फोटक मिलने के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। इस मामले में भाई-बहन एलन झेंग और एन मैरी झेंग के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। एफबीआई के अनुसार, 20 साल का एलन झेंग चीन भाग गया है, जबकि उसकी बहन को हिरासत में लिया गया है। एलन पर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, खतरनाक विस्फोटक बनाने और बिना रजिस्ट्रेशन के हथियार रखने जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। वहीं उसकी बहन पर सबूत छिपाने और मदद करने का आरोप है। यह घटना 16 मार्च को सामने आई थी जब एयरफोर्स बेस के बाहर एक संदिग्ध पैकेट मिला। इसके बाद पूरे इलाके में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया था। यह बेस बेहद संवेदनशील है क्योंकि यहां से अमेरिका की मध्य-पूर्व और एशिया में सैन्य गतिविधियां संचालित होती हैं। इस घटना के बाद एक अन्य व्यक्ति को भी धमकी भरे फोन कॉल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया, हालांकि उसका इस विस्फोटक से कोई सीधा संबंध नहीं बताया गया है। ईरान युद्ध के चलते पहले से ही अमेरिकी सैन्य ठिकानों की सुरक्षा बढ़ाई गई थी, ऐसे में इस घटना ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता और बढ़ा दी है।

स्पेन में 25 साल की महिला ने ली इच्छामृत्यु, देशभर में बहस तेज

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन में 25 साल की नोएलिया कास्टिलो का इच्छामृत्यु लेना पूरे देश में चर्चा का बड़ा मुद्दा बन गया है। नोएलिया कैस्टिलो ने लंबे कानूनी संघर्ष के बाद यह अधिकार हासिल किया और बार्सिलोना में उन्हें जीवन समाप्त करने की अनुमति दी गई। कास्टिलो पिछले कई वर्षों से मानसिक बीमारी और गंभीर शारीरिक समस्याओं से जूझ रही थीं। एक आत्महत्या के प्रयास के बाद वे व्हीलचेयर पर आ गई थीं। उन्होंने 2024 में इच्छामृत्यु के लिए आवेदन किया, जिसे मेडिकल बोर्ड ने मंजूरी दे दी थी। हालांकि, उनके परिवार ने इस फैसले का विरोध किया और मामला कोर्ट तक पहुंच गया। कई अपीलों के बाद स्पेन की सुप्रीम कोर्ट ने कास्टिलो के पक्ष में फैसला सुनाया। मौत से एक दिन पहले उन्होंने कहा कि वे अब और दर्द सहन नहीं कर सकतीं और शांति चाहती हैं। वहीं, उनके परिवार का कहना है कि सरकार ने उनकी बेटी को बचाने में नाकामी दिखाई।

कनाडा में खालिस्तानियों के बुरे दिन! झंडे फहराने पर बैन, मंदिरों के बाहर उपद्रव पर जेल; बिल पास

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स ने बुधवार को एक ऐतिहासिक बिल पास किया है, जिसके तहत बब्बर खालसा जैसे खालिस्तानी समूहों के झंडे और अन्य आतंकवादी प्रतीकों का प्रदर्शन करना गैरकानूनी हो जाएगा। साथ ही, धार्मिक स्थलों के बाहर लोगों को डराना-धमकाना या उनका रास्ता रोकना भी अब अपराध की श्रेणी में आएगा।

प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व वाली कनाडा की लिबरल सरकार का राजनीतिक रूप से विवादास्पद नया घृणा-विरोधी विधेयक (एंटी-हेट बिल) 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में अपनी अंतिम बाधा पार कर चुका है और अब इसे मंजूरी के लिए सीनेट में भेजा जाएगा। इस बिल सी-9 को 'कॉम्बैटिंग हेट एक्ट' नाम दिया गया है। यह क्रिमिनल कोड (आपराधिक संहिता) में नए अपराधों का प्रस्ताव करता है। इसके तहत कुछ विशेष घृणा या आतंकवाद से जुड़े प्रतीकों का इस्तेमाल करके सार्वजनिक रूप से पहचान योग्य समूहों के खिलाफ जानबूझकर नफरत को बढ़ावा देना अपराध माना जाएगा। यह विधेयक बुधवार रात को ब्लॉक क्यूबेकोइस पार्टी के समर्थन से तीसरे चरण की वोटिंग (थर्ड रीडिंग) में पारित हो गया। मुख्य विपक्षी दल कंजर्वेटिव और एनडीपी ने इस कानून के खिलाफ मतदान किया।

बिल से जुड़ी मुख्य बातें : कॉम्बैटिंग हेट एक्टः इस बिल को

औपचारिक रूप से यही नाम दिया गया है। हाउस ऑफ कॉमन्स से पास होने के बाद अब इसे अंतिम मंजूरी के लिए कनाडाई सीनेट में भेजा जाएगा।

आतंकवाद के महिमामंडन पर रोकः यह नया कानून 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' की आड़ में खालिस्तानी झंडे फहराने और खुलेआम खालिस्तानी साहित्य बांटकर आतंकवाद का महिमामंडन करने पर सख्त पाबंदी लगाता है। आतंकी संगठनों पर नकेलः इस बिल के लागू होने से बब्बर खालसा इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन जैसे संगठनों के लिए सार्वजनिक रूप से काम करना बेहद मुश्किल हो जाएगा। ध्यान रहे कि इन दोनों ही संगठनों को भारत और कनाडा में आतंकवादी संगठन घोषित किया जा चुका है।

'धार्मिक छूट' हटाने पर हुआ समझौता : लिबरल पार्टी को ब्लॉक क्यूबेकोइस का समर्थन एक विशेष शर्त पर मिला। लिबरल्स ने बिल में एक ऐसा क्लॉज शामिल किया है जो कनाडा के हेट स्पीच (घृणा भाषण) कानून से 'धार्मिक छूट' को खत्म कर देगा। वर्तमान में, आपराधिक संहिता में हेट स्पीच के लिए एक छूट का प्रावधान है। इसके अनुसार, 'यदि कोई व्यक्ति सद्भावपूर्ण तरीके से, किसी धार्मिक विषय पर अपनी राय रखता है या किसी धार्मिक ग्रंथ में अपने विश्वास के आधार पर तर्क देकर अपनी बात स्थापित करने का प्रयास करता है' तो उसे हेट स्पीच नहीं माना जाता है। नया बिल इस छूट को खत्म कर देगा।

कंजर्वेटिव्स ने इस धार्मिक छूट को हटाने वाले प्रावधान का कड़ा विरोध करते हुए इसे धार्मिक स्वतंत्रता पर 'हमला' करार दिया है। कई धार्मिक समूहों ने भी इसे हटाए जाने पर गहरी चिंता जताई है। कैनेडियन सिविल लिबर्टीज एसोसिएशन जैसे नागरिक अधिकार समूहों का भी मानना है कि यह बिल शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों को आपराधिक बना सकता है और सरकार से असहमति जताने वाली आवाजों को दबा सकता है। सरकार का पक्ष और अगला कदम इस बिल को पेश करने वाले और ब्लॉक क्यूबेकोइस के साथ समझौता कराने वाले न्याय मंत्री सीन फ्रेजर ने विरोधियों की आलोचनाओं को खारिज किया है। उनका कहना है कि नया कानून किसी की आस्था को अपराध नहीं बनाएगा। अब यह बिल सीनेट (उच्च सदन) के पास जाएगा, जहां कानून बनने से पहले इसका गहन अध्ययन किया जाएगा। सीनेट के पास अभी भी इस कानून में बदलाव के लिए अपने सुझाव देने का अधिकार है। भारतीय-कनाडाई समुदाय के लिए बड़ी राहत इस बिल को भारतीय-कनाडाई समुदाय के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। यह समुदाय पिछले कई दशकों से कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा उत्पीड़न का सामना कर रहा था। खालिस्तानी समर्थकों द्वारा अक्सर हिंदू मंदिरों और अन्य धार्मिक संस्थानों में तोड़फोड़ की जाती रही है और वहां जाने वाले श्रद्धालुओं के रास्ते बंद किए जाते रहे हैं। खालिस्तान आंदोलन और कनाडा में उसका सुरक्षित ठिकाना खालिस्तान आंदोलन का मुख्य उद्देश्य भारत के पंजाब राज्य को अलग कर सिखों के लिए एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाना है।

आने वाले महीनों में ऑस्ट्रेलिया की तेल आपूर्ति और मुश्किल होगी : पीएम अल्बनीज

कैनबरा, एजेंसी। ईरान और अमेरिका-इजरायल में जारी हमलों की वजह से जो तनाव पैदा हुआ है, उसने तेल और गैस को लेकर दुनिया के तमाम देशों की चिंता बढ़ा दी है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने शुक्रवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया की फ्यूल सप्लाई शॉर्ट टर्म में अच्छी लग रही है लेकिन आने वाले महीनों में यह और मुश्किल हो जाएगी। देश में बढ़ते फ्यूल संकट पर कैनबरा में पार्लियामेंट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए पीएम अल्बनीज ने कहा कि सरकार सबसे मजबूत योजना बनाने के लिए रात-दिन काम कर रही है और जो भी हो सकता है उसके लिए पूरी तरह तैयार है। अल्बनीज ने मलेशिया और बड़े आसियान इलाके के साथ अपने सकारात्मक संबंधों का जिक्र किया। बता दें, मलेशिया ऑस्ट्रेलिया को तेल का एक अहम सप्लायर है।

जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा मंत्री क्रिस बोवेन ने कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल और तेल की सप्लाई वैसी ही बनी हुई है। बोवेन ने कहा, 'सरकार ने हमेशा माना है कि क्षेत्रीय ऑस्ट्रेलिया में असली और स्वीकार ना की जा सकने वाली कमी है क्योंकि डिमांड बहुत बढ़ गई है और उस मजबूत घरेलू सप्लाई में समय लगा है। अल्बनीज तेल के संकट की स्थिति को लेकर चर्चा करने के लिए सोमवार को एक नेशनल कैबिनेट मीटिंग भी बुलाएंगे। इससे पहले दिन में, विपक्ष के नेता एंगस टेलर ने सरकार से तीन महीने के लिए फ्यूल एक्साइज को अस्थायी तौर पर आधा करने की मांग की थी। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार ने बुधवार को माना कि देश भर के करीब 470 सर्विस स्टेशनों में कम से कम एक तरह का फ्यूल खत्म हो गया है। इससे पहले 24 मार्च को, ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (एबीसी) ने रिपोर्ट किया था कि ऑस्ट्रेलिया में अब सिर्फ दो घरेलू रिफाइनरियां चल रही हैं, जबकि इसका 80 फीसदी से ज्यादा पेट्रोल, डीजल और जेट फ्यूल इंपोर्ट किया जाता है, जिसमें से लगभग सारा एशिया से आता है। एबीसी ने यह भी बताया था कि एशियाई रिफाइनर जो कच्चा तेल इस्तेमाल करते हैं, उसका ज्यादातर हिस्सा मिडिल ईस्ट से आता है और इसे मुख्य रूप से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते भेजा जाता है। रिपोर्ट में कहा गया था कि ग्लोबल तेल बाजार में सप्लाई में भारी रुकावट आ रही है और बाजार अभी भी इस झटके के समय और नुकसान को कम आंक रहे हैं। इसमें कहा गया था कि अगर होर्मुज स्ट्रेट फिर से खुल भी जाता है, तो शिपिंग बीमा जल्दी ठीक नहीं हो पाएगा, जिसका मतलब है।

जी7 की बैठक से अलग कनाडा की विदेश मंत्री से मिले जयशंकर, पश्चिम एशिया और होर्मुज संकट पर हुई बात

ओटावा, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संकट और उसके दुनिया पर पड़ रहे असर को लेकर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ अहम बैठक की। दोनों नेताओं की यह बैठक जी7 की बैठक से अलग हुई। जयशंकर गुरुवार को जी7 के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने फ्रांस पहुंचे। बैठक के बाद कनाडा की विदेश मंत्री ने एक्स पर साझा एक पोस्ट में बताया कि दोनों नेताओं ने इस वर्ष की शुरुआत में पीएम कार्नी के भारत दौरे पर आगे बढ़ाई गई साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की।

पश्चिम एशिया संकट के अलावा इन मुद्दों पर हुई बात : आनंद ने कहा कि बैठक में व्यापार, पश्चिम एशिया की स्थिति और दोनों देशों के सहयोग को और मजबूत करने पर बात हुई। साथ ही प्रमुख क्षेत्रों जैसे महत्वपूर्ण खनिज, कृषि और शिक्षा पर भी चर्चा हुई। दो दिवसीय जी-7 बैठक में जयशंकर पश्चिम एशिया संकट पर विशेष ध्यान देते हुए इस बात पर विचार-विमर्श कर रहे हैं कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार के लिए हॉर्मुज जलडमरूमध्य खुला रहे। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित यह संकीर्ण समुद्री मार्ग वैश्विक तेल और एलएनजी आपूर्ति के लिए अहम है और दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस व्यापार यहीं से गुजरता है। पश्चिम एशिया संकट के चलते ईरान द्वारा इसे बाधित किया गया, जिसके चलते वैश्विक तेल और गैस कीमतों में तेज उछाल देखा गया है।

जी7 की बैठक में पश्चिम एशिया मुद्दा छाया रहा : यह जी-7 बैठक 26-27 मार्च को फ्रांस में आयोजित की जा रही है। ग्रुप ऑफ 7 में दुनिया की सात प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं। यूरोपीय संघ भी इस समूह का सदस्य है। भारत के अलावा, फ्रांस ने सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया और ब्राजील को भी इस बैठक में आमंत्रित किया है। जी-7 वैश्विक आर्थिक, वित्तीय और भू-राजनीतिक चुनौतियों पर चर्चा और समन्वित कार्रवाई के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में काम करता है।

पाकिस्तान में हो रहे मानवाधिकार हनन की संयुक्त राष्ट्र में कड़ी निंदा; अफगान नागरिकों की मौत पर भी चिंता

न्यूयार्क, एजेंसी। तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं पर जिनेवा में आयोजित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 61वें सत्र में पाकिस्तान में हो रहे मानवाधिकार हनन पर कड़ी निंदा की गई। सत्र के दौरान आर्थिक विकास और मानवाधिकारों का हनन शीर्षक से चर्चा हुई। इस दौरान पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान में किए गए हमलों में बेकसूर अफगान नागरिकों की मौत को लेकर भी गंभीर चिंता जताई गई।

इस दौरान जापानी मानवाधिकार कार्यकर्ता शुन फुजिकी बोले, करीब 27 वैश्विक मानवाधिकार समझौतों से बंधे होने के बावजूद इस देश में गंभीर उल्लंघन जारी हैं। उन्होंने जबरन गायब किए जाने, यातना और हत्याओं की व्यापक रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि कई नागरिक या तो देश छोड़कर भाग रहे

हैं या भय में जी रहे हैं। इंटरनेशनल करियर सपोर्ट एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस चर्चा में वैश्विक विशेषज्ञों ने भाग लिया और इस बात का विश्लेषण किया कि एशियाई देशों में तीव्र आर्थिक प्रगति किस प्रकार लगातार हो रहे मानवाधिकार उल्लंघनों को अक्सर नजरअंदाज कर देती है।

विशेषाधिकारों के वैश्विक मानक मानने होंगे : वक्ताओं ने श्रम अधिकारों के हनन व अभिव्यक्ति की आजादी पर अंकुश और नागरिक कल्याण को प्राथमिकता न देने वाली विकास नीतियों के व्यापक सामाजिक नतीजों पर प्रकाश डाला। जापान के शुन फुजिकी ने जोर दिया कि हमारा उद्देश्य पाकिस्तान को अलग-थलग करना नहीं, फिर भी पाकिस्तान को व्यापारिक विशेषाधिकारों को बनाए रखने के लिए वैश्विक मानकों का पालन करना होगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संधियों के प्रति प्रतिबद्धता की गंभीर कमी भी उजागर की। भारत में समानता और समावेश के मुद्दे पर चर्चा यूएनएचआरसी के 61वें सत्र में संभली ट्रस्ट के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह चौहान ने नस्लवाद, भेदभाव और असहिष्णुता की वैश्विक चुनौतियों की पर ध्यानाकर्षित करते हुए समावेशिता के प्रति भारत के सक्रिय दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, नस्ली भेदभाव और विदेशियों के प्रति घृणा विश्व स्तर पर सबसे बड़ी चुनौतियां हैं।

ये मुद्दे न केवल मानवीय गरिमा को ठेस पहुंचाते हैं, बल्कि सामाजिक सद्भाव को भी बाधित करते हैं, जिससे शिक्षा, रोजगार और न्याय तक पहुंच में समान अवसरों में बाधाएं पैदा होती हैं। वह बोले, भारत के ढांचे में सांविधानिक सुरक्षा उपाय समानता को बढ़ावा देते हैं और नागरिकों को भेदभाव से बचाते हैं। चौहान में जोधपुर में किए गए कार्यों की भी जानकारी दी।

ईरान युद्ध के बीच बदलते समीकरणों के चलते चीन ने बदला अपना रुख

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सरकार के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि चीन ईरान विवाद पर अपने नजरिए को बदल रहा है। पूर्व अधिकारी ने कहा कि चीन अमेरिका के साथ उच्च स्तरीय बातचीत की तैयारी के लिए तनाव कम करने के लिए समर्थन का संकेत दे रहा है। यह बात ऐसे समय में आई है जब प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप अगले महीने चीन जाने का प्लान बना रहे हैं, जबकि खाड़ी में लड़ाई बढ़ती जा रही है। पूर्व अधिकारी ने कहा, 'यह बहुत अच्छी बात है कि राष्ट्रपति इस बड़े युद्ध के बीच में चीन जाने के लिए तैयार थे।' उन्होंने इस समय को बहुत अजीब बताया। बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अप्रैल में चीन के दौरे पर जाने वाले थे। हालांकि, हालिया हमलों और तनाव की वजह से अब चर्चा हो रही है कि वह मई में चीन दौरे पर जाएंगे। ट्रंप के चीन दौरे को लेकर अधिकारी ने कहा कि एशिया भर के देश प्रस्तावित समिट पर करीब से नजर रख रहे हैं, क्योंकि इससे इलाके की स्थिरता और आर्थिक हालात पर असर पड़ सकता है। अधिकारी ने कहा, 'एशिया का हर देश देख रहा है और उम्मीद कर रहा है कि जब राष्ट्रपति ट्रंप चीन आएंगे तो क्या उम्मीद की जा सकती है।' अमेरिकी सरकार के एक दूसरे पुराने अधिकारी ने कहा कि हाल की आर्थिक बातचीत के बाद इस लड़ाई ने दोनों पक्षों को फिर से सोचने का मौका दिया है। पेरिस में हुई बातचीत का जिक्र करते हुए अधिकारी ने कहा, 'खाड़ी में ऑपरेशन दोनों पक्षों के लिए ज्यादा समय पाने का एक पॉलिटिकल कवर बन गया।' अधिकारी ने कहा कि चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति की मेजबानी के लिए तैयार होने का संकेत देना जारी रखा है। हालांकि, अभी इस दौरे से संबंधित डिटेल्स को लेकर कुछ भी तय नहीं हुआ है। अधिकारी ने कहा, 'चीनियों ने आज सुबह कमोबेश संकेत दिया कि वे अभी भी उनकी (ट्रंप की) मेजबानी के लिए तैयार होंगे, लेकिन तारीखें कन्फर्म नहीं कीं।' इसके साथ ही, हाल की डिप्लोमैटिक बातचीत के बाद लड़ाई पर चीन के मैसेज में बदलाव के संकेत दिखे हैं। एक तीसरे पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने कहा, 'शांति को बढ़ावा देने, ईरानियों को बातचीत की टेबल पर लाने पर ज्यादा ध्यान दिया गया है।' उन्होंने इस बदलाव को छोटा लेकिन ध्यान देने लायक बताया। अधिकारी ने आगे कहा कि अमेरिका के लिए एक शांति प्रस्ताव था, जिससे पता चलता है कि बीजिंग उच्च स्तरीय बातचीत से पहले हालात को स्थिर करना चाहता है। बदलते हालात ईरान विवाद और बड़ी अमेरिकी-चीन बातचीत के बीच के संबंध को भी दिखाते हैं। दूसरे अधिकारी ने एजेंडा के संभावित विस्तार की ओर इशारा करते हुए कहा, 'अमेरिका के बातचीत करने वाले अब किस हद तक, ईरानी तेल की चीनी खरीद जैसी बातें उठाना शुरू करेंगे।' अधिकारी ने ईरान को चीन के संभावित समर्थन के बारे में भी चिंता जताई। अधिकारी ने कहा, 'झगड़े से पहले, चीनियों ने ईरानियों को एंटी शिप मिसाइल बेचने की बात की थी।' उन्होंने कहा कि ऐसे विकास पर करीब से नजर रखी जाएगी। इन मुश्किलों के बावजूद, दोनों पक्ष बातचीत बनाए हुए दिख रहे हैं। समिट को लेकर चीन की ओर से मिल रहे संकेतों को लेकर अधिकारी ने कहा, 'मुझे लगता है यह उनके हित में है और यह हमारे भी हित में है।

मेक्सिको की खाड़ी में तेल का रिसावः 600 किलोमीटर तक फैला प्रदूषण, सात प्राकृतिक रिजर्व प्रभावित

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको की खाड़ी में मार्च की शुरुआत में तेल का भारी रिसाव हुआ। अब इसका प्रदूषण 600 किलोमीटर से ज्यादा बड़े इलाके में फैल गया है। मेक्सिकन अधिकारियों ने बताया कि यह रिसाव एक ऐसे जहाज से शुरू हुआ जिसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। इसमें दो प्राकृतिक स्रोत भी शामिल हैं। इस घटना ने सात प्राकृतिक रिजर्व क्षेत्रों को अपनी चपेट में ले लिया है।

नौसेना सचिव एडमिरल रायमुंडो मोरालेस ने मीडिया वार्ता में बताया कि सैटेलाइट तस्वीरों और जांच से रिसाव के तीन मुख्य ठिकानों का पता चला है। पहला स्रोत वेराक्रूज राज्य के कोत्जाकोआल्कोस बंदरगाह के पास खड़ा एक जहाज है। इस जहाज की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है क्योंकि उस समय वहां 13 जहाज मौजूद थे। दूसरा स्रोत इसी बंदरगाह से 8 किलोमीटर दूर एक ऐसी जगह है जहाँ से कच्चा तेल प्राकृतिक रूप से निकलता है। तीसरा स्रोत कैम्पेचे की खाड़ी में स्थित एक और प्राकृतिक रिसाव वाली जगह है। मोरालेस ने स्वीकार किया कि तेल का रिसाव अब भी जारी है। कैम्पेचे की खाड़ी में स्थित कंटारेल से सबसे ज्यादा रिसाव हो रहा है। यहां से प्राकृतिक रूप से तेल निकलता रहता है। हालांकि, पिछले महीने में प्रदूषकों का बहाव काफी ज्यादा रहा है।

कई राज्यों के लंबे तट प्रभावित : इस रिसाव ने वेराक्रूज और टबैस्को राज्यों के 200

किलोमीटर लंबे तट को प्रभावित किया है। अब तक 430 टन हाइड्रोकार्बन इकट्ठा किया जा चुका है। मामले पर पर्यावरण सचिव एलिसिया बारसेना ने बताया कि इस रिसाव से वेराक्रूज और ताबास्को राज्यों के सात संरक्षित प्राकृतिक रिजर्व प्रभावित हुए हैं, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें पर्यावरण को किसी भी तरह का गंभीर नुकसान होता हुआ नहीं दिखा है। समुद्री जीवों को पहुंच रहा नुकसान दूसरी तरफ, समुद्री संरक्षण के लिए काम करने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था ओशियाना ने अलग जानकारी दी है। संस्था ने बताया कि इस रिसाव से समुद्री कछुए, एक मैनेट (समुद्री गाय) और कई मछलियां मारी गई हैं। साथ ही 17 मूंगा चट्टानों (रीफ) को भी नुकसान पहुंचा है। पर्यावरण अधिकारियों ने भी माना कि समुद्री कछुए, पक्षी और मछलियों समेत छह प्रजातियां इस प्रदूषण से प्रभावित हुई हैं। तेल का असर लॉस टक्सटलास बायोस्फीयर रिजर्व, वेराक्रूज रीफ सिस्टम नेशनल पार्क, लेचुगुइलास और टोटोनाकापन जैसे कई सुरक्षित क्षेत्रों में देखा गया है। टबैस्को के सेंटला वेटलैंड्स में भी सफाई का काम किया जा रहा है। बता दें कि इससे पांच महीने पहले भी वेराक्रूज में भारी बारिश और बाढ़ के कारण वेराक्रूज में ही एक पाइपलाइन टूट गई थी।

अमेरिका ने पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों को और गहरा करने पर दिया जोर, रिश्ते को 'जटिल' बताया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के वरिष्ठ विधायकों और अधिकारियों ने पाकिस्तान के साथ अधिक गहरे और परिणाम-उन्मुख संबंधों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया है और इस रिश्ते को 'जटिल' बताया है। कैपिटल हिल पर बुधवार को टाम सुओजी और जैक बर्गमैन द्वारा आयोजित एक द्विदलीय संगोष्ठी में 200 से अधिक नीति-निर्माताओं, राजनयिकों और विशेषज्ञों ने अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों की दिशा का आकलन किया। सुओज़ी ने कहा, 'ऐसे समय में जब हमारा देश और दुनिया बढ़ती विभाजन की भावना महसूस कर रहे हैं, पाकिस्तान जैसे महत्वपूर्ण साझेदारों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना पहले से कहीं अधिक जरूरी है।' संयुक्त राज्य अमेरिका और पाकिस्तान के बीच संबंध जटिल रहे हैं। बर्गमैन ने विभाजनों के पार संवाद और सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'ऐसी एकता संयोग से नहीं होती। यह बातचीत से शुरू होती है। यह इस साझा विश्वास से शुरू होती है कि जब लोग साथ आते हैं, खुले तौर पर विचारों का आदान-प्रदान करते हैं और सम्मानपूर्वक जुड़ते हैं, तो प्रगति संभव है।' उन्होंने जोड़ा कि स्थायी प्रगति के लिए असहमतियों को 'सम्मान के साथ' संभालना आवश्यक है। अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत रिजवान सईद शेख ने इस रिश्ते को दीर्घकालिक और महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान का यह संबंध निश्चित रूप से सबसे महत्वपूर्ण और प्रभावशाली संबंधों में से एक है, जो लगभग आठ दशकों में कई सफल साझेदारियों के रूप में सामने आया है। हर बार जब हम साथ आए हैं, इसका प्रभाव द्विपक्षीय दायरे से परे रहा है और पूरी दुनिया को लाभ हुआ है।' अमेरिकी विदेश विभाग के सहायक सचिव एस पॉल कपूर ने कहा कि वाशिंगटन ठोस परिणाम चाहता है। 'हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि

अमेरिका-पाकिस्तान द्विपक्षीय संबंधों में सद्भावना और उच्च-स्तरीय ध्यान अमेरिकी और पाकिस्तानी लोगों के लिए ठोस लाभ में बदलें।' इस संगोष्ठी में सुरक्षा और आर्थिक सहयोग पर पैनल चर्चाएं हुईं। विशेषज्ञों ने क्षेत्रीय स्थिरता, जिसमें भारत व चीन के साथ पाकिस्तान के संबंध भी शामिल हैं और व्यापार व निवेश बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार किया। माइकल कगलमैन (अटलांटिक काउंसिल) ने कहा कि यह साझेदारी 'अच्छी स्थिति में है,' लेकिन इसे समय के साथ अधिक टिकाऊ बनाने की जरूरत है। पूर्व राजदूत तौकीर हुसैन ने चेतावनी दी कि अमेरिकी नीति केवल दिखावे से आगे बढ़नी चाहिए। 'अगर अमेरिका अच्छे साझेदार चाहता है, तो उसे अच्छी नीतियां बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अच्छी नीति का मापदंड केवल यह नहीं होना चाहिए कि वह वाशिंगटन में अच्छी दिखती है। सुरक्षा चिंताएं भी प्रमुख मुद्दा रहीं। लीसा कर्टिस ने चेतावनी दी कि तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) अब भी 'एक खतरनाक और घातक संगठन' है और पाकिस्तान की स्थिरता सुनिश्चित करने में अमेरिका की रुचि पर जोर दिया। हसन अब्बास ने आतंकवाद, संगठित अपराध और सीमा-पार खतरों से निपटने के लिए नागरिक कानून-प्रवर्तन को मजबूत करने की आवश्यकता बताई।

आर्थिक मोर्चे पर सोफयां युसूफी ने पाकिस्तान में डिजिटलीकरण और व्यापक आर्थिक सुधारों की ओर बढ़ते प्रयासों का उल्लेख किया लेकिन निर्यात और विदेशी मुद्रा बढ़ाने के लिए स्पष्ट औद्योगिक नीति की जरूरत बताई। एसपेरेंजा (यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स) ने कहा कि नए सिरे से जुड़ाव ने निजी क्षेत्र के निवेश के अवसर खोले हैं और द्विपक्षीय व्यापार मुद्दों को सुलझाने का आह्वान किया।

अंत में सुओजी ने कहा, 'यह सम्मेलन अतीत से सीखने, वर्तमान को समझने और हमारे दोनों देशों के बीच अधिक समझदारी व सहयोगपूर्ण भविष्य का मार्ग तैयार करने के बारे में है।'

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed at MANGALYAM MUDRANALAY, 107/B, Parwati Industrial Estate, Opp. PNB, Tavdipura, Ahmedabad-380004. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.